THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 362 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.11 2081 मंगलवार, 25 मार्च-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दक्षिण-मध्य एशिया के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन आज से भारत दौरे पर, टैरिफ पर होगी वार्ता

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से टैरिफ नीति लागू करने की निर्धारित समयसीमा में सिर्फ आठ दिन बचे हैं। इस बीच कल दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच मंगलवार से भारत की पांच दिवसीय यात्रा करेंगे। इस दौरान वे दोनों देशों के बीच व्यापार और टैरिफ से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बताया जा रहा है कि वरिष्ठ अमेरिकी व्यापार अधिकारी ब्रेंडन भारत में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के साथ बातचीत करेंगे। इसके साथ ही वे कई अन्य वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

सांसदों की सैलरी 24 फीसद बढ़ी

✻ सांसदों के वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी ✻ केंद्र ने जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने संसद सदस्यों और पूर्व सदस्यों के वेतन, दैनिक भत्ते और पेंशन में आधिकारिक तौर पर बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की है। संसदीय कार्य मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक, 1 अप्रैल 2023 से यह संशोधित वेतनमान लागू होगा। मोदी सरकार ने महंगाई को ध्यान में रखते हुए संसद सदस्य वेतन, भत्ते और पेंशन अधिनियम, 1954 के तहत वेतन और पेंशन में संशोधन किया है।

अब वेतन और भत्ते की बात की जाए तो पहले संसद के सदस्यों को वेतन 1,00,000 रुपये मिलता था और अब यह बढ़कर 1,24,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह दैनिक भत्ते में भी इजाफा हुआ है। यह 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है। संसद के सदस्यों और पूर्व सदस्यों के लिए मासिक पेंशन 25,000 रुपये से बढ़ाकर 31,000 रुपये कर दी गई है। इतना ही नहीं एडिशनल पेंशन पहले 2,000 प्रति माह थी, जिसे 2,500 प्रति महीने कर दिया गया है।

नए वेतन और भत्ते इस प्रकार हैं

सांसदों का मासिक वेतन

> *पहले : <1,00,000 प्रति माह*
✻ *अब : <1,24,000 प्रति माह*

दैनिक भत्ता (संसद सत्र के दौरान बैठकों में भाग लेने पर)

> *पहले : <2,000 प्रति दिन*
✻ *अब : <2,500 प्रति दिन*

पूर्व सांसदों की मासिक पेंशन :

> *पहले : <25,000 प्रति माह*
✻ *अब : <31,000 प्रति माह*

अतिरिक्त पेंशन (पांच वर्ष की सेवा से अधिक के प्रत्येक वर्ष के लिए)

> *पहले : <2,000 प्रति माह*
✻ *अब : <2,500 प्रति माह*

सरकार ने यह बढ़ोतरी सांसद वेतन, भत्ता और पेंशन अधिनियम के तहत आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट मूल्य वृद्धि सूचकांक के आधार पर अधिसूचित की है।

आखिरी बार कब हुआ था बदलाव

यह संशोधन संसद के चालू बजट सत्र के दौरान किया गया है। सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में आखिरी बार अप्रैल 2018 में बदलाव किया गया था। इस बढ़ोतरी से राजकोष पर वित्तीय असर पड़ने के आसार हैं, क्योंकि 543 लोकसभा सांसद, 245 राज्यसभा सांसद और कई पूर्व सांसद हैं जिन्हें बढ़ी हुई पेंशन का फायदा होगा। वेतन और भत्तों के अलावा, सेवारत सांसदों को कई और भी सुविधाओं का फायदा मिलता है। सांसदों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में काम करने के लिए 70,000 रुपये हर महीने निर्वाचन क्षेत्र भत्ता मिलता है और ऑफिस खर्च के लिए 60,000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। इसमें कर्मचारियों का वेतन, फोन और स्टेशनरी शामिल है।

हवाई यात्राओं का भी मिलता है फायदा :

सांसदों को अपने और अपने परिवार के लिए हर साल 34 फ्री हवाई यात्राएं करने का भी फायदा मिलता है। साथ ही उन्हें कुछ जगहों पर बिना किराए के आवास का भी मिलता है।

जो लोग आधिकारिक आवास नहीं लेना चाहते, वे 2 लाख रुपये मासिक आवास भत्ते का दावा कर सकते हैं। इन सभी के अलावा और भी कई फायदे सांसदों को मिलते हैं। इसमें 50 हजार यूनिट फ्री बिजली, परिवार के सदस्यों के लिए केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत स्वास्थ्य देखभाल कवरेज शामिल है।

जज के घर कैश मामले में विपक्ष ने निष्पक्ष जांच की मांग की

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट के जज कथित तौर पर भारी मात्रा में कैश की बरामदगी मामले में राजनीति भी शुरू हो गई है। अब इस मामले में तमाम विपक्षी सांसदों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ विपक्षी सांसदों ने निष्पक्ष जांच की मांग के साथ-साथ जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग भी चलाने की मांग की है। बता दें कि, 14 मार्च को लुटियंस दिल्ली के पॉश इलाके में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोररूम में आग लगने की घटना के बाद कथित तौर पर अग्निशमन कर्मियों और पुलिस कर्मियों ने नकदी बरामद की थी।

सीजेआई का निर्देश, हाईकोर्ट का एक्शन

✻ न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को कोर्ट की सुनवाई से किया गया अलग

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण नोटिस जारी करते हुए सूचित किया है कि जस्टिस यशवंत वर्मा से तत्काल प्रभाव से न्यायिक कार्य वापस ले लिया गया है। यह जानकारी दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से 24 मार्च 2025 को जारी एक सप्लीमेंट्री केस लिस्ट में दी गई। नोटिस में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर, जस्टिस यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाता है, जब तक कि अगले आदेश न दिए जाएं। हालांकि, इस नोटिस में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह निर्णय क्यों लिया गया है।

नोट में कहा गया है कि न्यायमूर्ति वर्मा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ-III के कोर्ट मास्टर आज से पहले सूचीबद्ध मामलों में तारीख देंगे। रजिस्ट्रार के नाम से न्यायालय की वेबसाइट पर जारी नोट में इसका जिक्र है। नकदी मिलने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा से न्यायिक कार्य तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक वापस ले लिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने बीती 22 मार्च को न्यायमूर्ति वर्मा के घर से बड़ी मात्रा में नकदी बरामद के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय की जांच रिपोर्ट अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी। जिसमें तस्वीरें और वीडियो भी शामिल थे।

खबरों के मुताबिक, दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने सीजेआई के निर्देश पर यह कार्रवाई की है। वहीं न्यायमूर्ति उपाध्याय द्वारा मुख्य न्यायाधीश को भेजी गई रिपोर्ट में आधिकारिक संचार के संबंध में सामग्री शामिल है। जिसमें कहा गया है कि न्यायाधीश के लुटियंस दिल्ली आवास से नोटों की चार से पांच अधजली बोरियां बरामद हुईं। जबकि दूसरी तरफ न्यायमूर्ति वर्मा ने मुद्रा बरामदगी विवाद में आरोपों की कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि उनके या उनके परिवार के किसी सदस्य द्वारा उनके आवास के स्टोररूम में कभी भी कोई नकदी नहीं रखी गई।

> दिल्ली में इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों का प्रदर्शन

आरएसएस के हाथ में एजुकेशन सिस्टम-किसी को रोजगार नहीं मिलेगा, देश बर्बाद हो जाएगा : राहुल

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुआई में सोमवार को जंतर-मंतर पर इंडिया गठबंधन के छात्र संगठनों ने देशभर में बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया। छात्र संगठन नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी), नियुक्तियों पर यूजीसी के प्रस्तावित दिशा-निर्देशों को वापस लेने और छात्र संघों को बहाल करने की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा रोजगार का है और सरकार इस मुद्दे पर चुप है। राहुल बोले हम छात्र हितों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस देश के एजुकेशन सिस्टम को खत्म कर रहा है और आने वाले वक्त में किसी को रोजगार नहीं मिलेगा। राहुल ने कहा, एक संगठन हिंदुस्तान के भविष्य को, एजुकेशन सिस्टम को खत्म करने में लगा है। उसका नाम आरएसएस है। सच्चाई है कि हमारा शिक्षा का सिस्टम धीरे-धीरे उनके हाथों में जा रहा है। अगर सिस्टम उनके हाथों में चला जाएगा तो देश बर्बाद हो जाएगा। किसी को रोजगार नहीं मिलेगा।

प्रदर्शन में नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (एआईएसए), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई), ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), मुस्लिम स्टूडेंट्स फेडरेशन (एमएसएफ), समाजवादी छात्र सभा और छात्र राष्ट्रीय जनता दल (सीआरजेडी) शामिल हैं।

जंतर-मंतर पर राहुल गांधी के 4 बयान

> राहुल ने कहा, ये आपकी जिम्मेदारी है कि छात्रों को बताया जाए कि यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस के हैं। आने वाले समय में सभी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर आरएसएस के नॉमिनेशन से बनेंगे। ये देश के लिए खतरनाक है। हमें इसे रोकना होगा।

> राहुल बोले, कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री ने कुंभ पर भाषण दिया। इस पर बोलना अच्छा है, लेकिन आपको भविष्य पर भी बात करनी चाहिए। बेरोजगारी पर बात करनी चाहिए, जो देश के युवाओं को बेरोजगार किया जा रहा है, उस पर बात करनी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा, प्रधानमंत्री महंगाई, बेरोजगारी के बारे में एक शब्द नहीं बोलते हैं। प्रधानमंत्री का मॉडल है अंबानी-अदाणी को देश का धन दिलाना, आरएसएस को देश के सारे संस्थान पकड़ा देना।

कोर्ट ने सीबीआई से मांगी केस डायरी

> पूछा-क्या सामूहिक दुष्कर्म-सबूत मिटाने की संभावना भी जांच रहे

कोलकाता, 24 मार्च (एजेंसियां)। आरजीकर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट ने सीबीआई को मामले की जांच से संबंधित केस डायरी अगली सुनवाई पर पेश करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान अदालत ने सीबीआई ये यह भी पूछा कि क्या केंद्रीय एजेंसी अपनी जांच में सामूहिक दुष्कर्म या मामले में सबूतों को नष्ट किए जाने की संभावना के एंगल पर भी जांच कर रही है। वहीं, मृतका के परिजन और मामले में याचिकाकर्ता ने इस दौरान अदालत की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया कि ट्रायल कोर्ट में आरोप-पत्र दाखिल करते समय सीबीआई ने कहा था कि अपराध में बड़ी साजिश शामिल थी। ऐसे में उन्होंने मामले की आगे की जांच के लिए प्रार्थना की। जिस पर न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं की प्रार्थनाओं पर जांच के वर्तमान चरण और सीबीआई द्वारा पेश की जाने वाली केस डायरी को देखने के बाद विचार किया जाएगा।

जजों को छूट से जुड़े 1991 फैसले को दी गई चुनौती

> एफआईआर दर्ज करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली पुलिस को दिल्ली हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से कथित तौर पर आधी जली हुई नकदी बरामद होने के मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की गई है। इस याचिका में के. वीरस्वामी मामले में 1991 के फैसले को भी चुनौती दी गई है, जिसमें शीर्ष अदालत ने फैसला सुनाया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना हाई कोर्ट या शीर्ष अदालत के किसी जज के खिलाफ कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती।

मामले में सुप्रीम कोर्ट की कार्रवाई :

कथित नकदी बरामदगी 14 मार्च को रात करीब 11.35 बजे जज यशवंत वर्मा के लुटियंस स्थित आवास में आग लगने के बाद हुई, जिसके बाद अग्निशमन अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर आग बुझानी पड़ी। इसके बाद, सीजेआई संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम और दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को जस्टिस वर्मा से न्यायिक कार्य वापस लेने समेत कई निर्देश जारी किए। मामले में सीजेआई ने जांच के लिए एक आंतरिक समिति गठित की और दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय से कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा को कोई न्यायिक कार्य न सौंपा जाए। सोमवार को न्यायमूर्ति वर्मा को अगले आदेश तक पद से हटा दिया गया।

याचिका में क्या की गई मांग :

23 मार्च को अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्परा और तीन अन्य की तरफ से दायर याचिका में यह भी कहा गया कि न्यायाधीशों को दी गई छूट कानून के समक्ष समानता के संवैधानिक सिद्धांत का उल्लंघन करती है और न्यायिक जवाबदेही व कानून के शासन के बारे में चिंताएं पैदा करती है। याचिका में कहा गया है, यह घोषित करना कि न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से अग्निशमन बल/पुलिस की तरफ से भारी मात्रा में धन की बरामदगी की घटना भारतीय न्याय संहिता के कई प्रावधानों के तहत दंडनीय अपराध है और पुलिस का कर्तव्य है कि वह एफआईआर दर्ज करे। याचिका में 1991 की उस टिप्पणी को चुनौती दी गई थी कि मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना किसी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जाएगा और तर्क दिया गया था कि वे 'पर इनक्यूरियम' (देखभाल की कमी) और 'सब साइलेंटियो' (चुपचाप) थे। याचिका में कहा गया है कि, न्यायालय की टिप्पणी कानून की अज्ञानता और बिना इस बात पर ध्यान दिए कि पुलिस का यह वैधानिक कर्तव्य है कि जब उसे किसी संज्ञेय अपराध की सूचना मिले तो वह एफआईआर दर्ज करे और न्यायालय का उक्त निर्देश पुलिस को उसके वैधानिक कर्तव्य का निर्वहन करने से रोकने के अलावा कुछ नहीं है।

मणिपुर में पुलिस की कार्रवाई

पंबेई के उग्रवादियों पर हमला करने वाले मैतेई संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार

इंफाल, 24 मार्च (एजेंसियां)। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के उग्रवादियों पर हमला करने वाले मैतेई संगठन अरंबाई टेंगोल के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों सदस्यों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

शनिवार दोपहर को अरंबाई टेंगोल के लगभग 15-20 सदस्य कोंगपाल चिंगंगबाम लेइकाई में इरेंगबाम नंदकुमार सिंह (56) के रूप में पहचाने गए यूएनएलएफ के एक उग्रवादी के घर में घुस गए थे और इंफाल घाटी स्थित संगठन के उग्रवादियों पर हमला कर दिया था। इस दौरान घर में मौजूद चार यूएनएलएफ (पंबेई) उग्रवादियों को लाठियों से पीटा गया था। दोनों पक्षों की ओर से कई राउंड फायरिंग भी हुई थी। पुलिस ने यूएनएलएफ (पंबेई) उग्रवादियों को हिरासत में ले लिया गया था। जबकि हमलावर मौके से भागने में सफल रहे थे। रविवार को पुलिस ने एक अभियान के दौरान अरंबाई टेंगोल के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्नुपुर जिले के कुंबी तेराखोंग से तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इनकी पहचान ओइनम अबंग मैतेई, युमलेबम रोमेश सिंह और आरके नेवी मैतेई के तौर पर हुई। उनके पास से एक एलएमजी, दो मैगजीन और 20 गोला-बारूद बरामद हुए। इसके अलावा अन्य कार्रवाई में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के निंगोमवम लमखाई से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान शगोलशेम प्रबीन सिंह (27) के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि वह परिवहन वाहनों से जबरन वसूली करने में शामिल था। गौरतलब है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

'खुसरो और तुलसीदास के जन्मस्थान एएसआई के तहत संरक्षित स्मारक नहीं'

लोकसभा में गजेंद्र सिंह का जवाब

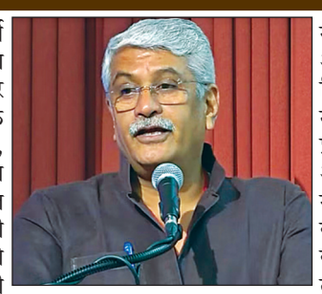

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के एटा लोकसभा क्षेत्र में स्थित अमीर खुसरो और तुलसीदास के जन्मस्थान, पटियाली और सोरों, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के तहत संरक्षित स्मारक नहीं हैं। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को संसद में यह जानकारी दी। साथ ही साथ मंत्री ने बताया कि एटा क्षेत्र में खुसरो और तुलसीदास के जन्मस्थल संरक्षण और विकास के लिए फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

एएसआई के देखरेख में शामिल नहीं है ये दोनों स्मारके :

मामले में मंत्री से पूछा गया था कि क्या केंद्र इन दो महान कवियों के जन्मस्थलों को उनके साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान को देखते हुए किसी विशेष योजना के तहत संरक्षित और विकसित करने का प्रस्ताव रखता है। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि एएसआई देशभर में 3,698 स्मारकों की देखरेख करता है, लेकिन पटियाली और सोरों इनमे शामिल नहीं हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने जवाब में ये बात सपष्ट किया कि फिलहाल तो इन स्थानों के संरक्षण और विकास के लिए कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसके अलावा जब मंत्री से यह भी पूछा गया था कि क्या सरकार इन स्थानों को राष्ट्रीय धरोहर स्थल घोषित करने का कोई विचार कर रही है, तो मंत्री ने कहा कि ऐसा कोई प्रस्ताव अभी विचाराधीन नहीं है।

अमीर खुसरो और तुलसीदास :

गौतरलब है कि अमीर खुसरो और तुलसीदास दोनों ही महान कवि थे। खुसरो को उनके दोहों के लिए और तुलसीदास को रामचरितमानस जैसी महाकाव्य रचना के लिए जाना जाता है। अमीर खुसरो 13वीं शताब्दी में पैदा हुए थे और उन्हें उनके दोहों और सूफी काव्य के लिए जाना जाता है। तुलसीदास, जो 16वीं शताब्दी में जन्मे थे, ने अपनी प्रसिद्ध रचना रामचरितमानस के जरिए भारतीय साहित्य में अमिट छाप छोड़ी। दोनों कवियों की पंक्तियां आज भी साहित्यकारों और आम लोगों के लिए खास है।

एटीएम से पैसा निकालने, बैलेंस चेक करने पर अब ज्यादा लगेगा चार्ज

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। एक मई से एटीएम इस्तेमाल करने वालों को थोड़ा ज्यादा पैसा देना पड़ सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एटीएम इंटरचेंज फीस बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। इसका मतलब है कि अगर आप अपने बैंक के अलावा किसी और बैंक के एटीएम से पैसे निकालते हैं या बैलेंस चेक करते हैं तो आपको ज्यादा चार्ज लगेगा। व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर्स के कहने पर और आरबीआई की मंजूरी के बाद ये बदलाव होने जा रहा है। 1 मई से एटीएम इस्तेमाल करने पर लगने वाले चार्ज बढ़ जाएंगे।

कैश निकालने का चार्ज 17 रुपये से बढ़कर 19 रुपये हो जाएगा। बैलेंस चेक करने का चार्ज 6 रुपये से बढ़कर 7 रुपये हो जाएगा। ये चार्ज तब लगेंगे जब आप महीने में मिलने वाली मुफ्त लिमिट खत्म कर लेंगे। मेट्रो शहरों में पांच और नॉन-मेट्रो शहरों में तीन मुफ्त ट्रांजैक्शन मिलते हैं। यह बढ़ोतरी आरबीआई की मंजूरी से की गई है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के एक प्रस्ताव पर यह आधारित है। व्हाइट-लेबल एटीएम ऑपरेटर्स फीस बढ़ाने के लिए दबाव डाल रहे थे। उनका कहना था कि पुरानी फीस से बढ़ते खर्चों को पूरा करना मुश्किल हो रहा है। छोटे बैंकों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा।

कारण है कि वे अपने सीमित एटीएम नेटवर्क के कारण दूसरे बैंकों के एटीएम पर ज्यादा निर्भर रहते हैं। इंटरचेंज फीस बढ़ने से ग्राहकों पर सीधा असर पड़ेगा। इंटरचेंज फीस वह रकम है जो एक बैंक दूसरे बैंक को तब देता है जब कोई ग्राहक दूसरे बैंक का एटीएम इस्तेमाल करता है। ज्यादा चार्ज लगने से बचने के लिए एटीएम का ज्यादा इस्तेमाल करने वाले लोग अपने बैंक के एटीएम का इस्तेमाल कर सकते हैं। वे डिजिटल पेमेंट के तरीके भी अपना सकते हैं।

महिला बोली-5 आतंकी देखे, पति को पकड़ लिया था, चकमा देकर भागे

जम्मू, 24 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू के कठुआ में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हीरानगर सेक्टर में सोमवार सुबह सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। रविवार शाम 6:30 बजे आतंकियों के साथ मुठभेड़ शुरू हुई थी। विजिबिलिटी कम होने के बाद एनकाउंटर रोका गया था। सुबह होते ही दोबारा शुरू हुआ।

सुरक्षाबलों को इनपुट मिला था कि पांच-छह आतंकियों के दो ग्रुप ने 22 मार्च को घुसपैठ की है। इसके बाद बीते दिन एलओसी से 5 किमी दूर सान्याल गांव में एक नर्सरी के बाड़े में आतंकियों की मौजूदगी की खबर मिली। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी।

अवमानना याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण को 'सुप्रीम' नोटिस

> देश विरोधी नारों पर हुई थी ध्वस्तीकरण कार्रवाई

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक अवमानना याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण से जवाब मांगा। दरअसल, कोर्ट सिंधुदुर्ग जिले में एक घर और दुकान के खिलाफ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई थी। कार्रवाई क्रिकेट मैच के दौरान कथित भारत विरोधी नारे लगाने के मामले में की गई थी। इसी मामले में अवमानना कार्यवाही शुरू करने की मांग वाली याचिका पर महाराष्ट्र प्राधिकरण से जवाब मांगा गया है।

याचिकाकर्ता का दावा, पीठ की टिप्पणी

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के दौरान कथित भारत विरोधी नारे लगाने के बारे में एक तुच्छ शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसके बाद अधिकारियों की ओर से तोड़फोड़ की गई। न्यायमूर्ति बीआर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, नोटिस जारी करें। पीठ ने कहा कि याचिका पर चार सप्ताह बाद सुनवाई की जाएगी। सिंधुदुर्ग जिले के रहने वाले याचिकाकर्ता ने दावा किया कि चैंपियंस ट्रॉफी में भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान कथित तौर पर भारत विरोधी नारे लगाने के लिए उसके, उसकी पत्नी और उसके 14 वर्षीय बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद 24 फरवरी को उसका घर और दुकान ध्वस्त कर दी गई थी। मैच में भारत ने पिछले दिन जीत दर्ज की थी।

किताबुनल्ला हमीदुल्ला खान की ओर से दायर याचिका में मालवन नगर परिषद के मुख्य अधिकारी और प्रशासक के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने के निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में तर्क दिया गया है कि यह कार्रवाई संपत्तियों को ध्वस्त करने के संबंध में शीर्ष अदालत के 13 नवंबर, 2024 के फैसले का उल्लंघन है। फैसले में अखिल भारतीय दिशा-निर्देश निर्धारित किए गए थे। इसमें बिना पूर्व कारण बताओ नोटिस और पीड़ित पक्ष को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिए बिना संपत्तियों को ध्वस्त करने पर रोक लगाई गई थी।

दुकान और घर को अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया :

एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि रात करीब 9.15 बजे जब शिकायतकर्ता अपने दोस्त के घर जा रहा था, तो याचिकाकर्ता के बेटे ने क्रिकेट मैच देखते हुए भारत विरोधी नारा लगाया। याचिकाकर्ता और उसके नाबालिग बेटे को आधी रात को पुलिस स्टेशन ले जाया गया और लड़के को चार-पांच घंटे बाद जाने दिया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता और उसकी पत्नी को जेल भेज दिया गया, लेकिन अधिकारियों ने 24 फरवरी को उसकी टिन शेड वाली कबाड़ की दुकान और घर को अवैध बताते हुए ध्वस्त कर दिया।

जयराम रमेश ने रिजिजू के खिलाफ राज्यसभा में दिया विशेषाधिकार हनन का नोटिस

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) जयराम रमेश ने सोमवार को राज्यसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि किरेन रिजिजू ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के कथित बयानों को लेकर सदन को "गुमराह" किया है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने यह नोटिस राज्यसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियमावली के नियम 188 के तहत सभापति जगदीप धनखड़ को सौंपा है। नोटिस में उन्होंने कहा कि 24 मार्च को राज्यसभा की बैठक शुरू होने के तुरंत बाद किरेन रिजिजू ने "स्पष्ट रूप से गलत बयान" देकर सदन को गुमराह किया और डी के शिवकुमार के नाम से झूठे बयान जोड़े। उन्होंने कहा, डी के शिवकुमार पहले ही इन बयानों को झूठा और अपमानजनक करार देकर खंडन कर चुके हैं। ऐसे में किरेन रिजिजू द्वारा दिए गए बयान गलत और भ्रामक हैं, जो विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना के दायरे में आते हैं।

रिजिजू ने सदन में कहा था कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता, जो एक संवैधानिक पद पर हैं, उनका कहना है कि उनकी पार्टी संविधान में बदलाव कर मुसलमानों को आरक्षण देगी। हालांकि उन्होंने किसी नेता का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को शिवकुमार से जोड़कर देखा गया। रिजिजू ने कहा, हम इस बयान को हल्के में नहीं ले सकते।

'कांग्रेस काल में तीसरी अनिवार्य भाषा थी हिंदी, डीएमके ने तमिल को कभी अनिवार्य भाषा नहीं बनाया

चेन्नई, 24 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भाषा विवाद गहराता जा रहा है। अब भाजपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने दावा किया है कि तमिलनाडु में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दौरान हिंदी 'अनिवार्य' तीसरी भाषा थी। उन्होंने कहा कि वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने किसी भी भारतीय भाषा को तीसरी भाषा के रूप में पढ़ने का विकल्प दिया। आगे उन्होंने नई शिक्षा नीति का जिक्र करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि पीएम मोदी ने तमिलनाडु के संदर्भ में ही 'तमिल' को कक्षा 1-5 तक की शिक्षा के लिए अनिवार्य माध्यम बना दिया है, जबकि तमिलनाडु में कई सालों तक राज करने के बाद भी डीएमके ने तमिल भाषा को अनिवार्य नहीं बनाया।

तिरुचिरापल्ली में एक एक जनसभा को संबोधित करते हुए अन्नामलाई ने चीन, जर्मनी और जापान जैसे देशों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि आज ये देश इसलिए भी विकसित हो पाए हैं क्योंकि वे अपने बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा देते हैं। उन्होंने कहा कि पहली दो शिक्षा नीतियों में हिंदी अनिवार्य तीसरी भाषा थी और एनईपी 2020 के मसौदे में भी ऐसा ही है। आगे त्रिभाषा नीति का जिक्र करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि मई 2019 में मोदी सरकार ने एनईपी के मसौदे में तीसरी भाषा को हिंदी से बदल कर अपनी पसंद की कोई भी भी भारतीय भाषा चुनने का विकल्प रखा था। इसके साथ ही अब एनईपी आपकी पसंद की तीसरी भाषा प्रदान करती है। आप तेलुगु, कन्नड़, मलयालम या हिंदी भी पढ़ सकते हैं। यह 3-भाषा नीति है।

सुप्रीम कोर्ट में 'लेक्चरबाजी नहीं' दुष्कर्म के प्रयास से जुड़े इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि नाबालिग की छाती को पकड़ना, पायजामा का नाड़ा तोड़ना और उसे पुलिया के नीचे घसीटने जैसे तथ्य मात्र से दुष्कर्म का मामला नहीं बनता। जस्टिस बेला त्रिवेदी और प्रसन्ना बी. वराले की पीठ ने याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि कोर्ट इस पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील ने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना' से संबंधित तथ्य बताते हुए अपनी बात शुरू की, लेकिन जस्टिस बेला त्रिवेदी ने उन्हें बीच में ही रोक दिया। जस्टिस त्रिवेदी ने साफ किया कि इस विषय पर उनके समक्ष पेश होने वाले वकीलों की ओर से कोई लेक्चरबाजी (व्याख्यानबाजी) नहीं होनी चाहिए। इसके बाद कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में मांग की गई थी कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले में कुछ शब्दों को हटाया जाए या संशोधित किया जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या कहा था?

इससे पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि पीड़िता को छूने या कपड़े उतारने की कोशिश

को दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना जा सकता। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की कोर्ट ने कासगंज के आरोपियों के खिलाफ ट्रायल कोर्ट से जारी सम्मन को रद्द कर दिया था। कोर्ट ने यौन हमले की धाराओं के तहत पुनः आदेश पारित करने का आदेश दिया था।

झूठे आरोपों में फंसाने की दलील दी थी

मामले में याची के अधिवक्ता ने आरोपियों को झूठा फंसाने की दलील देते हुए कहा था कि दुष्कर्म के प्रयास की धाराओं में समन जारी किया गया है, जबकि यह आरोपों के अनुरूप नहीं है। समन जारी करते वक्त ट्रायल कोर्ट ने न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया। इस पर हाईकोर्ट ने आंशिक अपील स्वीकार करते हुए कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता की छाती को पकड़ लिया, नाड़ा तोड़ दिया और पुलिया के नीचे खींचने की कोशिश की, कुछ लोगों के हस्तक्षेप पर वे भाग गए... सिर्फ इतने तथ्य से दुष्कर्म के प्रयास का मामला नहीं बनता।

क्या है मामला?

मामला कासगंज के पटियाली थाना क्षेत्र का है। चार साल पहले पीड़िता की मां ने 12 जनवरी 2022 को ट्रायल कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप लगाया कि 10 नवंबर 2021 को वह अपनी 14 साल की बेटी के साथ पटियाली में देवरानी के घर गई थी। उसी दिन शाम को लौटते वक्त गांव के ही पवन, आकाश और अशोक मिल गए। पवन ने बेटी को अपनी बाइक पर बैठाकर घर छोड़ने की बात कही। मां ने उस पर भरोसा करते हुए बाइक पर बैठा दिया। रास्ते में पवन और आकाश ने लड़की को पकड़ लिया और उसके कपड़े उतारने का प्रयास करते हुए पुलिया के नीचे खींचने लगे। लड़की की चीख सुनकर ट्रैक्टर से गुजर रहे लोग मौके पर पहुंचे, जिन्हें तमंचा दिखाकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। शिकायत करने आई पीड़िता की मां को भी आरोपी पवन ने गाली-गलौज करते हुए धमकाया। पुलिस के केस नहीं लिखने पर मां ने ट्रायल कोर्ट में अर्जी दी। ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया, जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई थी।

केरल में जीत का परचम लहराने की तैयारी में भाजपा

> पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को सौंपी कमान

तिरुवनंतपुरम, 24 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा ने केरल में अपनी जमीन मजबूत करने और जीत का परचम लहराने के लिए पार्टी की कमान पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को सौंपी है। भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक प्रहलाद जोशी ने पार्टी राज्य परिषद की बैठक के दौरान राजीव चंद्रशेखर को केरल का भाजपा अध्यक्ष घोषित किया।

चंद्रशेखर के पास दो दशक से ज्यादा समय का अनुभव है। वह आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कौशल विकास और उद्यमिता, जलशक्ति विभाग के मंत्री रह चुके हैं। माना जा रहा है कि उनकी नियुक्ति के बाद से भाजपा के केरल में बड़ा फायदा मिलेगा। केरल भाजपा अध्यक्ष पद के लिए राजीव चंद्रशेखर ने मुख्यालय में दो सेट में नामांकन दाखिल किया। केंद्रीय पर्यवेक्षक ने निवर्तमान अध्यक्ष के सुरेंद्रन और राज्य प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर की मौजूदगी में उनकी नियुक्ति की घोषणा की।

सुरेंद्रन ने मंच पर चंद्रशेखर को पार्टी का झंडा सौंपा। निवर्तमान अध्यक्ष के सुरेंद्रन ने कहा कि पिछले 10 सालों में केरल में भाजपा ने अभूतपूर्व विकास किया है। चंद्रशेखर को पार्टी के सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से चुना है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका अनुभव और विशेषज्ञता राज्य में भाजपा के विकास को गति देगा। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर एक सामान्य राजनीतिज्ञ नहीं हैं। वे अपनी नई भूमिका में चमक सकते हैं। 60 वर्षीय चंद्रशेखर दो दशकों का राजनीतिक अनुभव है। वे इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी, कौशल विकास और उद्यमिता तथा जल शक्ति विभागों के केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं। चंद्रशेखर तीन बार कर्नाटक से राज्यसभा सांसद रहे। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी रहे हैं। मौजूदा समय में वे एनडीए की केरल इकाई के उपाध्यक्ष हैं।

एनडीए उम्मीदवार के तौर पर चंद्रशेखर ने 2024 में तिरुवनंतपुरम से लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन कांग्रेस नेता शशि थरूर से 16,077 मतों से हार गए थे। चंद्रशेखर का जन्म अहमदाबाद में केरल के दंपती के यहां हुआ। दंपती मूल रूप से त्रिशूर के रहने वाले थे। बीपीएल समूह के संस्थापक टीपीजी नांबियार उनके ससुर हैं।

पिथौरागढ़ के एक गांव में मिलीं दो गुफाएं

प्राचीन दीवारें और कंदराएं देख उड़े होश

पिथौरागढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। पिथौरागढ़ जिले के थल में काफल हिल टीम के संस्थापक एवं प्रकृति प्रेमी तरुण महरा ने दो महीने पहले मुवानी क्षेत्र के गोबराड़ी में रहस्यमयी सुरंग खोजी थी। अब इसी सुरंग से करीब 500 मीटर दूर पहाड़ी पर वनराजि जनजाति से संबंधित रौता उडियार के मकान का खंडहर एवं वहां से 400 मीटर दूर दो बड़ी गुफाएं मिलीं हैं। यह विशेष स्थान अतीत में यहां निवास करने वाले धन रौत नामक एक व्यक्ति के परिवार से जुड़ा बताया जा रहा है।

यहां मौजूद बड़ी गुफाएं, प्राचीन घर एवं अन्य अवशेष इस क्षेत्र की समृद्धि की ओर संकेत करते हैं। गुफा की प्राचीन दीवारें, कंदराएं देखने से इसके 300 वर्ष से अधिक पुराने होने का अनुमान है। अतीत में इन्हीं गुफाओं, कंदराओं में धन रौत नामक वनराजि जनजाति का परिवार रहता था। फिर उसने मानव सभ्यता के रहन-सहन से घर बनाना सीखा और एक विशेष प्रकार का घर बनाकर रहने लगा, जिसकी आजीविका कृषि एवं पशुपालन पर निर्भर थी। स्वयं घर बनाकर वनरौत के रहने की यह पहली खोजी गई ऐतिहासिक घटना है। महरा ने बताया कि यहां उखलढुंगा नामक एक विशेष स्थान भी है, जिसे ऐतिहासिक और पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अब तंग दिल वाले लोग सत्ता में, पहले लोग हंसी में टाल देते थे : अरविंद सावंत

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता अरविंद सावंत ने महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर तीखी टिप्पणी की है। आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्य में हालात चिंताजनक हैं और विपक्षी नेताओं पर हमले हो रहे हैं। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा के दफ्तर पर हुई तोड़-फोड़ को उन्होंने दुखद बताया। उन्होंने कहा, पहले के नेता, जैसे बालासाहेब ठाकरे, इंदिरा गांधी और शरद पवार, बड़े दिल वाले थे, जो व्यंग्य को सहजता से लेते थे। लेकिन आज के नेता इसे बर्दाश्त नहीं कर पाते। सावंत ने मीडिया से बातचीत में कहा, पहले कवि सम्मेलनों में प्रधानमंत्री से लेकर बड़े नेताओं पर हंसी-मजाक होता था। बड़े दिल वाले लोग इसे हंसकर टाल देते थे। हम शिवसेना के लोग हैं, बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों पर चलते हैं। लेकिन अब छोटे दिल वाले लोग सत्ता में हैं। सच बोलने पर मिर्ची लगती है, क्योंकि सच कड़वा होता है।

राज्यपाल कटारिया से मुलाकात करेंगे सीएम मान, तीन मंत्रियों की हो सकती है छुट्टी

चंडीगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान आज शाम को राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकात में विधानसभा में पास हुए कई बिलों को मंजूरी देने पर बातचीत करेंगे।

सूत्रों की मानें तो सीएम और राज्यपाल की इस मुलाकात में पंजाब मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर भी रूपरेखा तैयार होगी। सूत्रों के अनुसार मान सरकार मंत्रिमंडल से तीन मंत्रियों को हटाने जा रही है। हालांकि मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर सीएन कार्यालय और प्रदेश इकाई ने स्पष्ट इंकार कर दिया है।

लच्छीवाला टोल प्लाजा पर बड़ा हादसा

डंपर ने तीन कारों को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत

देहरादून, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बड़ा हादसा हुआ है। डोईवाला में लच्छीवाला टोल प्लाजा पर बड़ा हादसा हुआ है। खनन सामग्री से लदे एक ट्रक ने टोल पर खड़ी कार को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार ट्रक और वहां खड़े पोल के बीच में दब गई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जया बलूनी ने बताया कि देहरादून-हरिद्वार हाईवे पर लच्छीवाला टोल प्लाजा पर डंपर ने तीन कारों को टक्कर मार दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस और एसडीआरएफ ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया। देहरादून-हरिद्वार हाईवे पर लच्छीवाला टोल प्लाजा पर आज सुबह एक डंपर ने तीन कारों को टक्कर मार दी। पुलिस अधीक्षक यातायात लोकजीत सिंह ने बताया कि डंपर द्वारा कार में टक्कर मारने की घटना में दो लोगों की मृत्यु की सूचना है। बताया जा रहा है कि ब्रेक फेल हो गए थे। घटना की जांच की जा रही है।

डल्लेवाल की हिरासत पर हाईकोर्ट में सुनवाई

सरकार का जवाब-सहमति से अस्पताल में रखा गया, बुधवार तक सुनवाई स्थगित

चंडीगढ़, 24 मार्च (एजेंसियां)। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर और अन्य किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सोमवार को मामले में सुनवाई शुरू हुई तो पंजाब सरकार ने कहा कि डल्लेवाल की सहमति से ही उन्हें पटियाला के पार्क हॉस्पिटल में रखा गया है।

सरकार ने यह भी कहा कि डल्लेवाल पुलिस कस्टडी में नहीं हैं। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को आदेश दिए कि वे डल्लेवाल के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत दें। हाईकोर्ट ने सुनवाई बुधवार तक स्थगित कर, नए सिरे से स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के आदेश दे दिए हैं।

असम विधानसभा में हंगामा : कांग्रेस एमएलए पर उपसभापति पर हमले का आरोप

जवाब में बीजेपी के खिलाफ विपक्ष ने खोला मोर्चा

गुवाहाटी, 24 मार्च (एजेंसियां)। असम विधानसभा में सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। सत्तारूढ़ भाजपा के सदस्यों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस विधायक नूरुल हुदा ने सदन के बाहर उपसभापति नुमल मोमिन पर हमला किया। इससे पहले कांग्रेस विधायकों ने भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के अपशब्द कहने के मुद्दे पर हंगामा किया। लगातार हंगामे के चलते सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। विधानसभा में कांग्रेस विधायकों ने सत्तारूढ़ भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के विरोध में काले कपड़े पहनकर भाग लिया। साथ ही स्पीकर के कमरे के बाहर धरना दिया।

वहीं मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रश्नकाल के बीच में कहा कि मुझे मोमिन से एक व्हाट्सएप संदेश मिला कि उन पर नूरुल हुदा ने हमला किया है और वह अब अस्पताल में भर्ती हैं। मैं अध्यक्ष से अनुरोध करता हूं कि वे पुलिस मामला दर्ज करें क्योंकि यह सदन के बाहर हुआ और फिर पुलिस इसकी जांच करेगी। हालांकि इससे कुछ देर पहले मोमिन को सदन के अंदर बैठे देखा गया और उन्होंने सत्र में भाग लिया। कुछ समय बाद वह सदन से चले गए थे। अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से मामले की जांच करने को कहा है। मामले में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया ने पुलिस केस दर्ज करने के बजाय मामले की जांच के लिए सदन की समिति से मांग की। उन्होंने कहा कि घटना विधानसभा भवन के अंदर हुई थी। इसके बाद कांग्रेस, एआईयूडीएफ और सीपीआई(एम) के विधायकों ने सदन के वेल में जाकर कुर्मी और मोमिन पर कथित हमले को लेकर भाजपा के जवाब का विरोध किया।

इस पर सीएम सरमा के नेतृत्व में सत्ता पक्ष के विधायकों ने भी नारेबाजी की। भाजपा विधायकों ने कहा कि मोमिन एक आदिवासी हैं। उन पर विपक्ष ने हमला किया था। सीएम ने कहा कि यह गलत मिसाल कायम करेगा कि विधानसभा परिसर के अंदर एक स्वदेशी आदिवासी पर हमला किया गया है। यह एक बड़ा मुद्दा बनने जा रहा है। जब दोनों पक्ष शांत न हुए तो अध्यक्ष दैमारी ने कहा कि उन्होंने विधानसभा सचिव से मोमिन की स्थिति की जांच करने को कहा है और सदन को 10 मिनट के लिए स्थगित कर दिया है।

कांग्रेस ने लगाए आरोप

कांग्रेस और एआईयूडीएफ विधायकों ने सत्तारूढ़ भाजपा विधायक रूपज्योति कुर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विधानसभा भवन में अध्यक्ष के कक्ष के बाहर धरना दिया। एआईयूडीएफ विधायक अमीनुल इस्लाम ने कहा कि एक भाजपा विधायक विपक्षी विधायक पर हमला करने के लिए अपनी सीट से भागा। अध्यक्ष हमें कोई सुरक्षा प्रदान नहीं कर रहे हैं, इसलिए हम आत्मरक्षा के लिए बांस की ढाल लेकर आए हैं। हम इस ढाल को संसद के अंदर ले जाने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस नेता देवव्रत सैकिया ने कहा कि आज का विरोध असम विधानसभा में शुक्रवार को हुई घटना के खिलाफ है। सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक विपक्षी विधायकों पर हमला करने के लिए दौड़े। हमने उस अनियंत्रित विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बार जब कोई उनके भाषण में बाधा डालेगा तो वह दस गुना अधिक आक्रामक हो जाएंगे।

कूनो के 5 चीतों को ग्रामीणों ने पत्थर मारे

गाय पर झपटे तो लाठी मारने दौड़े गांववाले; एक महीने पहले जंगल में छोड़े गए थे

श्योपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। कूनो नेशनल पार्क से निकले 5 चीतों पर ग्रामीणों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, मौके पर मौजूद वन विभाग की रेस्क्यू टीम ग्रामीणों से चीतों से दूर रहने कहती रही, लेकिन वे नहीं माने। घटना सोमवार सुबह की है। दरअसल, एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो के जंगल की ओर लौट गए थे। रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम श्यामपुर के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्रॉडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे।

चीतों ने गाय पर झपट्टा मारा तो ग्रामीणों ने पत्थर मारे

सोमवार सुबह ये पांचों चीते कूनो सायफन के पास से होते हुए कूनो नदी में पहुंचे। वे निर्माणाधीन रेलवे पुल के नीचे काफी देर तक बैठे रहे। इस दौरान कूनो सायफन से गुजरने वाले राहगीरों की भीड़ चीतों को देखने के लिए जमा हो गई। मादा चीता और शावक एक-एक कर रास्ता पार कर रहे थे तभी उन्होंने गाय पर झपट्टा मारा। मादा चीता और शावकों को भगाने के लिए ग्रामीण लाठी लेकर दौड़े और पत्थर मारना शुरू कर दिए। चीता ज्वाला काफी देर तक गाय का गला पकड़े रही। जैसे ही उसे पत्थर लगा उसने गाय को छोड़ दिया और शावकों के साथ भाग निकली। घटना के बाद करीब 10 बजे चीता दल, कूनो पुल क्षेत्र से निकलकर वीरपुर के तिललिडेरा क्षेत्र पहुंचा है।

21 फरवरी को खुले जंगल में छोड़े गए थे चीते

ज्वाला और उसके शावकों को 21 फरवरी को खजूरी क्षेत्र के जंगल में छोड़ा गया था। एक महीने तक वे पार्क की सीमा में ही रहे। चीतों के बाहर निकलने पर क्षेत्र के चीता मित्र और उनकी टीम ने आसपास के लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि चीते लोगों पर हमला नहीं करते हैं।

खबरें जरा हटके

3 फीट लंबा और 18केजी वजन, ये गुजराती है दुनिया का सबसे छोटा डॉक्टर

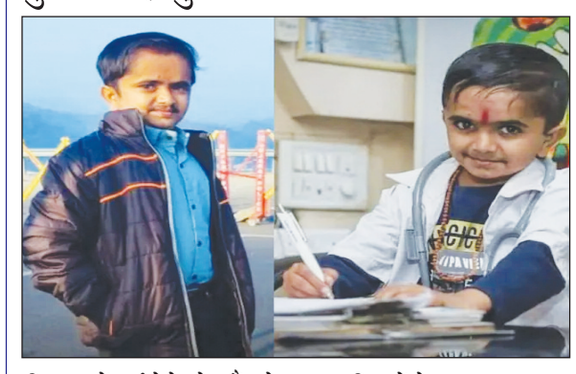

दुनियाभर में कई ऐसे लोग हैं, जो तमाम मुश्किलों के बावजूद सफलता हासिल कर इतिहास रच देते हैं. आज हम आपको एक ऐसे ही शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं. इस शख्स का नाम गणेश बरैया है. 23 साल के गणेश ने साबित कर दिखाया कि अगर हौसला बुलंद हो तो कोई भी सपना असंभव नहीं. गुजरात के तलाजा थालुका में जन्मे गणेश का कद भले ही 3 फीट हो, लेकिन उनकी उपलब्धि इतनी बड़ी है कि आज उन्हें दुनिया के सबसे छोटे डॉक्टर के तौर पर जाना जा रहा है. उनकी यह प्रेरक कहानी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. गणेश का जीवन शुरू से ही चुनौतियों से भरा रहा. चार साल की उम्र में उनके माता-पिता ने देखा कि उनका सिर उनके शरीर से बड़ा हो रहा था. डॉक्टरों ने बताया कि यह एक लाइलाज बीमारी है. उनकी मां ने उनके सिर को बढ़ने से रोकने के लिए टब जैसा हेलमेट पहनाया, ताकि उनका शरीर उसका साथ दे सके. स्कूल में उनकी छोटी कद-काठी और बड़े सिर के कारण बच्चे उनका मजाक उड़ाते थे, लेकिन कुछ दोस्तों के सहारे और पढ़ाई पर ध्यान देकर वे आगे बढ़ते रहे. उनके पिता विट्ठल भाई एक किसान थे और रोजाना 200 रुपये कमाते थे. एक दिन विट्ठल भाई को 1 लाख रुपये का ऑफर मिला कि गणेश को सर्कस में जोकर बनने दें. इस बात से दुखी पिता को अपने बेटे की सुरक्षा की चिंता सताने लगी. वे उसे स्कूल तक साथ ले जाने लगे और अकेले कहीं जाने से रोकते रहे.

गणेश बचपन से ही डॉक्टर बनना चाहते थे. अपनी मेहनत से उन्होंने मेडिकल परीक्षा में भी एमबीबीएस करने के लिए सफलता हासिल की, लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने उनके छोटे कद को कारण बताकर आवेदन ठुकरा दिया. लेकिन इस बात से गणेश ने हार नहीं मानी और अपने स्कूल प्रिंसिपल की मदद से उन्होंने जिला कलेक्टर, राज्य शिक्षा मंत्री और गुजरात हाई कोर्ट तक गुहार लगाई. जब कहीं से मदद नहीं मिली, तो मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा. साल 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने उनके हक में फैसला सुनाया और 2019 में गणेश ने एमबीबीएस में दाखिला लिया.

साइकिल से दुनिया घूमने निकली दादी, 12 देशों की अकेले ही कर ली यात्रा, 100 तक जाने का है इरादा!

दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि वो अलग-अलग देशों की यात्रा करे, नई जगहों को घूमे, नए लोगों से मिले, पर ऐसा करने में खर्चा इतना ज्यादा हो जाता है कि लोग चाह कर भी ज्यादा जगह नहीं जा पाते. पर कुछ लोगों को यात्रा करने का इतना जुनून होता है कि वो पैसों पर ध्यान नहीं देते. चीन की एक दादी भी इसी विचार से दुनिया घूमने निकली हैं. वो साइकिल से अलग-अलग देशों की यात्रा पर निकली हैं. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार चीन के जेंगजाऊ कही रहने वाली ली डॉन्गजू 66 साल की हैं, दादी बन चुकी हैं पर उनका दुनिया देखने का जज्बा कमाल का है. इस वजह से उन्होंने 100 देशों की यात्रा करने का ठाना है. वो 12 देश अकेले घूम चुकी हैं. पर हैरानी इस बात की नहीं है, हैरानी तो ये है कि वो अपनी साइकिल से दुनिया घूमने निकली हैं. वो साउथईस्ट एशिया, यूरोप, और ओशेनिया घूम चुकी हैं. कंबोडिया, फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया की यात्रा कर चुकी हैं.

100 देशों की यात्रा करना चाहती हैं ली

उन्होंने सीएनएन से बात करते हुए कहा कि वो 100 देशों की यात्रा करना चाहती हैं. उनका कहना है कि यात्रा एक ड्रग्स की तरह है, जब एक बार आपने उसे चख लिया तो आप कभी रुक नहीं सकते. पर उनकी यात्राएं आसान नहीं होती हैं. वो सिर्फ मैंडेरियन जुबान बोलती हैं और ट्रांसलेट करने वाले ऐप का इस्तेमाल करती हैं जिससे वो आम लोगों से मिल सकें और बातें कर सकें. उनका बजट भी कम है, इस वजह से वो कई बार पार्क में कैंप लगाती हैं, गैस स्टेशनों पर रुकती हैं, यहां तक कि वो कब्रिस्तान में भी रह चुकी हैं. कई बार वो लोगों के घरों में भी रुकी हैं.

ऊपर मीनार, 6500 फीट नीचे 'पाताल लोक', हज़ारों साल लगे खोजने में, वैज्ञानिक भी रह गए दंग!

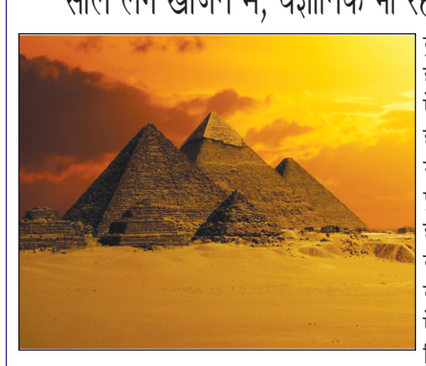

कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जिन्हें हम ऐतिहासिक मानते हैं. इतिहास की गर्त से खोदकर उन्हें पुरातत्व वैज्ञानिक हमारे सामने पेश कर देते हैं. दुनिया की कुछ ऐसी ही ऐतिहासिक विरासतों में से एक गीज़ा की मीनार भी है. दो वैज्ञानिकों ने हाल ही में खफरे पिरामिड के नीचे सिंथेटिक एपर्चर रेडार का इस्तेमाल करके कुछ ऐसा ढूंढ निकाला है, जो दुनिया को चौंकाने के लिए काफी है. जिस जगह को हज़ारों साल से लोग सिर्फ मीनार समझ रहे थे, वो दरअसल एक प्राचीन शहर का ऊपरी हिस्सा निकला. कोराडो और फिलिपो बियांडी नाम के शोधकर्ताओं ने इसके 6500 फीट नीचे एक गुम हो चुके शहर को ढूंढ लिया है, जो किसी पाताल लोक से कम नहीं है. द ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक मीनारों से दो किलोमीटर नीचे का स्कैन कुछ अलग ही कहानी कहता है.

मीनार के नीचे मौजूद है 'पाताल लोक'

डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक 15 मार्च को इससे जुड़ा हुआ एक शोधपत्र और प्रेस स्टेटमेंट जारी किया गया है. खफरे पिरामिड के नीचे कुल 5 बहुमंज़िला स्ट्रक्चर मिले हैं, जिन्हें बाहर निकलने वाले रास्तों से जोड़ा गया है. यहां पर 8 कुएं भी हैं, जिनके किनारे-किनारे सीढ़ियां बनी हुई हैं. इतना ही नहीं 2 क्यूब शेप के चैंबर हैं, जो 80 मीटर के हैं. चूंकि अब तक इन मीनारों को रजवाड़ों से जोड़ा जाता रहा है, ऐसे में ये खोज पूरी तरह से स्वीकार नहीं की जा रही है. माना जा रहा है कि ये ऊर्जा संयत्र हो सकता है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 25 मार्च, 2025 3

सुविचार: जीवन में अगर शरीर से स्वस्थ हो तो आपकी आधि परेशानीय यू ही समाप्त हो जाएगी ।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को एसएलबीसी में बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को नागरकर्नूल जिले में डोमलापेंटा के पास एसएलबीसी सुरंग में चल रहे बचाव प्रयासों में तेजी लाने का निर्देश दिया है, जहां वर्तमान में सात श्रमिक फंसे हुए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव शांति कुमारी से वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शिव शंकर लोटेटी को बचाव कार्यों की बारीकी से निगरानी करने और इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने के लिए नियुक्त करने का अनुरोध किया है।

सोमवार को रेवंत रेड्डी ने एसएलबीसी सुरंग में बचाव प्रयासों की समीक्षा की, जिसके दौरान अधिकारियों ने उन्हें अब तक की प्रगति से अवगत कराया। अभियान को तेजी से पूरा करने के लिए उन्होंने शीर्ष अधिकारियों से केंद्र सरकार से आवश्यक अनुमति और सहायता तुरंत प्राप्त करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विशेषज्ञ समिति से परामर्श करने और बचाव अभियान में तेजी लाने की भी सलाह दी।

आशा कार्यकर्ताओं ने वेतन वृद्धि के लिए कोटी डीएमई पर किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) ने सोमवार को अपने पारिश्रमिक में तत्काल वृद्धि की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शनों की एक श्रृंखला में भाग लिया, जो कांग्रेस पार्टी के प्रमुख चुनाव पूर्व वादों में से एक है। इन विरोध प्रदर्शनों के एक भाग के रूप में, आशा कार्यकर्ताओं ने 'चलो सचिवालय' का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें विफल कर दिया और शहर के विभिन्न स्थानों से उन्हें हिरासत में ले लिया। कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही आशा कार्यकर्ता 9,750 रुपये की बढ़ोतरी लागू करने की मांग कर रही हैं, जो विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस के घोषणापत्र का हिस्सा था।

कुछ महीने पहले, उन्होंने कोटि में 'चलो डीएमई' रैली में भाग लिया था, जिसमें पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए बल प्रयोग किया था, जिसके परिणामस्वरूप कुछ श्रमिक घायल हो गए थे और उन्हें उस्मानिया जनरल अस्पताल (ओजीएच) में भर्ती कराया गया था।

राज्य आशा कार्यकर्ता संघ की अध्यक्ष जयलक्ष्मी कहती हैं कि आशा सभी स्वास्थ्य सेवा पहलों की रीढ़ हैं क्योंकि हम इन योजनाओं को लागू करने वाले क्षेत्र स्तर के कार्यकर्ता हैं। राज्य में 30,000 आशा कार्यकर्ता हैं जो विभिन्न स्वास्थ्य सेवा परियोजनाओं में शामिल हैं। हम राज्य सरकार से अपने वादे को लागू करने की मांग कर रहे हैं, जो उसके घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार, ड्रग बरामद

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। विश्वसनीय सूचना पर आयुक्त टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के साथ पुलिस काचीगुडा स्टाफ ने डी-मार्ट रोड के पास, काचीगुडा पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत एक अंतर्राष्ट्रीय (नाइजीरियाई) ड्रग तस्कर न्गुचुकु गॉडविन इफेनी उर्फ गॉडविन को गिरफ्तार किया है। इब्राहिमपट्टनम में रह रहा एनुगु राज्य, नाइजीरिया देश का रहने वाला है। वह मादक पदार्थ "कोकीन" की अवैध खरीद में लिप्त है और जब वह उपयोगकर्ता को ड्रग देने के लिए इंतजार कर रहा था, तो उसे पकड़ लिया गया और उसके कब्जे से (सात) ग्राम कोकीन ड्रग और दो मोबाइल फोन जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार न्गुचुकु गॉडविन इफियानी उर्फ गॉडविन नाइजीरिया देश के एनुगु राज्य के ओगुई इवेका का मूल निवासी है। वह वर्ष 2015 में छात्र वीजा पर भारत आया और काकीनाडा, ए.पी. में एक फार्मेसी कॉलेज में शामिल हो गया। ड्रग्स के कारोबार में शामिल अपने नाइजीरियाई दोस्तों से प्रेरित होकर, उसने कोकीन ड्रग खरीदना शुरू कर दिया और उपयोगकर्ताओं को बेचना शुरू कर दिया। उसका छात्र वीजा भी वर्ष 2016 में समाप्त हो गया और भारत में रहना अवैध था। उसने अपने नाइजीरियाई दोस्तों के साथ अपने

संपर्कों का उपयोग करके उनसे ड्रग्स खरीदकर हैदराबाद में बेचना शुरू कर दिया। उसकी कार्यप्रणाली: पेडलर के माध्यम से मुंबई या बैंगलोर में स्रोत से थोक में ड्रग्स खरीदना और उन्हें हैदराबाद में उपभोक्ताओं को आपूर्ति करना। वह मुंबई के खारघर से ड्रग कारोबार संचालित कर रहा है। ड्रग्स विभिन्न मार्गों से रैकेट में पेडलर और उपयोगकर्ता के साथ कोई सीधा संपर्क नहीं है। इससे पहले मई-2022 के महीने में निषेध और आबकारी स्टेशन, धूलपेट पीएस ने उसे कोकीन ड्रग मामले में गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया, बाद में जमानत पर रिहा कर दिया। उसके बाद जनवरी-2023 के महीने में निषेध और आबकारी स्टेशन, हयात नगर पीएस ने उसे ड्रग मामले में गिरफ्तार किया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस की निगरानी के कारण, वह मुंबई चला गया और खारघर, मुंबई से ड्रग का कारोबार संचालित कर रहा था। रविवार को जब पेडलर कोकीन ड्रग के साथ मुंबई से हैदराबाद आया और उपयोगकर्ता को देने के लिए उपरोक्त स्थान पर इंतजार कर रहा था, इसी बीच विश्वसनीय सूचना पर सेंट्रल ज़ोन टास्क फोर्स टीम ने पीएस काचीगुडा स्टाफ के साथ उसे पकड़ लिया और उसके कब्जे से कोकीन ड्रग और दो मोबाइल फोन जब्त कर लिए। पकड़े गए पेडलर को जब्त सामग्री के साथ आवश्यक कार्रवाई के लिए एसएचओ काचीगुडा पीएस को सौंप दिया गया।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत, एक घायल

संगारेड्डी, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार देर रात पटनचेरु मंडल के मुथांगी के पास ओआरआर निकास पर एक ट्रक चालक द्वारा कथित लापरवाही से वाहन चलाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य युवक घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, नानी (28) और साईं बाइक पर सवार होकर पाटनचेरू से इस्नापुर की ओर जा रहे थे, तभी एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। नानी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि साईं गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला दर्ज किया गया।

एआईसीसी ने मंत्रिमंडल विस्तार पर तेलंगाना कांग्रेस नेताओं के साथ चर्चा की

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंत्रिमंडल विस्तार, मनोनीत पदों के दूसरे चरण और तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी से संबंधित विभिन्न आंतरिक मामलों पर चर्चा करने के लिए एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। सोमवार शाम को, तेलंगाना कांग्रेस के नेता पार्टी के आलाकमान के अनुरोध पर दिल्ली पहुंचे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के साथ, मुख्यमंत्री ने पार्टी से संबंधित कई मुद्दों पर के.सी. वेणुगोपाल के साथ व्यापक चर्चा की। उनकी चर्चा का मुख्य फोकस मंत्रिमंडल के विस्तार पर था, जिसमें वर्तमान में छह पद रिक्त हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि कांग्रेस नेताओं ने पार्टी नेतृत्व से जातिगत विचारों और अन्य सामाजिक कारकों को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में इन रिक्तियों को भरने का आग्रह किया है, जैसा कि पहले वादा किया गया था। 30 मार्च को उगादी का त्यौहार है और रिपोर्ट्स बताती हैं कि पार्टी नेतृत्व इस तिथि तक मंत्रिमंडल गठन को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। चर्चा है कि इस उद्देश्य के लिए तेलंगाना कांग्रेस पार्टी के नेताओं को दिल्ली बुलाया गया है। इस बीच, वर्तमान में रंगारेड्डी, हैदराबाद, आदिलाबाद और निजामाबाद जिलों से मंत्रिमंडल में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, जिससे उन क्षेत्रों में विभिन्न सामाजिक समूहों के नेताओं के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। निजामाबाद में सुदर्शन रेड्डी और कई अन्य नामों पर चर्चा हो रही है। इसी तरह, आदिलाबाद में प्रेमा सागर राव और विधायक विवेक पर भी विचार किया जा रहा है। वाकाटी श्रीहरि मुदिराज के साथ-साथ नलगोंडा जिले से कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी का नाम भी सुझाया जा रहा है। इसके अलावा, यह भी बताया गया है कि भुवनगिरी से सांसद चुनाव में चमाला किरण कुमार रेड्डी के जीतने पर कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को मंत्रिमंडल में स्थान दिए जाने पर चर्चा हुई है, यह एक अफवाह है जिसने पहले काफी ध्यान आकर्षित किया था। यह भी पता चला है कि विधायक कोटे से एमएलसी चुनी गईं विजयशांति का नाम भी मंत्रिमंडल गठन को लेकर चल रही चर्चाओं में शामिल होने की उम्मीद है।

अश्वपुरम में बनेगा जल क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र

कोत्तागुडेम, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला प्रशासन ने युवाओं के बीच जल खेलों को बढ़ावा देने के लिए जिले के अश्वपुरम मंडल के तुम्मलाचेरुवु टैंक में जल खेल प्रशिक्षण सुविधा विकसित करने की योजना बनाई है। कई खिलाड़ियों ने इस टैंक का दौरा किया और इसे नौकायन जैसे जल खेलों के लिए उपयुक्त पाया। भद्राचलम के जिला कलेक्टर जितेश वी पाटिल और आईटीडीए परियोजना अधिकारी बी राहुल ने भी दो महीने पहले इस स्थान का दौरा किया और इस स्थान पर जल खेल प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। जिला युवा और खेल अधिकारी एम परंधमा रेड्डी ने बताया कि प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक डबल स्कल रोइंग शेल को प्रायोगिक आधार पर हाल ही में खरीदा गया था।

पहली बार कांग्रेस मंत्रिमंडल में कोई अल्पसंख्यक प्रतिनिधि नहीं : केटीआर

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार कांग्रेस के मंत्रिमंडल या सरकार में कोई मुस्लिम प्रतिनिधि नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस आलाकमान में समझदारी आएगी और अगले मंत्रिमंडल विस्तार में एक मुस्लिम को शामिल किया जाएगा।

सोमवार को तेलंगाना भवन में आयोजित इफ्तार पार्टी में बोलते हुए रामाराव ने कहा कि राज्य के लोग कांग्रेस शासन के 15 महीने से भी कम समय बाद बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस की सरकार समावेशी है, चंद्रशेखर राव सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि सरकारी योजनाओं का लाभ सभी को मिले, चाहे उनका धर्म या जाति कुछ भी हो।

गांवों और नगर पालिकाओं में पेयजल की कमी नहीं होनी चाहिए

रंगारेड्डी जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी एकीकृत जिला कार्यालय परिसर सम्मेलन हॉल में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम के लिए (56) शिकायतें प्राप्त हुईं। जिले में विभिन्न क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं ने जिला कलेक्टर के समक्ष अपनी समस्याएं उठाई हैं। जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी को अनुरोध करते हुए याचिकाएं प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जन समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संचालित किए जा रहे लोक सेवा कार्यक्रम के दौरान लोगों द्वारा किए गए अनुरोधों पर संबंधित अधिकारियों द्वारा विचार किया जा रहा है। विभागों के जिला अधिकारियों को तत्काल समस्या का समाधान करने के आदेश दिए गए। याचिका समय-समय पर समीक्षा की जानी चाहिए तथा इसे लंबित रखे बिना इसका समाधान किया जाना चाहिए। इस अवसर पर राजस्व विभाग-25, अन्य विभाग-31, कुल 72 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। बाद में जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने जिला अधिकारियों से बात की। 10वीं कक्षा की परीक्षाएं समाप्त होने के बाद छात्रावासों और कल्याण गृहों में रहने वाले छात्रों को सुरक्षित घर

भेजने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा ने पीडी हाउसिंग को घरों के सर्वेक्षण में तेजी लाने चाहिए। यह सुनिश्चित करना कि गांवों और नगर पालिकाओं में पेयजल की कमी नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर प्रतिमा सिंह, जिला राजस्व अधिकारी संगीता, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, नगर निगम अधिकारी, मंडल तहसीलदार, कलेक्ट्रेट अधीक्षक, संबंधित अधिकारी आदि ने भाग लिया।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 11,298 एकड़ फसल बर्बाद

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 21 से 28 मार्च के बीच ओलावृष्टि के कारण राज्य में 11,298 एकड़ में खड़ी फसलें बर्बाद हो गईं। बेमौसम बारिश से 18 जिलों के 64 राजस्व मंडलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, बारिश से 6,090 एकड़ में धान और 4,100 एकड़ में मक्का के अलावा 800 एकड़ से अधिक में आम और अन्य फसलें बर्बाद हो गई हैं। सरकार ने मुआवजे के भुगतान के लिए कदम उठाने से पहले नुकसान की गणना करके अंतिम आकलन रिपोर्ट मांगी है।

इलेक्ट्रीशियन ने की वकील की हत्या

महिला को उत्पीड़न का मामला दर्ज कराने में की थी मदद

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संतोषनगर स्थित आईएस सदन के एक अपार्टमेंट में रविवार रात एक वकील की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पीड़ित की पहचान एर्राबाबू इजराइल के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इलेक्ट्रीशियन दस्तगिरी एक महिला को कथित तौर पर परेशान कर रहा था, जिसके बाद महिला ने वकील से संपर्क किया और मदद मांगी। वकील महिला को आईएस सदन पुलिस थाने ले गए और दस्तगिरी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए दस्तागिरी ने एर्राबाबू इसराइल के घर पर धावा बोला और धारदार हथियार से उन पर हमला कर दिया। इस हमले में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

टीडीसीए का लक्ष्य ग्रामीण क्रिकेट को विकसित करना है : सांसद

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद वड्डीराजू रविचंद्र ने राज्य में ग्रामीण क्रिकेट को विकसित करने की दिशा में तेलंगाना जिला क्रिकेट संघ (टीडीसीए) द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। रविचंद्र ने टीडीसीए के संस्थापक अध्यक्ष और पूर्व सैट अध्यक्ष अल्लीपुरम वेंकटेश्वर रेड्डी के प्रयासों की सराहना की, जो कई वर्षों से ग्रामीण क्रिकेटरों के उत्थान के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। रविचंद्र ने सोमवार को शमशाबाद के थोंडुपल्ली में अमेरिका अंडर-17 यूथ अकादमी (एवाईसीए) टीम के साथ टीडीसीए द्वारा आयोजित एक दिवसीय टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। टूर्नामेंट में एवाईसीए टीम के साथ तेलंगाना रूरल राइजर्स, पैंथर्स और वॉरियर्स टीमें भाग ले रही हैं। रविचंद्र ने राज्य के सभी क्रिकेट प्रेमियों से एक साथ आने और टीडीसीए के लिए अपना समर्थन दिखाने का आग्रह किया, जो उपेक्षित ग्रामीण क्रिकेट को विकसित करने के उद्देश्य से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कई प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं और उन्हें सुर्खियों में लाने के लिए, ऐसे अधिक से अधिक टूर्नामेंट आयोजित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि टीडीसीए द्वारा यह जिम्मेदारी उठाना ग्रामीण क्रिकेटरों के लिए एक अच्छी बात है। इसके बाद वेंकटेश्वर रेड्डी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि केवल टीडीसीए ही ग्रामीण क्रिकेटरों की उम्मीदों और आकांक्षाओं को आगे बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि वे इस मामले में बीसीसीआई से बातचीत कर रहे हैं। कार्यक्रम में एवाईसीए के अध्यक्ष कोलीपाका अरुण और अन्य लोग शामिल हुए।

फ्यूचर सिटी को प्राथमिकता देने के लिए कांग्रेस की आलोचना

बीआरएस विधायक ने लगाया अनदेखी का आरोप

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक केपी विवेकानंद ने कांग्रेस सरकार पर हैदराबाद के विकास की अनदेखी करने का आरोप लगाया, जबकि उसका ध्यान प्रस्तावित फोर्थ सिटी/फ्यूचर सिटी परियोजना पर है। उन्होंने बताया कि पिछले साल हैदराबाद को बजट आवंटन का केवल 25 प्रतिशत ही जारी किया गया था, जिससे महत्वपूर्ण परियोजनाओं को पर्याप्त धन नहीं मिल पाया।

सोमवार को विधानसभा में बजट चर्चा में भाग लेते हुए विवेकानंद ने बजट आवंटन और वास्तविक व्यय पर स्पष्टता की मांग की। उन्होंने कहा कि जीएचएमसी को आवंटित 2,654 करोड़ रुपये में से केवल 1,200 करोड़ रुपये ही जारी किए गए।

हैदराबाद मेट्रो रेल को 1,100 करोड़ रुपये में से केवल 300 करोड़ रुपये मिले, जबकि सरकार ने एचएमडब्ल्यूएसएसबी को आवंटित 3,385 करोड़ रुपये में से 800 करोड़ रुपये जारी किए। उन्होंने कहा कि 500 करोड़ रुपये के आवंटन के बावजूद एचएमडीए को कुछ नहीं मिला।

उन्होंने मुसी नदी के पुनरुद्धार के लिए आवंटित 1,500 करोड़ रुपये पर चिंता जताई, जिसमें से केवल 80 करोड़ रुपये ही जारी किए गए, जबकि गरीबों के 170 घर ध्वस्त कर दिए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की गलत प्राथमिकताओं के कारण राज्य में रियल एस्टेट क्षेत्र को भारी नुकसान हुआ है, जिसके कारण रियल एस्टेट कारोबारी आत्महत्या करने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने 2025-26 के वार्षिक बजट में एच सिटी परियोजना के लिए 2,654 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, लेकिन भूमि अधिग्रहण के लिए केवल 18 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। उन्होंने पूछा कि सरकार भूमि अधिग्रहण किए बिना एच सिटी परियोजना को विकसित करने की योजना कैसे बना रही है, जिसके लिए

अधिकारियों द्वारा मांगे गए 400 करोड़ रुपये के मुकाबले केवल 18 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं?

विवेकानंद ने निवेश पर सरकार के विरोधाभासी बयानों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2.18 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के निवेश की घोषणा की गई, लेकिन ज़मीन पर पड़े निवेश के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी अपने बयानों के ज़रिए ग़लत संकेत दे रहे हैं कि निवेशक तेलंगाना नहीं आ रहे हैं, उन्हें तेलंगाना पर भरोसा नहीं है या सरकार के पास पैसे नहीं हैं।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.eT-East-WAT-12-2025, दिनांक: 17.03.2025

कार्य का नाम: वाल्टियर मण्डल में 25T लोडिंग के RDSO मानक के अनुसार मौजूदा प्लेट गर्डर पुल के बदले में PSC स्लैब की लोड को पूरा करने के लिए पुलों की बुनियादी ढांचा, पियर (Pier), एबटमेन्ट (Abutement) एवं उप संरचना तत्व की दृढता तथा संरचनात्मक पर्याप्तता का आकलन।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में): 3,93,99,848.04, EMD(रुपये में): 3,47,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि: 06 (छः) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 10.04.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग)/ वाल्टियर

PR-1128/P/24-25

सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

खम्मम, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के खम्मम ग्रामीण मंडल के मद्दुलापल्ली में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। पुलिस के अनुसार मृतक पी रामू (46), उसके दोस्त कृष्ण मूर्ति और नरेश, जो खम्मम शहर के 59वें नगरपालिका संभाग के दानवाईगुडेम के निवासी हैं, शनिवार को दर्शन के लिए श्रीशैलम मंदिर गए थे। वे रविवार को घर लौटे और जब वे मध्य रात्रि तक एडुलापुरम नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत मद्दुलापल्ली पहुंचे तो जिस कार में वे यात्रा कर रहे थे वह अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई।

वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव को डॉ. लोहिया सामाजिक न्याय पुरस्कार

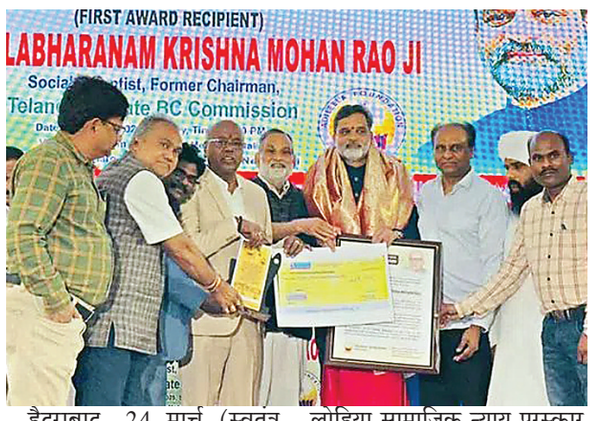

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष डॉ. वकुलभरणम कृष्णमोहन राव को नई दिल्ली में आदिलीला फाउंडेशन द्वारा पहला डॉ. राम मनोहर लोहिया सामाजिक न्याय पुरस्कार प्रदान किया गया। कृष्णमोहन राव ने पुरस्कार के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ. लोहिया के अथक प्रयासों का उद्देश्य वंचितों के लिए सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक समानता हासिल करना था। उन्होंने भारत में हाशिए पर पड़े समुदायों में महत्वपूर्ण प्रगति लाने के लिए लोहिया के काम को श्रेय दिया।

नई दिल्ली में विष्णु दिगंबर मार्ग स्थित राजा राम मोहन राय मेमोरियल हॉल में आयोजित पुरस्कार समारोह का समन्वयन आदिलीला फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. एस आदिनारायण ने किया। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के पूर्व महानिदेशक जी अशोक कुमार थे। उन्होंने डॉ. वकुलभरणम कृष्णमोहन को लोहिया पुरस्कार प्रदान किया।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, VAISHALI RAM RATHOD R/o. H.No.1-8-44/2, F.No.302, Sriven Venkataramana Apt, Chikad-pally, St. No.11, HYD, TS. Changed my Name As AJMERA VAISHALI NAIK W/o. AJMERA ARVIND NAIK.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन क प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सातवी पुण्यतिथि

स्वर्गवास: 25-03-2018

स्व.श्री विनोदजी हाम्बड़

सुपुत्र: श्री मोहनलालजी हाम्बड़

चले गये हो बीच राहों में, दिलों से नहीं जा पाओगे।
आँखों में है आँसू गम के, उम्र भर याद आओगे।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

नारायणलाल (बडे पापा), मोहनलाल-सुगीदेवी (माता-पिता), कुसुमदेवी (पत्नी), कनिश, समिक्ष, जसवीर, तुषार (पुत्र), धनश्री, लखिता (पुत्री), रावतराम, बाबूलाल (काकोसा), चन्दूलाल, झुमन, धर्माराम, दिलीप, नौरत, ताराराम, कुनराज, शंकर, कन्हैयालाल (भाई), दिव्या, सुनिता, पिंकी, नाथीदेवी, गनकीदेवी, इन्द्रादेवी, रेखा (बहन), घनिष्का (भाणजी) एवं समस्त हाम्बड़ परिवार

: फर्म : ✻ मोहनलाल चौधरी ज्वैलर्स, मैन रोड़ कीसरा
✻ मोहनलाल चौधरी ज्वैलर्स, कुशाईगुडा 9948177436

P.Solankey

यूपी ने अराजकता का तांडव देखा और झेला : योगी

उसी तंत्र से हमने बदलाव किया, अखिलेश का पलटवार-8 साल, प्रदेश बर्बाद

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार के आज 8 साल पूरे हो गए। इस मौके पर सीएम योगी ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- यूपी ने अराजकता का तांडव देखा और झेला है। दंगों के माध्यम से अपनी बिगड़ती हुई अर्थव्यवस्था को भी देखा था। प्रदेश वही है, तंत्र भी वही है। सिर्फ सरकार बदलने से व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है? यह 8 सालों में यूपी की जनता ने महसूस किया।

योगी ने कहा- 2017 से पहले की कानून व्यवस्था सभी जानते हैं, बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। 45 दिन के कुंभ में कोई छेड़छाड़, अपहरण और लूट की घटना नहीं हुई। आठ साल में सरकार ने पुलिस बल को व्यवस्थित किया है। सीएम योगी के बयान पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया। X पर लिखा- आठ साल, यूपी बर्बाद और सवाल ही सवाल।

सरकार ने 32 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को बाढ़ से बचाने का काम किया। प्रदेश में निराश्रित गोवंश के लिए 7700 से अधिक गो-आश्रय स्थल बनाए गए हैं। इनमें साढ़े 12 लाख से अधिक गोवंश हैं। 1.5 लाख पशुपालकों को 1.63 लाख गोवंश दिए गए हैं। इसके लिए हर महीने पशुपालकों को प्रति गोवंश 1500 रुपए दिए जा रहे हैं। 2017 से पहले चीनी उद्योग बंदी के कगार पर था। आंदोलन होता था। गन्ना किसानों का हजारों करोड़ रुपए बकाया था। चीनी मिलें बंद होती जा रही थीं। हमने 3 नई चीनी मिलों की स्थापना की। बंद पड़ीं 6 मिलों को फिर से शुरू कराया। 38 मिलों का विस्तार किया। इस समय प्रदेश में 122 चीनी मिलें चल रही हैं। पहले गड्ढे से प्रदेश की पहचान होती थी। आज आप गूगल करेंगे तो पता चलेगा कि सबसे ज्यादा एक्सप्रेस-वे यूपी में हैं। यूपी में सबसे ज्यादा मेट्रो संचालन हो रहा है। देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। 2017 से पहले यूपी डेढ़ एक्सप्रेस-वे वाला राज्य था। लखनऊ में आधी-अधूरी मेट्रो थी।

यूपी देश के विकास का बैरियर माना जाता था, लेकिन विकास का ब्रेक थ्रू बन गया है। यूपी निवेश में पूंजी को सुरक्षित रखने वाला राज्य बन गया है। आने वाले समय में यूपी निवेशकों के लिए एक ड्रीम डेस्टिनेशन होगा। 2017 तक सिर्फ 12 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि 8 सालों में 80 मेडिकल कॉलेज बने, जिनमें 44 सरकारी और 36 निजी मेडिकल कॉलेज हैं। पहले नर्सिंग कॉलेजों में ताले लटकते थे। यूपी आज देश में नंबर दो अर्थव्यवस्था है। आने वाले समय में टॉप पर होगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। आज यूपी एक रेवेन्यू सरप्लस स्टेट है। प्रदेश में निवेश आ रहा है। यूपी में 2016-17 तक जो कृषि की दर 5% के आस-पास थी, आज बढ़कर 13.5% से अधिक हो गई है। इसके चलते प्रदेश की जीडीपी में 28% की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

2017 से पहले दो लाख सिपाही के पद खाली थे। सरकार ने आते ही 1.56 लाख और अभी 60 हजार से अधिक भर्ती की है। अब सभी जिलों में पुलिस लाइन बनने जा रही हैं। एक 60,244 सिपाही की ट्रेनिंग कराने जा रहे हैं। पहले सिर्फ 6 हजार सिपाही ही ट्रेनिंग कर पाते थे।

संभल हिंसा में जितने मरे सबको पुलिस ने मारा

जेल जाते वक्त चिल्लाकर जफर अली बोले- मैंने पोल खोल दी, इसलिए फंसाया

संभल, 24 मार्च (एजेंसियां)। संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। रविवार रात साढ़े 9 बजे मुरादाबाद जेल भेज दिया गया। जीप से उतरते ही जफर ने कहा- हिंसा के बाद मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसलिए मुझे जेल भेजा गया। जफर अली ने चिल्लाकर कहा- मुझे फंसाया गया, क्योंकि मैंने पुलिस वालों की पोल खोल दी थी। मैंने बता दिया था कि बच्चों को इन्होंने मारा है। हिंसा में जितने भी लोग मारे हैं, उन्हें पुलिस और प्रशासन ने मारा है। जफर अली संभल कोर्ट में वकालत करते हैं। ऐसे में सोमवार सुबह वकीलों ने गिरफ्तारी के विरोध में नारेबाजी करते हुए कलम बंद हड़ताल की। एडवोकेट अब्दुल रहमान ने कह- जफर अली के खिलाफ पुलिस झूठी कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने अपने प्राइवेट हथियारों से लोगों को मारा है।

बरेली में बड़ी घटना : सिलिंडर फटने से उड़ा गैस एजेंसी गोदाम

धमाकों से दहला इलाका, 500 मीटर दूर तक गिरे टुकड़े

बरेली, 24 मार्च (एजेंसियां)। बरेली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र में रजऊ परसपुर स्थित महालक्ष्मी गैस एजेंसी में सोमवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सिलिंडर फटने से आग लग गई। आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। सिलिंडर फटने से लगातार कई धमाके हुए, जिससे पूरा इलाका दहल गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस मौके पर पहुंच गई। आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक सारे सिलिंडर फट गए। गनीमत रही कि कोई हताहात नहीं हुआ है। घटना इतनी विकराल थी कि धमाकों के साथ फटे सिलिंडरों के टुकड़े 500 मीटर तक जाकर खेतों में गिरे, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

ट्रक के केबिन में लगी थी आग

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार को सिलिंडरों से भरा ट्रक गोदाम पर खड़ा था। ट्रक के केबिन में किसी तरह आग लग गई, जिससे पहले उसमें रखा एक सिलिंडर फटा। फिर ट्रक और गैस एजेंसी गोदाम में आग लग गई। सिलिंडर फटने से काफी देर तक धमाके होते रहे। घटना से गांव रजऊ परसपुर में दहशत फैल गई। ग्रामीण अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। गांव से बाहर आकर देखा तो पता चला कि गैस गोदाम में धमाके हो रहे हैं। ग्रामीणों ने मोबाइल से घटना के वीडियो बना लिए।

जिस गैस एजेंसी गोदाम में आग लगी है, वह सोमवार को बंद रहती है। गोदाम पर चौकीदार और ट्रक चालक ही थे। दोनों ने भागकर अपनी जान बचाई। वहीं गोदाम आबादी से काफी दूर बना है, जिससे जनहानि होने से बच गई। सूचना मिलते ही शहर से अधिकारी मौके पर रवाना हो गए। पुलिस जांच कर रही है।

सीबीआई ने एनएचएआई के जीएम को 15 लाख रुपये घूस लेते दबोचा

पटना में महाप्रबंधक के पास मिले 1.18 करोड़ रुपये

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी पटना में भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पटना क्षेत्रीय कार्यालय के महाप्रबंधक (जीएम) को 15 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अधिकारी की पहचान रामप्रीत पासवान के रूप में हुई है। यह कार्रवाई सोमवार को की गई, जिससे पूरे एनएचएआई कार्यालय में हड़कंप मच गया। सीबीआई की टीम ने रिश्वत की रकम लेने के बाद तत्काल अधिकारी को हिरासत में ले लिया। इसके बाद रामप्रीत पासवान के ठिकानों पर छापामारी की गई। इस दौरान सीबीआई को 1.18 करोड़ रुपये की भारी नकदी बरामद हुई, जो भ्रष्टाचार की गंभीरता की ओर इशारा करती है। इससे पहले 24 सितंबर 2022 को सीबीआई ने पटना में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) और एक उप महाप्रबंधक (डीजीएम) को दो निजी कंपनी के कर्मचारियों के साथ रिश्वतखोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था।

मेरठ में जन्मदिन के दिन युवक की हत्या

मेरठ, 24 मार्च (एजेंसियां)। मेरठ में बर्थडे मनाने से ठीक पहले युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। रविवार रात घर में केक काटने की तैयारी चल रही थी। तभी बदमाशों ने विवाद सुलझाने के लिए उसे घर के नीचे बुलाया। पहले बातचीत की फिर गर्दन पर तमंचा सटाकर गोली मार दी और फरार हो गए। गोली लगते ही मनीष प्रजापति जमीन पर गिर गया। जब तक परिजन घर से बाहर आए तब तक उसने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही एसपी देहात राकेश कुमार मिश्रा और सीओ सदर देहात शिव प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे जरूरत पड़ने पर बसपा संघर्ष के लिए तैयार : मायावती

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को आरक्षण के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे और जरूरत पड़ने पर बसपा इसके खिलाफ संघर्ष के लिए भी तैयार है।

इसके साथ ही मायावती ने उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार के 8 साल को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार जनता की उम्मीद के हिसाब से खरी नहीं उतरी है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार एक के बाद एक तीन पोस्ट किए। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "कांग्रेस, बीजेपी व अन्य किसी भी पार्टी को उनके राजनैतिक स्वार्थ में खासकर आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे तथा जरूरत पड़ने पर इसके विरुद्ध बीएसपी संघर्ष के लिए भी तैयार है।" उन्होंने आगे लिखा, "साथ ही, यूपी में बीजेपी सरकार का 8 वर्षों का शासनकाल, जनता की उम्मीद के हिसाब से पूरे तौर से खरा नहीं उतरा है। कानून-व्यवस्था के मामले में तो स्थिति काफी ज्यादा खराब रही है, जिससे जनता काफी दुखी है। इस ओर सरकार जरूर ध्यान दे।"

मायावती ने मनुस्मृति को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, "मनुस्मृति का बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को पूरा ज्ञान था। उनकी अनुयायी और बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी इसका पूरा ज्ञान है। तभी इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाकर यहां दुखी और पीड़ितों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बीएसपी की स्थापना की गई है, यह भी सर्वविदित है।"

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के 8 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले यूपी को बीमारू राज्य माना जाता था। लेकिन, आज यह अर्थ शक्ति बनकर उभरा है।

पहले दंगे व आतंक को लोगों ने देखा। पहले यूपी विकास का ब्रेकर माना जाता था। आज वही प्रदेश विकास का उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश वही है, जनता वही है, सिस्टम वही है, सिर्फ सरकार बदलने मात्र से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

एलआईसी एजेंट के घर चढ़कर बमबारी, रात के सन्नाटे में गूंजे धमाके-इलाके में दहशत

मुजफ्फरपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में अपराधियों के दुस्साहस का एक और उदाहरण सामने आया है। फकुली थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में देर रात अज्ञात बदमाशों ने एलआईसी एजेंट अरुण कुमार सिंह के घर पर बमबारी कर दहशत फैला दी। अचानक हुए इस हमले से पीड़ित परिवार के साथ-साथ पूरे गांव में भय और चिंता का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम (एफएसएल) मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। बमबारी की इस घटना से न केवल घर की दीवारों पर बारूद के छींटे दिखाई दिए, बल्कि घर के अंदर रखे अनाज भी जलकर बर्बाद हो गए।

हमले के बाद गृहस्वामी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। उसके बाद फकुली थाना पुलिस, अनुमंडल पदाधिकारी पश्चिमी टू अनिमेष चंद्र ज्ञानी और एफएसएल की टीम जांच के लिए पहुंची। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम के बाद भी पीड़ित की ओर से अभी तक कोई प्राथमिकी फकुली थाने में दर्ज नहीं करवाई गई है। लेकिन पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विभिन्न बिंदुओं पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को आशंका है कि मामला आपसी रंजिश का हो सकता है, हालांकि जांच अभी शुरुआती चरण में है। इस मामले को लेकर ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने पुष्टि कर बताया कि फकुली थाना क्षेत्र से बमबारी की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद एफएसएल की टीम को मौके पर भेजा गया है। अब तक की जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि यह कम क्षमता का बम या संभवतः सुतली बम हो सकता है। हालांकि सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने मौके पर कैंप करना शुरू कर दिया है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

जस्टिस यशवंत वर्मा के इलाहाबाद हाईकोर्ट तबादले पर भड़के वकील, लंच बाद सांकेतिक हड़ताल पर रहे

प्रयागराज, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का तबादला इलाहाबाद हाइकोर्ट में करने का यहां के अधिवक्ता विरोध कर रहे हैं। सोमवार को हाईकोर्ट के वकीलों ने लंच के बाद सांकेतिक हड़ताल किया। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिशन की आम सभा अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता में हुई।

आम सभा में जस्टिस वर्मा का इलाहाबाद में तबादला करने का विरोध किया गया और इसको तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की गई। अध्यक्ष अनिल तिवारी ने कहा कि जस्टिस वर्मा का हाईकोर्ट में विरोध किया जाएगा। किसी भी कीमत पर वह अधिवक्ता उनको यहां ज्वाइन नहीं करने देंगे। अगर वह कर भी लेते हैं तो उनकी कोर्ट का बहिष्कार किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला

पिछले हफ्ते होली की छुट्टियों के दौरान उनके सरकारी बंगले में बड़ी मात्रा में बेहिसाब नकदी मिलने के बाद यह फैसला लिया गया। यह धनराशि उस समय मिली जब इमारत में आग लग गई और न्यायाधीश के परिवार के सदस्यों ने- जो उस समय शहर में नहीं थे- आपातकालीन सेवाओं को फोन किया। उन्होंने फिर पुलिस को बुलाया। जस्टिस यशवंत वर्मा का जन्म 6 जनवरी 1969 को इलाहाबाद में हुआ। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से बी.कॉम (ऑनर्स) की पढ़ाई की और मध्य प्रदेश के रीवा विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक वकील के रूप में उन्होंने कॉर्पोरेट कानूनों, कराधान और कानून की संबद्ध शाखाओं के अलावा संवैधानिक, श्रम और औद्योगिक विधानों के मामलों में भी वकालत की।

2016 में स्थायी न्यायाधीश के रूप में ली शपथ

56 वर्षीय न्यायाधीश, जो 1992 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए थे, उन्हें 13 अक्टूबर 2014 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया और उन्होंने 1 फरवरी 2016 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह 2006 से अपनी पदोन्नति तक इलाहाबाद उच्च न्यायालय के विशेष अधिवक्ता भी रहे, इसके अलावा 2012 से अगस्त 2013 तक उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य स्थायी अधिवक्ता भी रहे, जब उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया।

राशन की लाइन में लगे शख्स की हार्ट अटैक से मौत

मेरठ, 24 मार्च (एजेंसियां)। माधवपुरम में रविवार को सरकारी राशन की दुकान पर लाइन में खड़े मनोज कुमार मित्तल (50) की हार्ट अटैक से मौत हो गई। परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों ने मौत होने की पुष्टि कर दी।

परिजनों ने बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मूल रूप से माधवपुरम निवासी मनोज कुमार मित्तल पत्नी और दो बेटों के साथ चार साल से टीपीनगर थाना क्षेत्र की मानसरोवर कालोनी में रह रहे थे।

राणा सांगा पर विवादित बयान में फंस गए अखिलेश और रामजी लाल सुमन, सिविल केस दायर

आगरा, 24 मार्च (एजेंसियां)। राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान मामले में आगरा सिविल कोर्ट सीनियर डिवीजन में अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने सिविल केस दायर किया है। अधिवक्ता अजय प्रताप सिंह ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही चर्चा कि सपा के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन ने राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दिया है। इसका समर्थन सपा मुखिया अखिलेश यादव भी कर रहे हैं।

अधिवक्ता की ओर से सपा मुखिया अखिलेश यादव और राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन के खिलाफ सिविल केस दायर किया गया है। केस की सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन में हुई व फाइल को अग्रिम आदेश के लिए रख लिया गया। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश सिकरवार, एसपी सिंह सिकवार, शिव आधार सिंह तोमर, संतोष धाकरे न्यायालय में उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रामजी लाल सुमन के राणा सांगा को लेकर दिए बयान पर बवाल मचा हुआ है। अखिल भारत हिंदू महासभा ने भी सपा सांसद के बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। सांसद के खिलाफ तहरीर दी। वहीं, सपा सांसद ने भी मामले में सफाई दी थी। सपा सांसद रामजी लाल सुमन का कहना है कि मैं अपने बयान पर कायम हूं। अगर राज्यसभा सभापति को लगता है मैंने कुछ आपत्तिजनक कहा तो सदन की कार्यवाही से मेरे बयान को हटा सकते हैं।

दो समुदायों के बीच सांप्रदायिक तनाव

बाजा बजाने को लेकर हिंसक झड़प में कई लोग घायल, भारी पुलिस बल तैनात

बक्सर, 24 मार्च (एजेंसियां)। बक्सर जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत वार्ड-7 में सोमवार को दो समुदायों के बीच बाजा बजाने को लेकर उपजे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस वजह से इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है। दोनों पक्षों की ओर से हुई जमकर मारपीट में कई लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विवाद के बाद तुरहा समाज के लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन भी किया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई।

बर्थडे पार्टी में बाजा का साउंड कम करने को लेकर हुआ विवाद

जानकारी के अनुसार, रविवार की शाम एक बर्थडे पार्टी के दौरान समुदाय विशेष के धार्मिक स्थल के पास बाजा बजाया जा रहा था। एक पक्ष का आरोप है कि समुदाय विशेष के लोगों ने जबरन बाजा बंद करने का दबाव डाला। वहीं, समुदाय विशेष पक्ष की ओर से कहा गया कि इबादत का समय था, इसलिए साउंड कम करने की बात कही गई थी। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों में कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया।

थाने में नहीं सुलझा मामला अगले दिन भड़क उठा विवाद

जानकारी के मुताबिक, रविवार रात को दोनों पक्ष थाने पहुंचे। लेकिन राज्यपाल के कार्यक्रम के चलते पुलिस ने अगले दिन आने की बात कही। इस बीच सोमवार सुबह फिर से विवाद भड़क उठा और बात हिंसक झड़प तक पहुंच गई। आरोप है कि तुरहा समाज के कई युवकों को बेरहमी से पीटा गया, जिनमें से पांच से छह युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

धार्मिक स्थलों को नुकसान पहुंचाने का आरोप

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि झड़प के दौरान धार्मिक स्थलों को भी क्षति पहुंचाई गई है। हालांकि प्रशासन की ओर से इस दावे की पुष्टि नहीं की गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए डीएसपी के नेतृत्व में चार थानों की पुलिस और आरा से अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

सड़क जाम कर जताया विरोध

घटना से नाराज तुरहा समाज के लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। सड़क पर जाम लगने से यातायात भी प्रभावित हुआ। वहीं, ब्रह्मपुर थानाध्यक्ष सुरेश सिंह ने बताया कि रविवार को ही मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी और रात भर कैंप कर रही थी। लेकिन सोमवार सुबह फिर से दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट हुई। फिलहाल पांच लोग घायल हैं और स्थिति तनावपूर्ण है, लेकिन नियंत्रण में है। उन्होंने यह भी बताया कि एक पक्ष के दो और दूसरे पक्ष के चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस प्रशासन अब इलाके में शांति बहाली के प्रयास में जुटा है। स्थानीय लोगों से संयम बनाए रखने की अपील की गई है। हालांकि माहौल अभी भी संवेदनशील बना हुआ है, लेकिन भारी पुलिस बल की तैनाती से स्थिति पर नियंत्रण रखा गया है।

किसी मां के लाल ने शुद्ध दूध पिया हो तो आकर मुझसे मनुस्मृति पर चर्चा करे

जमकर बरसे जगद्गुरु रामभद्राचार्य

वाराणसी, 24 मार्च (एजेंसियां)। बीएचयू के व्याकरण विभाग में कार्यशाला का उद्घाटन करने पहुंचे तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य मीडिया से बातचीत में मुगलों और मनुस्मृति पर हमला करने वालों पर जमकर बरसे। अमर उजाला के एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी मां के लाल ने शुद्ध दूध पिया हो तो मनुस्मृति पर मुझसे आकर चर्चा करे, इसका एक भी अक्षर राष्ट्र विरोधी नहीं है। मैंने महाकुंभ में 30 दिन तक मनुस्मृति पर ही व्याख्यान दिया है। वहीं हरियाणा में यज्ञ के दौरान ब्राह्मणों पर हमले के सवाल पर कहा कि हमलावरों को उचित दंड मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हम ज्ञानवापी लेकर रहेंगे। यहां पर मुगलों के नाम से जितने भी स्थान है सबके नाम बदले जाएंगे। बीएचयू में पांच दिवसीय अखिल भारतीय व्याकरण प्रबोध कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके स्वागत में संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय के व्याकरण विभाग के 500 से ज्यादा छात्रों ने एक सुर में मंत्रोच्चार किया। दूसरी ओर पूरा संकाय जय श्री राम के जयघोष से गूंजता रहा।

एकमुश्त 10225 शिक्षकों का तबादला

पटना, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिहार शिक्षा विभाग ने कुल 10,225 शिक्षकों का अन्तर जिला स्थानान्तरण किया है। दरअसल, 24 मार्च को शिक्षा विभाग के सचिव अजय यादव की अध्यक्षता में शिक्षकों के अंतर जिला स्थानान्तरण के संबंध में एक महत्वपूर्ण विभागीय स्थापना समिति की बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की निदेशक साहिला, प्राथमिक शिक्षा के उप निदेशक संजय कुमार चौधरी, और माध्यमिक शिक्षा के उप निदेशक अब्दुस सलाम अंसारी भी उपस्थित रहे। बैठक में शिक्षकों के तबादले से जुड़े मामलों पर गहन चर्चा की गई। इस दौरान 10,225 शिक्षकों के अंतर जिला स्थानान्तरण से संबंधित अभ्यावेदनों का निस्तारण किया गया।

पैसेंजर विमान को इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोका

लैंड करने पर भी स्पीड कम नहीं हुई, डिप्टी सीएम और डीजीपी भी बैठे थे

शिमला, 24 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल के शिमला में जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह बड़ा हादसा होने से टल गया। दिल्ली से शिमला आए एलायंस एयर के एटीआर विमान को तकनीकी खराबी आने के बाद इमरजेंसी ब्रेक लगाकर रोकना पड़ा। बताया गया है कि लैंडिंग के बाद विमान की स्पीड कम नहीं हुई थी।

विमान में हिमाचल के डिप्टी सीएम मुकेश अग्निहोत्री और डीजीपी डॉ. अतुल वर्मा सवार थे। दोनों दिल्ली से शिमला लौट रहे थे। यह फ्लाइट दिल्ली से शिमला, शिमला से धर्मशाला, धर्मशाला से शिमला और शिमला से शाम को वापस दिल्ली जाती है। फिलहाल अगली तीनों फ्लाइट रद्द कर दी गई हैं।

लैंडिंग से पहले सवारियों को अलर्ट किया

एलायंस एयर का 42 सीटर विमान दिल्ली से सुबह शिमला आता है। इसके बाद शिमला से धर्मशाला के लिए उड़ान भरता है। दिल्ली से शिमला लौट रहे विमान में क्रू मेंबर्स समेत 44 यात्री थे। इमरजेंसी ब्रेक लगाने से पहले एयरलाइन ने सवारियों को अलर्ट कर दिया था। उन्हें बताया गया कि तकनीकी दिक्कतों की वजह से विमान की इमरजेंसी ब्रेक का इस्तेमाल करना पड़ रहा है।

रनवे के आखिरी पॉइंट तक पहुंचा, यात्री रोने लगे

सूत्रों के अनुसार, लैंडिंग के बाद रनवे खत्म होने को था, लेकिन विमान की स्पीड कम न होने के कारण विमान रनवे के आखिरी पॉइंट तक पहुंच गया। जब इमरजेंसी ब्रेक लगाई गई, तभी विमान रुका। कुछ लोग विमान के अंदर ही जोर-जोर से रोने लगे। विमान रुकने के बाद भी लगभग 25 मिनट तक यात्रियों को विमान से बाहर नहीं निकाला गया।

डायरेक्टर बोले-तकनीकी खराबी आई

जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट के ऑफिशिएटिंग डायरेक्टर केपी सिंह ने बताया- 'लैंडिंग के वक्त तकनीकी खराबी आई। सुबह दिल्ली से यह विमान जांच के बाद ही उड़ा है। सुबह की उड़ान के वक्त इसमें कोई खराबी नहीं थी। खराबी को इंजीनियर चेक कर रहे हैं। फिलहाल धर्मशाला की फ्लाइट को कैंसिल कर दिया गया है।'

जुब्बड़हट्टी में खराब मौसम में चुनौतीपूर्ण रहती है लैंडिंग

जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर खराब मौसम में अक्सर लैंडिंग चुनौतीपूर्ण रहती है, क्योंकि यहां पर रनवे भी छोटा है। मगर, आज सुबह जिस वक्त एलायंस एयर की फ्लाइट जुब्बड़हट्टी पहुंची, उस दौरान मौसम साफ था। ऐसे में हादसे के लिए तकनीकी खराबी को ही वजह माना जा रहा है। एयरपोर्ट अथॉरिटी भी अभी ज्यादा जानकारी देने से बच रही है।

ऊना में तीन हजार लोगों से हुई ठगी

कांगड़ा और बिलासपुर में भी करोड़ों बटोरे

शिमला, 24 मार्च (एजेंसियां)। ह्यूमन वेलफेयर क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसायटी ने शिमला के अलावा ऊना, हमीरपुर, सोलन, सिरमौर, मंडी, कांगड़ा व बिलासपुर में भी लोगों को ठगा है। सोसायटी ने लोगों को 9 से 14 फीसदी का ब्याज देने का झांसा देकर फंसाया और अब लोगों की करोड़ों रुपये लेकर भाग गई है। सोसायटी का दिल्ली का कार्य बंद होने और कई नोटिस जारी करने के बाद भी किसी प्रकार का जवाब नहीं आने पर सेंट्रल रजिस्ट्रार कोऑपरेटिव सोसायटी ने सोसायटी के विघटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ऐसे में लोगों की उम्रभर की जमापूंजी डूब गई है। शिमला के अलावा ऊना जिले में सबसे अधिक 3,000 लोगों से ठगी की बात सामने आई है। अब लोग अपनी जमापूंजी के लिए सुविधा केंद्रों के चक्कर काट रहे हैं, जहां से प्रबधंकों की ओर से उन्हें आश्वासन के सिवा कुछ नहीं मिल रहा है।

बढ़ सकता है समिति का कार्यकाल

एक साथ चुनाव कराने के लिए अटॉर्नी जनरल और पूर्व जज करेंगे चर्चा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर संसद की संसदीय समिति मंगलवार को विचार-विमर्श करेगी। सूत्रों की माने तो अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति और दूरसंचार विवाद निपटान एवं अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष डीएन पटेल इस सुनवाई में अपनी राय देंगे।

एक या दो दिन बढ़ सकता है कार्यकाल

सूत्रों के मुताबिक, समिति का कार्यकाल एक या दो दिन बढ़ाया जा सकता है, क्योंकि भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए और समय की आवश्यकता होगी। समिति को यह रिपोर्ट 4 अप्रैल को समाप्त होने वाले संसद के चालू सत्र के अंतिम सप्ताह के पहले दिन प्रस्तुत करनी थी, लेकिन अब समय बढ़ने की संभावना है। राजनीति' के सिद्धांत पर चलता रहा हूं', एकनाथ शिंदे का बयान समिति इस समय कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर रही है और अन्य हितधारकों से भी राय ले रही है। इस प्रक्रिया में वेंकटरमणी और पटेल समिति के सामने अपनी राय पेश करेंगे। अब तक सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित और रंजन गोगोई, प्रसिद्ध वकील हरीश साल्वे, और दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ए पी शाह समिति के सामने अपनी राय दे चुके हैं। इन विशेषज्ञों ने संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा की, जो लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने की दिशा में है।

विपक्षी सदस्य उठा रहे सवाल

हालांकि मामले में विपक्षी सदस्य इस प्रस्ताव पर सवाल उठा रहे हैं और यह जानना चाहते हैं कि क्या यह कदम संविधान के अनुरूप है। वे सरकार से यह भी जानना चाहते हैं कि एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में क्या तर्क हैं। वर्तमान में समिति में 38 सदस्य हैं, जिनमें से दो विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। देखा जाए तो समिति की यह सुनवाई इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने के लिए एक अहम कदम हो सकती है, जिससे भविष्य में चुनाव प्रक्रिया पर बड़ा असर पड़ेगा।

डिप्टी सीएम शिंदे को गद्दार कहा, कॉमेडियन कामरा पर एफआईआर

> जहां शो शूट हुआ, उस होटल में तोड़फोड़ > 11 शिवसैनिक अरेस्ट

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा पर सोमवार सुबह मुंबई के खार थाने में एफआईआर दर्ज की गई। दरअसल, रविवार को कामरा का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वे डिप्टी सीएम शिंदे का मजाक उड़ाते हुए गाना गा रहे हैं। उन पर अशांति फैलाने और मानहानि की धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

दूसरी तरफ द यूनीकॉन्टिनेंटल होटल में तोड़फोड़ करने के आरोप में शिवसेना नेता राहुल कनाल सहित 11 शिवसैनिकों को गिरफ्तार किया गया है। इस केस में 40 शिवसैनिकों पर एफआईआर हुई थी।

शिवसैनिकों का दावा है कि इसी स्टूडियो में वह वीडियो शूट किया गया था। इससे शिवसेना के कार्यकर्ता भड़क गए थे। सोमवार दोपहर को मुंबई पुलिस ने शिवसेना युवा सेना के जनरल सेक्रेटरी राहुल कनाल सहित 11 शिवसैनिकों की गिरफ्तारी किया है। इधर, होटल ने बयान जारी कर कहा कि फिलहाल इस क्लब को बंद कर रहे हैं। हमने आर्टिस्ट्स को परफॉर्मेंस की जगह दी है। वे अपने बयानों के लिए खुद जिम्मेदार हैं, लेकिन हर बार हम निशाना बन जाते हैं।

कुणाल और राहुल गांधी ने संविधान नहीं पढ़ा

फडणवीस ने कहा- कुणाल कामरा ने वही लाल संविधान की किताब पोस्ट की, जिसे राहुल गांधी ने दिखाया था। दोनों ने संविधान ठीक से नहीं पढ़ा। संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, लेकिन इसकी सीमाएं भी हैं। शिंदे को गद्दार कहे जाने पर उन्होंने कहा- 2024 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने हमें वोट देकर समर्थन दिया। जिन्होंने गद्दारी की थी, उन्हें जनता ने घर बैठा दिया। जिन लोगों ने बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा और जनादेश का अपमान किया, जनता ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी।

कॉमेडियन कुणाल कामरा का विवादों से रहा पुराना रिश्ता

कॉमेडियन कुणाल कामरा इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं। मुंबई में हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के एक नेता को 'गद्दार' (देशद्रोही) कहा। उन्होंने नेता को 2022 में राजनीतिक दलबदल के लिए ये शब्द बोला। नेता की वजह से शिवसेना पार्टी में विभाजन हो गया था। जवाब में शिवसेना के सदस्यों ने उस स्थान पर तोड़फोड़ की जहां कुणाल कामरा का शो रिकॉर्ड किया गया था और कॉमेडियन के खिलाफ मानहानि और सार्वजनिक उपद्रव भड़काने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई। यह पहली बार नहीं है जब कॉमेडियन विवादों में घिर हैं।

मैकेनिक ने कनपटी में गोली मारकर दी जान

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के प्रेम नगर इलाके में सोमवार सुबह खराद मशीन के मैकेनिक ने कनपटी में गोली मारकर जान दे दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की शिनाख्त प्रशांत कौशिक (38) के रूप में हुई है। वह पत्नी और दो बच्चों के साथ प्रेम नगर में रहते थे। रोहिणी जिला अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विष्णु कुमार ने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे प्रेम नगर थाना पुलिस को एक व्यक्ति के गोली मारकर खुदकुशी करने की जानकार मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि युवक के दाहिनी कनपटी में गोली लगी है और पास ही एक पिस्टल पड़ी है। युवक की मौत हो चुकी थी।

अहमदाबाद के पास बुलेट ट्रेन रूट पर बड़ा हादसा, 25 ट्रेनें रद्द, पांच रिशेड्यूल और छह की गईं डायवर्ट

अहमदाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात में अहमदाबाद और मुंबई के बीच बन रही बुलेट ट्रेन परियोजना के रूट पर रविवार रात भीषण हादसा हो गया। यहां निर्माण कार्य के दौरान सेगमेंटल लॉन्चिंग गैंट्री फिसलकर रेलवे लाइन पर गिर गई। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। इसके चलते कम से कम 25 ट्रेनें रद्द कर दी गईं।

इतना ही नहीं 15 अन्य को आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया। साथ ही पांच ट्रेनों को रिशेड्यूल किया गया है और छह के रूट डायवर्ट किए गए हैं। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रविवार को रात करीब 11 बजे ये हादसा अहमदाबाद-मुंबई रूट पर वटवा में हुआ। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन इससे रेल यातायात प्रभावित हुआ है। अहमदाबाद डिवीजन के अधिकारियों ने बताया कि रेलवे लाइन को दोबारा सुचारू रूप से संचालित करने के लिए रूट को साफ किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल के वरिष्ठ अधिकारी पहले से ही पुलिस और अग्निशमन सेवा अधिकारियों के साथ मौके पर हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

सुशांत सिंह राजपूत की मौत का मामला

वकील बोले-क्लोजर रिपोर्ट मायने नहीं रखती, कोर्ट संज्ञान ले सकता है; रिपोर्ट में हत्या के सबूत नहीं थे

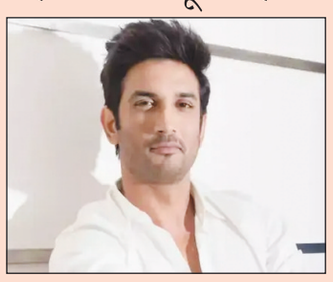

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में दिशा सालियान के पिता के वकील नीलेश सी. ओझा ने कहा कि सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट कानूनी रूप से विशेष महत्व नहीं रखती। कोर्ट इस पर संज्ञान लेकर आगे की जांच का आदेश दे सकता है। ओझा ने कहा-कोई क्लीन चिट नहीं दी गई है। कुछ लोग झूठा नैरेटिव चला रहे हैं। कोर्ट चाहे तो इस मामले में गिरफ्तारी का आदेश दे सकता है या आगे जांच करवा सकता है, जैसा कि आरुषि तलवार केस में हुआ था। दरअसल, बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस मामले की याचिका पर सुनवाई के लिए 2 अप्रैल की तारीख तय की है।

वहीं, आदित्य ठाकरे ने खुद पर लगे आरोपों को झूठा बताया और कहा कि वे इस मामले में कोर्ट में ही जवाब देंगे। सुशांत सिंह मामले में क्लीन चिट मिलने के बाद रिया चक्रवर्ती के भाई शोविक ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'सत्यमेव जयते।' रिया के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा- कैसे रिया को जमानत मिलने से पहले 27 दिन जेल में बिताने पड़े थे। मैं उन्हें और उनके परिवार को सलाम करता हूं कि उन्होंने खामोश रहकर भी अमानवीय बर्ताव सहा। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद 23 मार्च को फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है।

संभल में पुलिस का फ्लैग मार्च

जामा मस्जिद के सदर की गिरफ्तारी से वकीलों में रोष, प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी

संभल, 24 मार्च (एजेंसियां)। संभल जामा मस्जिद कमेटी सदर जफर अली एडवोकेट की गिरफ्तारी को लेकर शहर के अधिवक्ताओं में रोष है। सोमवार को अधिवक्ताओं ने हड़ताल कर पुलिस के खिलाफ मार्च निकाला है। साथ ही पुलिस पर गलत तरीके से कार्रवाई किए जाने का आरोप भी लगाया है। कचहरी से शंकर चौराहे तक अधिवक्ता नारेबाजी करते हुए पहुंचे।

जामा मस्जिद कमेटी सदर की रिहाई के लिए मांग उठाई। इस दौरान एहतियाती तौर पर पुलिस भी तैनात रही। मालूम हो जामा मस्जिद कमेटी सदर को 24 नवंबर के बवाल में साजिश रचने समेत कई आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया था। न्यायालय से जेल भेज दिया गया है। इसको लेकर ही अधिवक्ताओं ने रोष जताया है।

कई थानों की फोर्स संभल में

शाही जामा मस्जिद के सदर की गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए गए हैं। कई थानों की फोर्स को पहले ही संभल कोतवाली बुला लिया गया था। इसके अलावा पीएसी और आरआरएफ की कंपनी बुलाई गईं। कई कंपनी को मार्च के लिए शहर में लगाया गया है। कोतवाली में भारी फोर्स तैनात किए जाने के साथ ही शहर के प्रमुख स्थानों पर फोर्स तैनात किया। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाएं हुए हैं।

दूसरी ओर रविवार की शाम एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई और एडीएम प्रदीप वर्मा ने फोर्स के साथ मार्च किया। लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। साथ ही किसी भी अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

नागपुर हिंसा : मुख्य आरोपी फहीम के घर बुलडोजर चला

500 दंगाइयों को भड़काने का आरोप, देशद्रोह का केस; औरंगजेब की कब्र पर था विवाद

नागपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुई नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान के घर पर सोमवार को बुलडोजर चलाया गया। नागपुर नगर निगम ने उसे खुद से अवैध निर्माण हटाने के लिए 24 घंटे का समय दिया था, जो आज पूरा हो गया। नागपुर के संजय बाग कॉलोनी, यशोधरा नगर में स्थित यह मकान फहीम खान की पत्नी के नाम पर है। नगर निगम ने बिल्डिंग प्लान अप्रूवल में गड़बड़ी को लेकर नोटिस जारी किया था।

दरअसल, औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज हुआ है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। फिलहाल फहीम पुलिस हिरासत में हैं। इससे पहले 21 मार्च को फहीम खान ने जमानत के लिए सेशंस कोर्ट में याचिका लगाई थी। फहीम ने दावा किया कि उसे राजनीतिक प्रतिशोध के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि उसने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फहीम खान को दंगा और आगजनी की घटनाओं के दो दिन बाद 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। हिंसा के पांचवें दिन शनिवार को सीएम देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा-हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी।

'समय आने पर बदला जा सकता है संविधान'

> शिवकुमार के बयान पर कर्नाटक से दिल्ली तक बवाल > जुबानी जंग तेज

नई दिल्ली/बंगलूरू, 24 मार्च (एजेंसियां)। सार्वजनिक ठेकों में मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण और हनीट्रैप को लेकर कर्नाटक में विवाद जारी है। इस बीच राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में मुस्लिम आरक्षण के सवाल पर कुछ ऐसा कह दिया कि कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक राजनीतिक हलकों में सरगर्मी बढ़ गई। दरअसल, रविवार को वे एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां उनसे मुस्लिम आरक्षण को लेकर सवाल किया गया। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि समय आने पर संविधान बदला जा सकता है...। अब संविधान को लेकर उनके बयान के बाद कर्नाटक में भाजपा ने शिवकुमार को आड़े हाथों लिया है। राज्यसभा में भी डीके शिवकुमार के बयान को लेकर जमकर हंगामा हुआ।

क्या बोले थे डीके शिवकुमार?

दरअसल, रविवार को डीके शिवकुमार एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए थे। जहां उनसे सार्वजनिक ठेकों में मुस्लिमों को चार प्रतिशत आरक्षण दिए जाने और भाजपा द्वारा इसे अदालत में चुनौती देने की टिप्पणी को लेकर सवाल किया गया। उसका जवाब देते हुए कर्नाट के डिप्टी सीएम ने कहा कि देखते हैं कि क्या होता है। हमने जो शुरू किया है, मुझे पता है कि इसको लेकर सब अदालत में जाएंगे। इंतजार करते हैं और देखते हैं अदालत का जो भी फैसला आएगा। उन्होंने कहा कि हमें अच्छे दिनों का इंतजार करना होगा। बहुत सारे बदलाव करने हैं...संविधान भी बदल रहा है ऐसे फैसले भी हैं जो संविधान बदल देते हैं।

भाजपा हुई कांग्रेस पर हमलावर

डीके शिवकुमार के इस बयान पर कर्नाटक से लेकर दिल्ली तक सियासी बयानबाजी शुरू हो गई है। भाजपा ने इसे कांग्रेस की मंशा का खुला सबूत करार देते हुए तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस संविधान को बदलकर मुसलमानों को आरक्षण का लाभ देना चाह रही है।

बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के साथ मजाक है शिवकुमार का बयान-संबित पात्रा

वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बयान पर कहा कि डी.के. शिवकुमार ने अपने एक साक्षात्कार में स्पष्ट तौर पर कहा है कि अगर मुसलमानों को आरक्षण देने के लिए हमें संविधान को बदलना पड़े तो हम तैयार हैं। ये बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के साथ मजाक है।

शहजाद पूनावाला बोले-कांग्रेस हमेशा आरक्षण विरोधी रही

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कथित बयान पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस भारतीय संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। ये वही लोग हैं जो संविधान को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यह आंबेडकर विरोधी और आरक्षण विरोधी है। कांग्रेस हमेशा आरक्षण और एससी/एसटी और ओबीसी के अधिकारों के खिलाफ रही है।

राज्यसभा में भी शुरू हुआ हंगामा

इतना ही नहीं सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा में डीके शिवकुमार के बयान का मुद्दा जमकर गूंजा। राज्यसभा में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार की मुस्लिम आरक्षण के लिए संवैधानिक बदलाव संबंधी कथित टिप्पणी का मुद्दा उठाया, जिसके बाद राज्यसभा में हंगामा शुरू हो गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने डीके शिवकुमार का इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि मुस्लिम आरक्षण का मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है। अगर हिम्मत है तो आज ही उपमुख्यमंत्री का इस्तीफा मांगिए। काफी देर तक चले हंगामे के बाद राज्यसभा और लोकसभा को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

मैं नड्डा से ज्यादा समझदार-शिवकुमार

संविधान पर अपनी टिप्पणी को लेकर विवाद के बीच कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने सफाई भी दी है। उन्होंने कहा कि मैं जेपी नड्डा से ज्यादा समझदार और वरिष्ठ राजनेता हूं। मैं पिछले 36 सालों से विधानसभा में हूं। मेरे पास सामान्य ज्ञान है। मैंने यूं ही कह दिया था कि विभिन्न निर्णयों के बाद बहुत सारे बदलाव होंगे। पिछड़े वर्गों के कोटे के अनुसार आरक्षण दिया गया है। मैंने यह नहीं कहा कि हम संविधान बदलने जा रहे हैं। वे (भाजपा) जो भी कह कर रहे हैं वह गलत है। वे इसे गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। हम एक राष्ट्रीय पार्टी हैं...यह हमारी पार्टी है जो इस देश में संविधान लाई...मैं इस पर विशेषाधिकार हनन का मामला दर्ज करूंगा। मैं केस लड़ूंगा। वे मुझे गलत तरीके से पेश कर रहे हैं।

एनडीए भारत को तोड़ रही-खरगे

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की संविधान पर कथित टिप्पणी को लेकर राज्यसभा में हंगामे के दौरान विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान को कोई नहीं बदल सकता। आरक्षण को कोई खत्म नहीं कर सकता। इसे बचाने के लिए हमने कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जोड़ो यात्रा की। वे (एनडीए सांसदों की ओर इशारा करते हुए) भारत को तोड़ रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 25 मार्च - 2025

क्रिकेट का हैदराबादी अंदाज

हैदराबाद का क्रिकेट मैदान हो और उस पर रनों की बौछार, वह भी सनराइजर्स हैदराबादी टीम द्वारा तो इसके कहने ही क्या। पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने खेलने के अंदाज में जिस तरह का बदलाव किया, उसने फ्रेंचाइजी का दिल जीत लिया है। नई रणनीति के तहत हैदराबाद बल्लेबाजी के जरिए विरोधी टीम को मानसिक रूप से निचोड देती है। शुरुआती छह ओवरों में ही हैदराबादी बल्लेबाज स्कोरबोर्ड पर इतने रन टांग देते हैं कि दूसरी टीम के हौसले वहीं पस्त हो जाते हैं। सनराइजर्स अब इसी विस्फोटक अंदाज में क्रिकेट खेलती है। वह हर गेंद पर तगडा प्रहार करने की कोशिश में रहती है। जब हिम्मत है तो उसे सफलता भी मिल रही है। फरक नहीं पड़ता कि कौन से नंबर पर बल्लेबाज बैटिंग कर रहा है। आते-जाते हर बल्लेबाज का एक ही प्रहारक अंदाज होता है कि ताबडतोड बल्लेबाजी। आईपीएल 2025 की शुरुआत भी हैदराबाद ने तूफानी अंदाज से की। राजस्थान रॉयल्स ने टॉस जीतने के बाद हैदराबाद को पहले बल्लेबाजी करने का आफर देकर आफत मोल ले ली। हैदराबाद के खिलाड़ियों ने राजस्थान के गेंदबाजों की ऐसी धुनाई की कि फील्डर भी तमाशा देखने के अलावा कुछ नहीं कर सके। नतीजतन, 20 ओवर में 6 विकेट पर 286 रन ठोक डाले। यह आईपीएल का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। बता दें कि मेगा ऑक्शन में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को एसआरएच ने 11.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। किशन ने डेब्यू मैच में शतक ठोककर महफिल लूट ली। किशन ने 47 गेंदों में नाबाद 106 रन बनाए। उनकी पारी में 11 चौके और 6 छक्के शामिल थे। पिछले साल हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन ने ऑक्शन में ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड को खरीदा था। बाएं हाथ के ऑलराउंडर कप्तान अक्षर पटेल पिछले सीजन टीम के लिए एक्स फैक्टर साबित हुए थे। वह कम गेंदों में ढेरों रन और अपनी बलखाती गेंदों से धुरंधर बल्लेबाजों का शिकार करने में माहिर हैं। फिलहाल वह विरोधियों के लिए अपने बल्ले से अधिक खतरनाक साबित हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी जेक फ्रेजर मैकगर्क ओपनिंग करते हुए नजर आएंगे। पिछले सीजन में कमाल की बैटिंग की थी और 330 रन बनाने के दौरान 32 चौके और 28 छक्के उड़ाए। उनका स्ट्राइक रेट 234 से अधिक था। जब तक वह मैदान पर रहेंगे रनों का बरसात रोके नहीं रुकेगी। पिछले सीजन में कोलकाता नाइटराइडर्स को चैंपियन बनाने के बावजूद मिचेल स्टार्क का भाव थोड़ा गिर गया है, लेकिन इसके बावजूद वह क्या कर सकते हैं यह हर किसी को पता है। बाएं हाथ का पेसर दुनिया के किसी भी बल्लेबाज के लिए काल से कम नहीं है। अगर स्टार्क पीक पर रहे तो लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए बुरे सपने की तरह यह मैच होगा। चाइनामैन' कुलदीप यादव जब से दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े हैं अपनी पुरानी धार वापस पा ली है। वह चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में कोहराम मचाने के बाद सीधे दिल्ली के लिए उतरेंगे। ऋषभ पंत उनके पुराने कप्तान हैं। हालांकि, विपक्षी टीम में खेल रहे हैं तो वह किसी भी हाल में पंत को चढ़कर नहीं खेलने देना चाहेंगे। पिछले सीजन में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले आशुतोष शर्मा अब दिल्ली से खेल रहे हैं। पिछले सीजन उनके नाम 189 रन थे, लेकिन वह अपनी हार्ड हिटर बैटिंग से छा गए थे। उन्होंने भी आईपीएल की शुरुआत तेज तर्रार अर्धशतक से की है और जो पिछले साल उन्होंने आईपीएल में तहलका मचाया था उससे तो हर कोई वाकिफ है। ऑक्शन में खरीदे गए इन खिलाड़ियों के तेवर और खेल को देखकर लगता है कि एसआरएच की मालकिन काव्या मारन ने ऑक्शन में खिलाड़ी नहीं बाज खरीदे हैं।

समाज में गौरव का प्रतीक बनते बिना दहेज विवाह

बलदेव राज भारतीय

विवाह, भारतीय संस्कृति में केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों का एक पवित्र संगम माना जाता है। यह एक ऐसा संस्कार है, जो न केवल दो हृदयों को जोड़ता है, अपितु दो परिवारों की परंपराओं, मूल्यों और भावनाओं को एक सूत्र में बांधता है। सनातन काल से ही मनुष्य ने इस बंधन को पाणिग्रहण संस्कार के माध्यम से परिवार नामक संस्था की आधारशिला के रूप में स्थापित किया। यह परंपरा न केवल सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ करती थी, बल्कि मानवीय संबंधों को भी गहराई प्रदान करती थी। वैदिक काल में विवाह को आठ प्रकारों में वर्गीकृत किया गया था, जो उस समय की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताओं का प्रतिबिंब थे। ये आठ प्रकार थे—ब्रह्म विवाह, देव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह, असुर विवाह, गंधर्व विवाह, राक्षस विवाह और पैशाच विवाह। इनमें से पहले चार प्रकार—ब्रह्म, देव, आर्ष और प्रजापत्य—को ही श्रेष्ठ और सम्मानजनक माना जाता था, क्योंकि ये धर्म, नैतिकता और पारिवारिक मर्यादा पर आधारित थे। शेष चार प्रकार, जो बल, धन या अनैतिकता से प्रेरित थे, समाज में कम स्वीकार्य थे। आज भी प्रजापत्य विवाह की पद्धति, जिसमें कन्या का सम्मान और परिवारों की सहमति सर्वोपरि होती है, भारतीय समाज में प्रचलन में देखी जा सकती है। विवाह के इस पवित्र संस्कार के साथ कई परंपराएं जुड़ी थीं, जिनमें से एक थी कन्या को उसके पिता द्वारा दी जाने वाली संपत्ति, जिसे 'स्त्री धन' कहा जाता था। यह धन पिता अपनी सामर्थ्य और इच्छा के अनुसार कन्या को प्रदान करता था, ताकि वह अपने नए जीवन में आत्मनिर्भर और सम्मानित रह सके। यह प्रथा मूल रूप से कन्या के कल्याण और सुरक्षा के लिए शुरू की गई थी, लेकिन समय के साथ इसका स्वरूप विकृत हो गया। धीरे-धीरे यह परंपरा दहेज प्रथा के रूप में परिवर्तित हो गई, जो आज भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या बन चुकी है। यह वह कुप्रथा बन गई, जिसने न जाने कितने परिवारों को तबाह किया और कितनी नववधुओं के जीवन को असमय समाप्त कर दिया। समाज में बढ़ते आडंबर, दिखावे और लालच ने इस प्रथा को और भी भयावह बना दिया। दहेज की मांग पूरी न होने पर बहुओं को प्रताड़ित करना, उनकी हत्या करना या उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर करना जैसे जघन्य अपराध इस प्रथा के दुष्परिणाम बन गए। समाचार पत्रों में अक्सर ऐसी खबरें छपती थीं, जो समाज की इस कुरूपता को उजागर करती थीं। यह विडंबना ही थी कि एक ओर समाज में दहेज को लेकर चिंता व्यक्त की जाती थी, वहीं दूसरी ओर यह प्रथा थमने का नाम नहीं ले रही थी। इतिहास में समय-समय पर समाज सुधारकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए अथक प्रयास किए। राजा राममोहन राय, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जैसे महान सुधारकों ने नारी सम्मान और सामाजिक समानता के लिए आवाज उठाई। आधुनिक काल में भी कई संगठनों और व्यक्तियों ने दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाए। सरकार ने भी इस दिशा में कदम उठाते हुए दहेज निषेध अधिनियम, 1961 जैसे कानून बनाए, जिसके तहत दहेज लेना और देना दोनों को अपराध घोषित किया गया। लेकिन इन प्रयासों के बावजूद, यह प्रथा पूरी तरह समाप्त नहीं हुई। कई बार यह देखा गया कि जो लोग सार्वजनिक मंचों पर दहेज प्रथा का विरोध करते थे, वे स्वयं अपने निजी जीवन में इससे मुक्त नहीं रह पाते थे। यह दोहरा चरित्र समाज में व्याप्त पाखंड को दर्शाता था।

कुछ ऐसा हो कि आम आदमी का न्यायालय के प्रति विश्वास कायम रहे

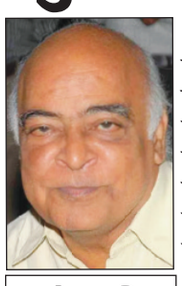

अशोक भाटिया

कपिल सिबल ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में न्यायिक प्रणाली की खामियों के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली में लोगों का भरोसा मक हो रहा है। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के आवास पर कैश मिलने के मामले में उन्होंने टिप्पणी करने से इंकार करते हुए कहा कि जिम्मेदार नागरिक के तौर पर इस पर बोलना उचित नहीं होगा। पर न्यायाधीश यशवंत वर्मा के बंगले से 15 करोड़ रुपये नकद पाए जाने की ख़बरों ने पूरे देश में हलचल मचा दी। एकमात्र भरोसा जो न्यायपालिका में था और वह भी पूरी तरह से कमजोर हो गया है। अतीत में न्यायाधीशों द्वारा नकद एकत्र करने और निर्णय पारित करने के कई उदाहरण हैं कि बदले में किसी को लाभ होगा। लेकिन इससे पता चलता है कि आम आदमी को पहले न्यायपालिका पर सिर्फ भरोसा था लेकिन अब वह भी नहीं है। दिल्ली में वर्मा के बंगले से नकदी मिली थी और पुलिस ने जब्त कर लिया था और अब सुप्रीम कोर्ट उसे अपने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेजने का फैसला करेगा। पूरा फैसला अब प्रधान न्यायाधीश खन्ना के पास है और वह जल्द ही फैसला करेंगे कि वह वर्मा के खिलाफ क्या कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि एक मुख्य न्यायाधीश पद छोड़ने के बाद किसी राज्य के राज्यपाल का पद संभालेगा, कोई अन्य व्यक्ति एक महिला कर्मचारी द्वारा उसके खिलाफ लगाए गए गंभीर आरोपों पर खुद का न्याय करेगा, और अपने पद से मुक्त होने के बाद, वह राज्यसभा में सदस्यता स्वीकार करेगा। एक न्यायाधीश खुले तौर पर धार्मिक रुख अपनाएगा और कोई अन्य व्यक्ति पद से इस्तीफा दे देगा और अगले दिन चुनावी मैदान में उतरेगा। एक अन्य महिला न्यायाधीश का कहना है कि किसी महिला के स्तनों को छूना और उसके कमर के कपड़े की नब्ज को छोड़ना बलात्कार का प्रयास नहीं है। सुप्रीम कोर्ट भी जज की बलात्कार की 'परिभाषा' को सबसे घृणित कृत्य के रूप में मानता है और न्यायाधीश का मनोबल गिराता है। और अब, न्याय के एक ही देवता की दिव्यता की एक श्रृंखला में, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के घर के चारों ओर नकदी चलने का आरोप है, और न्यायपालिका उग्र आग को बुझाने के लिए एक ही रन शुरू करती है। यह हमारी वर्तमान न्यायिक प्रणाली की एक गंभीर तस्वीर है। कई लोग अधिक उदाहरण जोड़ने और उन्हें अधिक रोचक और रोचक बनाने के लिए ललचाएंगे। मसलन, निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों को लेकर अपने कार्यकाल के अंतिम दिन एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश का फैसला। लेकिन अदालतों के बारे में चर्चा पर कानूनी बाधाओं के कारण इन या कई अन्य निर्णयों पर चर्चा नहीं की जाती है। फिर भी इसके बारे में जो कहा जाता है उससे न्यायपालिका के प्रति सम्मान नहीं बढ़ता है। महाशक्ति बनने का सपना देख रहे देश की व्यवस्थाओं के अनवरत पतन का यह न्यायिक यथार्थ किसी को भी आश्चर्य होगा कि जब देश की सभी नियामक व्यवस्थाएं अपनी गरिमा, अपनी निष्पक्षता और निष्पक्षता खो रही हैं, तो न्याय के देवता के वेश की पवित्रता कैसे बनी रहेगी। लेकिन पतन की यह यात्रा 'पहले दूसरी व्यवस्था और फिर न्याय प्रणाली' नहीं है। पहले न्यायपालिका अपनी मंजूरी देती है और फिर दूसरों को अस्वीकार करना शुरू होता है। न्यायपालिका नियामक का नियामक है। उदाहरण के लिए, चुनाव आयोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया का नियामक है। लेकिन जब इसकी निष्पक्षता के बारे में सवाल उठता है, तो सुप्रीम कोर्ट से निर्णायक भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है। लेकिन इस महत्वपूर्ण क्षण में, सुप्रीम कोर्ट स्तब्ध है और चुनाव आयुक्तों की परंपरा शुरू होती है।राज्यपाल की नाम प्रणाली के बारे में भी यही कहा जा सकता है। दोनों प्रणालियों के नैतिक डाउनसाइड्स के उदाहरण दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट को इन गिरोहों को रोकने के अपने अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। क्योंकि तभी इस दैनिक अवमूल्यन से बचा जा सकेगा। लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस पर अपने कर्तव्य के प्रति जागता नहीं दिख रहा है। इसका सीधा सा मतलब है कि जब न्यायपालिका कर्तव्य में लापरवाही के आरोपों से खुद को नहीं बचा सकती है, तो यह सार्वभौमिक विनाश और गिरावट की शुरुआत है। यदि किसी न्यायाधीश के घर में नोटों का ढेर पाया जाता है, तो यह इस गिरावट का एक स्पष्ट संकेतक है। न्याय का देवता खुद को इस गिरावट की जिम्मेदारी से नहीं बचा सकता। दुर्भाग्य से, ऐसा लगता है। इसलिए, इससे पहले कि हम वास्तव में यह पता लगा सकें कि न्यायाधीश के घर में वास्तव में इतनी नकदी मिली थी या नहीं, इस मामले से निपटने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के प्रयास बेकार हैं, जिसमें कई मुद्दे शामिल हैंः सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घटना को मीडिया द्वारा उजागर किया गया था, न्यायाधीश के घर में आग लग गई, और इसे बुझाने के प्रयासों में नकदी पकड़ी गई। ऐसा कहा जाता है। अब तो फायर ब्रिगेड भी इस बात से इनकार कर रही है कि ऐसा कुछ हुआ है और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी इसकी सत्यता पर संदेह है। अगर यह मान लिया जाए कि वे सच हैं, तो सवाल यह है कि क्या उच्च न्यायालय ने वास्तव में सोचा था कि न्यायाधीश से पूछताछ की जानी चाहिए? जिस स्थिति में सब कुछ ठीक चल रहा हो, किसी के चरित्र के बारे में कोई संदेह नहीं है, वहां जांच का आदेश नहीं दिया जाता है। यानी जांच इसलिए की गई क्योंकि दिल्ली उच्च न्यायालय को कुछ संदेह था। तब करेंसी नोटों का ये मामला सामने आया और फिर इस ट्रांसफर की सिफारिश और नोटों की खोज के बीच कोई संबंध नहीं था। यह बाद में कहा गया था। यह बचाव बहुत स्कूली है। न्यायपालिका से इस तरह के दमदार तर्क की उम्मीद नहीं की जाती है। इलाहाबाद बार काउंसिल द्वारा उठाया गया मुद्दा बचाव पक्ष के तर्कों के झूठ को दर्शाता है। क्या इलाहाबाद उच्च न्यायालय कूड़े का ढेर है? यह वकीलों के संघ का सवाल है। यह बहुत वैध है। क्योंकि अगर इस जज के कार्यों में कुछ भी गलत है, तो केवल स्थानांतरण इस पर पहली प्रतिक्रिया कैसे है? यह क्यों माना जाना चाहिए कि माननीय न्यायाधीश कथित नकदी को इकट्ठा करने की कोशिश नहीं करेंगे जो यह न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय में रहते हुए जमा करने में सक्षम था? यह एक विभाग में भ्रष्टाचार के आरोपी मंत्री को पोर्टफोलियो बदलने के लिए छोड़ने जैसा है। वास्तव में, न्यायाधीशों की तुलना मंत्रियों से और सर्वोच्च न्यायालय की मुख्यमंत्री/प्रधानमंत्री से तुलना करने का समय राजनेताओं की पदोन्नति नहीं है। यह न्यायपालिका का पतन है। इसे अमान्य नहीं किया जा सकता है। यदि आप नहीं चाहते कि ऐसा हो, तो सुप्रीम कोर्ट को इन महत्वाकांक्षी न्यायाधीशों को केवल स्थानांतरण के लिए हमसे रिहा कर देना चाहिए। यह एक ही 'सजा' पर नहीं होना चाहिए। चाहे वह विधानमंडलों के अध्यक्ष हों या राज्यपाल हों या चुनाव आयोग हों या न्यायाधीश, इस वर्ग को भी पचा लिया गया है और कान में गांठ डाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट के कान-टू-कान उनकी परवाह नहीं करते हैं। इसका मतलब है कि इस वर्ग को कड़ी सजा देने का समय आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार देर रात संकेत दिया कि इन जजों की जांच गोपनीय नहीं होगी। यह स्वागत योग्य है, लेकिन कुल मिलाकर उच्चतम न्यायालय को चूककर्ताओं के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और एक उदाहरण स्थापित करना चाहिए। इसके बजाय, सुप्रीम कोर्ट के इस तर्क को बर्दाश्त करना मुश्किल होगा कि हम अपनी नियुक्तियां करेंगे, कि हम अपने खिलाफ आरोपों की जांच करेंगे और हम उनका न्याय भी करेंगे।

अस्पतालों में बिना ज़रूरत के बढ़ते सीज़ेरियन

प्रियंका सौरभ

क्या आपको मालूम है कि सिजेरियन डिलीवरी, या सी-सेक्शन, दुनिया में सबसे अधिक की जाने वाली सर्जरी है? सीज़ेरियन सेक्शन बनाम नार्मल डिलीवरी का विषय काफ़ी चर्चा में रहता है, खासकर तब जब इसका ज़रूरत से ज़्यादा उपयोग होने लगे। कुछ लोग इसे एक बिज़नेस मॉडल मानते हैं, तो कुछ इसे मेडिकल साइंस की उपलब्धि के रूप में देखते हैं। सीज़ेरियन सेक्शन एक सर्जिकल प्रक्रिया है, जो तब की जाती है जब सामान्य (नार्मल) डिलीवरी संभव न हो या माँ और बच्चे के स्वास्थ्य के लिए जोखिम हो। लेकिन आजकल कई जगहों पर यह मेडिकल ज़रूरत से ज़्यादा किया जा रहा है, खासकर निजी अस्पतालों में, जहाँ इसे जल्दी और सुविधाजनक समाधान के रूप में देखा जाता है। सीज़ेरियन अपने आप में ग़लत नहीं है, लेकिन जब यह व्यावसायिक फायदे के लिए या बिना ठोस मेडिकल वज़ह के किया जाता है, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। सही जागरूकता और जिम्मेदारी से इसका उपयोग होना चाहिए। पिछले कुछ सालों में भारत सहित कई देशों में सीज़ेरियन की दर तेजी से बढ़ी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, केवल 10-15% मामलों में सीज़ेरियन आवश्यक होता है, लेकिन कई देशों में यह दर 50% या उससे अधिक हो चुकी है। भारत में कई निजी अस्पतालों में यह दर 50-80% तक देखी गई है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के निजी अस्पतालों में सीज़ेरियन डिलीवरी की दर 40-50% तक पाई गई, जबकि सरकारी अस्पतालों में यह लगभग 20-25% थी। स्वास्थ्य बीमा योजना और जननी-शिशु सुरक्षा कार्यक्रम जैसी योजनाओं में बिना आवश्यकता के मरीजों की सर्जरी कर दी जाती है, क्योंकि ऐसी योजनाओं में या तो प्रोत्साहन राशि मिलती है, या फिर बीमा कंपनी को लाभ होता है। इनमें सिजेरियन, हार्निया, गॉलब्लेडर, अपेंडिक्स आदि से सम्बंधित मामले अधिक हैं। यह दुखद है, क्योंकि ऐसे मामलों में सबसे ज़्यादा शोषण गर्भवती महिलाओं का होता है। सीज़ेरियन डिलीवरी का ख़र्च सामान्य डिलीवरी से 2-5 गुना अधिक होता है, जिससे अस्पतालों को अधिक मुनाफा होता है। नार्मल डिलीवरी में घंटों का समय लग सकता है, जबकि सीज़ेरियन एक तय समय में पूरा किया जा सकता है, जिससे अस्पतालों और डॉक्टरों को कम समय में अधिक डिलीवरी करने का मौका मिलता है। कुछ डॉक्टर निजी अस्पतालों में अपनी सुविधा के अनुसार डिलीवरी शेड्यूल करना पसंद करते हैं। कुछ महिलाओं को लेबर पेन का इतना डर होता है कि वे ख़ुद सीज़ेरियन करवाने के लिए तैयार हो जाती हैं। कई बार मरीजों को डराकर यह बताया जाता है कि बच्चा खतरे में है, जिससे वे सीज़ेरियन के लिए मजबूर हो जाती हैं। कई मामलों में सीज़ेरियन ज़रूरी होता है, जैसेः बच्चे की पोज़िशन सही न हो, जैसे ब्रीच पोज़िशन। डिलीवरी के दौरान जटिलताएँ हो जाएँ, जैसे प्लेसेंटा प्रीविया, गर्भनाल का फँसना। माँ को गंभीर स्वास्थ्य समस्या हो, जैसे हाई बीपी, डायबिटीज, हृदय रोग। बच्चे को ऑक्सीजन की कमी हो और तुरंत डिलीवरी ज़रूरी हो। पहले भी सीज़ेरियन हो चुका हो और नार्मल डिलीवरी सुरक्षित न हो। लेकिन जब बिना किसी ठोस मेडिकल वज़ह के सिर्फ़ पैसे कमाने के लिए सीज़ेरियन किया जाए, तो यह नैतिक रूप से ग़लत है। कई प्राइवेट अस्पताल सीज़ेरियन को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि यह जल्दी हो जाता है और अधिक ख़र्च आता है।

महिलाओं का डर और जागरूकता की कमी के चलते कई महिलाएँ दर्द से बचने के लिए सीज़ेरियन चुन लेती हैं, जबकि नार्मल डिलीवरी अधिक लाभदायक होती है। महिलाओं को इस बारे जागरूक किया जाए, ताकि वे नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें। डॉक्टर्स को ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए, सिर्फ़ ज़रूरत पड़ने पर ही सीज़ेरियन करना चाहिए। प्राकृतिक तरीकों को बढ़ावा दिया जाए, जैसे गर्भावस्था के दौरान योग और सही डाइट ताकि नार्मल डिलीवरी आसान हो सके। इन सबके साथ-साथ सरकार को सख्ती से नियम लागू करने चाहिए, ताकि अनावश्यक सीज़ेरियन कम हों। नार्मल डिलीवरी को प्राथमिकता दें, जब तक कि मेडिकल कारण से सीज़ेरियन ज़रूरी न हो। गर्भावस्था के दौरान योग, सही खान-पान और व्यायाम करें, ताकि नार्मल डिलीवरी की संभावना बढ़े। अस्पतालों को अपने सीज़ेरियन और नार्मल डिलीवरी की दरें सार्वजनिक करनी चाहिए।

महिलाओं को सीज़ेरियन की सिफ़ारिश मिलने पर दूसरे डॉक्टर से सलाह लेने की आदत डालनी चाहिए। सरकार को निजी अस्पतालों में अनावश्यक सीज़ेरियन रोकने के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए। महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान सही जानकारी दी जानी चाहिए ताकि वे डॉक्टर के निर्णय को समझ सकें और सवाल पूछने में हिचकिचाएँ नहीं। अस्पतालों को नार्मल डिलीवरी को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन दिया जाए। सिजेरियन डिलीवरी के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के लिए तेलंगाना के एक जिले ने तीन मिनट की एक लघु फ़िल्म बनाई है, 'सीजेरियन ला कू कथेरेधम' (आइए सिजेरियन डिलीवरी को कम करें)। दर्द से बचने के लिए बहुत-सी महिलाएँ नॉर्मल डिलीवरी की जगह सीजेरियन का विकल्प चुनतीं हैं, जो ग़लत है। सीज़ेरियन तभी सही है जब यह माँ और बच्चे की सुरक्षा के लिए ज़रूरी हो। अनावश्यक सर्जरी से बचना चाहिए क्योंकि यह शारीरिक और मानसिक रूप से माँ के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

रुपयों का पहाड़ घर में छिपाकर रखने वाले जज साहब

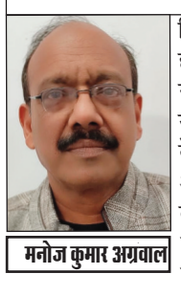

मनोज कुमार अग्रवाल

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर लगी आग के बाद भारी मात्रा में नकदी बरामद होने से न्यायपालिका में हड़कंप मच गया। यह मामला इतना गंभीर हो गया कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना के नेतृत्व वाले कॉलेजियम को उन्हें तत्काल स्थानांतरित करने का फैसला लेना पड़ा साथ ही फिलहाल उन्हें न्यायिक कार्य से विलग कर दिया गया है। आपको बता दें 14 मार्च को जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में आग लग गई थी।वह शहर से बाहर थे।जज के निजी सचिव ने पीसीआर को बुलाया।इसके बाद आग पर तो काबू पा लिया गया लेकिन इस दौरान पुलिस और दमकल कर्मियों को बंगले के अंदर एक कमरे में कई बोरियों में बड़ी मात्रा में नोटों का ढेर दिखा।यह ढेर आधा जलकर खाक हो गया था।यह बात बड़े अधिकारियों तक पहुंची और फिर सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंच गया.जानकारी के अनुसार चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने इस मामले में एक्शन लेते हुए फौरन सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक बुलाई जिसमें जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इलाहाबाद हाई कोर्ट करने का फैसला लिया गया।इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी।अब तक जांच में जो कुछ सामने आया है, वह सब सुप्रीम कोर्ट ने पब्लिक डोमेन में उपलब्ध करा दिया है।इसमें नोटों के ढेर की अधजली तस्वीर भी शामिल है.

14 मार्च की रात जज के निजी सचिव ने आग लगने की सूचना दी.फायर ब्रिगेड को अलग से कॉल नहीं किया गया.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दिल्ली पुलिस कमिश्नर ने 15 मार्च की सुबह मामले की जानकारी दी।हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस तब लखनऊ में थे.पुलिस कमिश्नर ने अधजले कैश की तस्वीरें और वीडियो भी हाई कोर्ट चीफ जस्टिस को भेजीं.कमिश्नर ने बाद में दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को यह भी बताया कि जज के बंगले के एक सिक्युरिटी गार्ड ने उन्हें बताया कि 15 मार्च को कमरे से मलबा साफ किया गया है। इस के बाद मामले को दबाने झुठलाने का सिलसिला शुरू हो गया कभी फायर सर्विस के एक अधिकारी के बयान से कोई नकदी नहीं मिलने की बात कही गई कभी जज साब का स्थानांतरण नियमित प्रक्रिया में होने की बयान आए और मामले पर मिट्टी डाल कर जार जार हो रहे न्याय तंत्र की साख को बचाने की कोशिश की गई लेकिन सोशल मीडिया के जमाने में जज साहब के घर की आग में अधजले नोटों के बोरो की तस्वीर वायरल हो गई और अंततः जिम्मेदार बड़ी अदालत को इस सबको लेकर अपना नजरिया साफ करना पड़ा। आपको बता दें दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने जस्टिस वर्मा से मुलाकात की तो जस्टिस वर्मा ने किसी कैश की जानकारी होने से इनकार किया।यह भी कहा कि वह कमरा सब इस्तेमाल करते हैं.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने उन्हें वीडियो दिखाया तो उन्होंने इसे साजिश बताया.दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस ने भारत के मुख्य न्यायधीश को भेजी चिट्ठी में गहराई से जांच की जरूरत बताई है.भारत के मुख्य न्यायधीश के निर्देश पर जस्टिस वर्मा का 6 महीने कॉल रिकॉर्ड निकाला गया है.जस्टिस वर्मा से यह भी कहा गया है कि वह अपने फोन को डिस्पोज न करें, न ही चैट मिटाएं।रिपोर्ट के मुताबिक जब आग लगी, उस समय न्यायमूर्ति वर्मा शहर से बाहर थे। उनके परिवार के सदस्यों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के दौरान एक कमरे में भारी मात्रा में नकदी बरामद की, जिसके बाद इस मामले की आधिकारिक एंट्री दर्ज की गई। स्थानीय पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद यह खबर सरकार के उच्च अधिकारियों तक पहुंची और अंततः सीजेआई को जानकारी दी गई। सूचना मिलते ही सीजेआई संजीव खन्ना ने तुरंत सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक बुलाई।

कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से न्यायमूर्ति वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट से उनके मूल हाईकोर्ट, इलाहाबाद स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। न्यायमूर्ति वर्मा को अक्टूबर 2021 में इलाहाबाद से दिल्ली हाईकोर्ट में भेजा गया था।

कॉलेजियम के कुछ सदस्यों ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए कहा कि यदि केवल स्थानांतरण कर दिया जाता है, तो इससे न्यायपालिका की छवि धूमिल होगी और न्याय व्यवस्था से जनता का विश्वास कमजोर हो सकता है। कुछ सदस्यों ने सुझाव दिया कि न्यायमूर्ति वर्मा से इस्तीफा मांगा जाना चाहिए। यदि वे इनकार करते हैं, तो संसद के माध्यम से उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए। संविधान के अनुसार, किसी भी हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ भ्रष्टाचार, अनियमितता या कदाचार के आरोपों की जांच के लिए 1999 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा इन-हाउस प्रक्रिया तैयार की गई थी। इस प्रक्रिया के तहत, सीजेआई पहले संबंधित न्यायाधीश से स्पष्टीकरण मांगते हैं।

सरकारी फाइलें और घोंघे की चाल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सरकारी दफ्तर की एक आलमारी में धूल से सनी एक फाइल आराम फरमा रही थी। यह फाइल पिछले सात सालों से अपनी बारी का इंतजार कर रही थी। फाइलों की इस कतार में उसकी स्थिति वैसी ही थी जैसे भारतीय सड़कों पर कोई शरीफ आदमी ट्रैफिक नियमों का पालन करते हुए चलता है—सब उसे धक्का देकर आगे निकल जाते हैं! मगर अफसरों की व्यस्तता ऐसी थी कि वे फाइलों को देखने के बजाय मोबाइल स्क्रीन पर 'वर्कलोड' नामक व्हाट्सएप ग्रुप में मीम्स देखना ज्यादा पसंद करते थे। एक बाबू ने फाइल की ओर देखा, झुंझलाया और बोला—"अरे! तू अभी तक यहीं पड़ी है? हफ्ते में एक बार आगे खिसक तो लिया कर, वरना अफसर को लगेगा तेरा कोई काम ही नहीं।" फाइल को आखिरकार एक क्लर्क की दया दृष्टि मिली। उसने उसे खोलकर झांकने की कोशिश की, लेकिन अंदर से उभरी धूल ने ऐसी छींक दिलाई कि वह फाइल समेत उल्टा गिर पड़ा। उसकी छींक से सारा दफ्तर गूंज उठा, मानो सदियों से सोए सरकारी तंत्र को कोई झकझोर कर उठा रहा हो। झल्लाकर क्लर्क ने फाइल उठाई और झाड़ते हुए बोला—"सात साल में एक बार धूल झाड़ो तो बवाल खड़ा कर देती हो, और खुद अफसरों के सामने तो मुँह तक नहीं खोलती!" पास खड़े चपरासी ने हंसते हुए कहा—"फाइलें बोलने लगें तो बहुतों की नौकरी चली जाएगी!"बड़ी मशक्कत के बाद फाइल अफसर की मेज तक पहुँची। अफसर ने उसे ऐसे देखा जैसे कोई माँ अपनी बारहवीं बार फेल हुए बेटे की मार्कशीट देखती है। "इतनी पुरानी? अरे, इसे निपटा देते हैं, वरना कल को जाँच आ जाएगी और कोई पूछ बैठेगा कि इतनी पुरानी फाइलें पेंडिंग क्यों हैं!" अफसर ने फाइल को आगे बढ़ाने की बजाय एक और नोटिंग जोड़ दी—जाँच हेतु समिति गठित की जाए। यानी फाइल की उम्र और बढ़ा दी गई। उधर, घड़ी की सुइयाँ घूमती रहीं, साल बीतते रहे, और फाइल सरकारी गलियारों में टहलती रही। समिति का गठन हुआ। समिति के सदस्यों ने बैठक रखी, चाय-समोसे खाए, कुछ मोटे-मोटे शब्द लिखे, और निर्णय लिया—इस मामले में गहराई से अध्ययन आवश्यक है। गहराई से अध्ययन के लिए फिर से एक नई समिति बनी। नतीजा? फाइल फिर से सरकारी गाड़ी के पायदान पर लटक गई, जैसे किसी ट्रेन में बिना टिकट यात्री दरवाजे पर लटका रहता है। चपरासी ने बाबू से कहा—साहब, इस फाइल का क्या करना है? बाबू ने गहरी सांस ली और जवाब दिया—अभी कुछ दिन और लटका रहने दो, शायद खुद ही हल निकल आए! फाइल को लगा कि अब वह धूल से नहीं, आंसुओं से भीग जाएगी। मगर, सरकारी फाइलों की किस्मत में केवल प्रतीक्षा लिखी होती है। इधर जनता सड़क पर प्रदर्शन कर रही थी—हमारे हक का फैसला कब होगा? उधर, अफ

फिरोजाबाद का झूलेलाल मंदिर

मुगलों से बचाने के लिए लिया था अवतार बरसाए थे आग के गोले

यूपी के फिरोजाबाद में एक ऐसा मंदिर है, जहां भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना की जाती है। विदेशी आक्रांताओं के अत्याचारों से परेशान होकर सिंधु प्रांत के लोगों ने भगवान से गुहार लगाई, जिसके बाद भगवान ने झूलेलाल के रुप में अवतार लिया और फिर ऐसा चमत्कार हुआ कि आसमान से आग के गोले बरसने लगे, जिससे विदेशी आक्रांताओं से लोगों की रक्षा हुई। इसके बाद प्रांत के लोगों ने भगवान झूलेलाल की पूजा अर्चना शुरु की। इस परंपरा को लोग आज भी मनाते आ रहे हैं। हर साल उनकी जयंती भी बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है।

विदेशी आक्रांताओं से रक्षा के लिए हुआ था भगवान झूलेलाल का अवतार

फिरोजाबाद के लेबर कॉलोनी में स्थित भगवान झूलेलाल मंदिर समिति के संरक्षक नानकचंद वासवानी ने कहा कि भगवान झूलेलाल का अवतार विदेशी आक्रांताओं से रक्षा के लिए हुआ था

प्राचीन काल में जब विदेशी ताकतों ने हिंदुस्तान में प्रवेश किया तो पहला स्थान सिंधु प्रांत पड़ता था। इन्होंने सिंधु प्रांत के लोगों पर अत्याचार किए, जिससे हिंदू जनमानस बहुत ही प्रताड़ित हुआ। जिसके बाद वहां के लोगों ने भगवान से प्रार्थना की। सिंधु प्रांत में सात नदियों का जल बहता था और वहां के लोग जलदेव की पूजा करते थे। इसलिए उन्होने भगवान वरुण देव से प्रार्थना की। लगभग चालीस दिन तक सिंधु प्रांत के लोगों ने सिंधु नदी के किनारे भगवान वरुण देव की पूजा की। जिसके बाद भगवान ने भक्तों की वेदना सुनकर वहां पर अवतार लिया।

नानकचंद ने बताया कि भक्तों की पुकार सुनकर भगवान ने सिंधु प्रांत में रहने वाले ठा। रत्नराय के घर एक बालक के रुप में जन्म लिया, जिसका नाम अमृतलाल रखा गया, लेकिन बालक को झूले में झूलने का शौक था। इसलिए उनकी मां ने इनका नाम झूलेलाल रख दिया। वेदेशी मुगलशासकों के अत्याचारों से सिंधु प्रांत के लोगों को बचाने के लिए भगवान झूलेलाल ने आसमान से अग्निवर्षा की और आसमान से पत्थर भी बरसे लेकिन ये पत्थर मुगलशासकों की सेना पर बरसाए जाते थे। एक भी पत्थर उनके भक्तों के ऊपर नहीं गिरा। वहीं उन्होने सिंधु प्रांत में एक चमत्कारिक महल भी बनाया, जिसे उन्होंने उल्टा कर दिया। इस महल को देखने के लिए आज भी लोग वहां जाते हैं। फिरोजाबाद में भी भगवान झूलेलाल का यह मंदिर स्थापित है। जहां सिंधी समाज के लोग भगवान झूलेलाल की जयंती बड़े ही धूमधाम से मनाते हैं।

जवानी में ही हो गए बुड्ढे ?

त्वचा में लग गया रोग! तो जल्दी जाएं मथुरा के कुब्जा मंदिर, लौट आएगी सुंदरता

भारत अपनी धार्मिक आस्थाओं और चमत्कारी मंदिरों के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। यहां हर धर्म के लोग अपनी श्रद्धा से मंदिरों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों की यात्रा करते हैं। लेकिन कुछ मंदिर सिर्फ पूजा-अर्चना के लिए ही नहीं, बल्कि अपने चमत्कारी प्रभाव के लिए

भी जाने जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर उत्तर प्रदेश के मथुरा में स्थित है, जिसे श्रीकृष्ण कुब्जा मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह 500 साल पुराना मंदिर न केवल अपनी धार्मिक महत्ता के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि यह माना जाता है कि यहां आने वाले हर व्यक्ति की त्वचा से जुड़ी बीमारियां दूर हो जाती हैं।

श्रीकृष्ण कुब्जा मंदिर का नाम एक विशेष पात्र "कुब्जा" के नाम पर रखा गया है। कुब्जा श्रीकृष्ण के समय की एक महिला थीं, जो अपने जीवन में बहुत पीड़ा और तकलीफ झेल रही थीं। वह शारीरिक रूप से विकृत थीं और उनका शरीर टेढ़ा था। जब भगवान श्रीकृष्ण मथुरा आए, तो उन्होंने कुब्जा की भक्ति और प्रेम को देखकर उन पर कृपा की और उनके शरीर को सीधा कर दिया। तभी से कुब्जा का नाम श्रीकृष्ण के भक्तों में लिया जाने लगा और इस मंदिर में श्रीकृष्ण की प्रतिमा के साथ देवी राधा की बजाय कुब्जा को स्थापित किया गया।

क्या है इस मंदिर की विशेषता ?

मथुरा के परिक्रमा मार्ग पर स्थित यह मंदिर लोगों की श्रद्धा का केंद्र है। माना जाता है कि कोई भी व्यक्ति जो त्वचा संबंधी किसी भी बीमारी से परेशान है, अगर इस मंदिर में सच्चे मन से दर्शन करता है, तो उसकी बीमारी दूर हो जाती है। यहां आने वाले भक्त इस विश्वास से मंदिर में आते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से उनकी त्वचा की समस्याएं समाप्त हो जाएंगी।

कई श्रद्धालुओं ने अनुभव किए चमत्कार!

इस मंदिर से जुड़े कई चमत्कारी किस्से सुनने को मिलते हैं। कई श्रद्धालु बताते हैं कि वे सोरायसिस, एक्जिमा, एलर्जी और अन्य त्वचा रोगों से पीड़ित थे, लेकिन जब उन्होंने इस मंदिर में आकर भगवान कृष्ण की पूजा की और यहां मौजूद जल से स्नान किया, तो उनकी त्वचा की समस्याएं धीरे-धीरे समाप्त हो गईं।

मंदिर के पुजारी बताते हैं कि यहां आने वाले कई श्रद्धालु कुब्जा माता और श्रीकृष्ण के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट कर विशेष प्रार्थना करते हैं। इसके बाद, वे मंदिर में मौजूद जल का उपयोग स्नान के लिए करते हैं या अपने शरीर पर लगाते हैं, जिससे उन्हें त्वचा रोगों से राहत मिलती है।

इन 3 परिस्थितियों में घबराने वाला व्यक्ति कभी नहीं करता तरक्की

आचार्य चाणक्य प्राचीन भारत के महान विद्वानों में से एक हैं। उनके द्वारा बताई गई नीतियां व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने में मदद करती हैं। इन नीतियों के सहारे व्यक्ति अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और राजनीतिशास्त्र में महारथ हासिल कर सकता है। चाणक्य नीति में कुछ परिस्थितियां भी बताई गई हैं, जिनमें घबराने वाला व्यक्ति कायर होता है और कभी अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता। तो चलिए जानते हैं उन परिस्थितियों के बारे में जो हर व्यक्ति के जीवन में आ सकती हैं लेकिन मनुष्य को उनसे घबराना नहीं चहिए बल्कि डटकर उनका सामना करना चाहिए।

संघर्ष से न घबराएं

जिस तरह रात और दिन अपने निश्चित काल तक रहते हैं जिससे प्रकृति में संतुलन बना रहता है।इसी प्रकार जीवन में सुख- दुख भी एक निश्चित समय तक ही रहते हैं जिससे मनुष्य जीवन में संतुलन बना रहता है। लेकिन मनुष्य को चाहिए कि वह दुख आने पर उससे घबराए नहीं बल्कि उसका डट कर सामना करे।जो व्यक्ति जीवन में आई परेशानियों से घबरा जाता है वह कभी सफलता प्राप्त नहीं कर पाता।चाणक्य नीति कहती है कि जीवन में आया दुख व्यक्ति को मजबूत बनाता है और सफलता को पाने में सहायता करता है।

संघर्ष से न घबराएं, डटकर सामना करें। परिवर्तन को स्वीकारें, सफलता मिलेगी। मेहनत और सही दिशा में प्रयास से सफलता निश्चित है।

परिवर्तन को करें स्वीकार

हर व्यक्ति के जीवन कभी न कभी परिवर्तन आता ही है और इसे अपनाना ही उसका फर्ज है।परिवर्तन व्यक्ति को मजबूत बनाता है और लक्ष्य प्राप्ति में सहायता करता है।जो व्यक्ति बदलाव को स्वीकार नहीं करता वह सफलता प्राप्त नहीं कर पाता है।

इसलिए जीवन में आए छोटे- बड़े परिवर्तन मनुष्य को खुशी-खुशी स्वीकार करने चाहिए। सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत करना बेहद जरूरी है।

आपकी कड़ी मेहनत एक दिन आपको सफलता के द्वार पर खड़ा कर देती है। इसलिए कभी भी व्यक्ति को मेहनत करने से पीछे नहीं हटना चाहिए और हर स्थिति में मेहनत कर सफलता की सीढ़ियों की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। वहीं अगर आप सही दिशा में मेहनत करते हैं तो कोई भी ताकत आपको सफल होने से नहीं रोक सकती।

सूर्य ग्रहण पर 30 साल बाद मीन राशि में होंगे सूर्य और शनि ग्रह

ज्योतिष दृष्टि से 29 मार्च का दिन बेहद खास होने वाला है। दरअसल इस दिन ना सिर्फ साल 2025 का पहला सूर्य ग्रहण होने वाला है बल्कि मीन राशि में शनि ग्रह के पहुंचने पर पहले से मौजूद सूर्य ग्रह के साथ युति भी बनेगी। पिता सूर्य हर माह राशि परिवर्तन करते हैं, वहीं पुत्र शनि 30 साल बाद मीन राशि में पहुंच रहे हैं, जिससे मीन राशि में सूर्य और शनि का मिलन होने जा रहा है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, सूर्य और शनि की युति से कुछ राशियों को जबरदस्त फायदा होते दिख रहा है, इन राशियों को जीवन के हर क्षेत्र में फायदा मिलेगा और कोर्ट-कचहरी के मामलों से भी राहत मिलेगी। आइए जानते हैं सूर्य ग्रहण वाले दिन मीन राशि में बन रही सूर्य और शनि की युति से किन किन राशियों को लाभ होने वाला है...

सूर्य ग्रहण पर सूर्य शनि की युति 29 मार्च को साल 2025 को साल का पहला सूर्य ग्रहण लगने वाला है लेकिन यह ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा इसलिए इस ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। साथ ही इसी दिन शनि अपनी राशि कुंभ से निकलकर मीन राशि में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से ही 6 ग्रह विराजमान हैं। साथ ही इस दिन शनि अमावस्या भी है और विक्रम संवत 2081 का अंतिम दिन भी है। आइए जानते हैं मीन राशि में बन रही पिता-पुत्र की जोड़ी से किन किन राशियों को फायदा होगा।

सूर्य-शनि की युति का मेष राशि पर प्रभाव

मीन राशि में सूर्य और शनि की युति से मेष राशि वालों को अच्छा लाभ होगा। इस राशि के जातकों के सम्मान, धन, करियर और ज्ञान में अच्छी वृद्धि होगी। अगर आप पर कोई कोर्ट कचहरी का केस चल रहा है तो इस अवधि में इस विवाद से छुटकारा पाने में सफल होंगे। भाई-बहनों का अच्छा साथ मिलेगा और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। इस राशि के छात्र अगर कोई नया कोर्स करना चाहते हैं तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इस युति की वजह से सिंगल जातक नए रिश्ते में प्रवेश कर सकते हैं और आप यादगार समय व्यतीत करेंगे।

सूर्य-शनि की युति का वृषभ राशि पर प्रभाव

सूर्य और शनि की युति से वृषभ राशि वालों को जीवन के हर क्षेत्र में फायदा होगा। इस राशि के जातकों को ससुराल पक्ष के लोगों का पूरा साथ मिलेगा और उनके साथ संबंध मजबूत होंगे, जिससे आपका तनाव कम होता जाएगा। वैवाहिक जीवन में अगर उतार चढ़ाव चल रहा है तो वह खत्म हो जाएगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे। रोजगार की तलाश करने वाले युवाओं को इस अवधि में शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। इस राशि के छात्र जो शिक्षा में परेशानियों का सामना कर रहे हैं, अब वह इनसे बाहर निकलने में सक्षम होंगे।

सूर्य-शनि की युति का सिंह राशि पर प्रभाव

मीन राशि में बन रही सूर्य और शनि की युति से सिंह राशि वालों को अच्छा धन लाभ होने के संकेत मिल रहे हैं। इस राशि के जातकों की धन से संबंधित समस्या खत्म होगी और आपकी ब्रांड वैल्यू बढ़ेगी। इस राशि के जो जातक दुकान, व्यापार व कारोबार करते हैं तो उनको अच्छा लाभ हो सकता है और किसी अच्छी जगह निवेश करने का मौका भी मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे और उनके साथ मिलकर किसी संपत्ति की खरीदारी भी कर सकते हैं। इस दौरान आपकी सुख-सुविधाओं में इजाफा होगा और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

सूर्य-शनि की युति का कन्या राशि पर प्रभाव

सूर्य-शनि की युति से कन्या राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस राशि के जातकों का बैंक बैलेंस बढ़ेगा और मकान व वाहन खरीदने की इच्छा भी पूरी होगी। नौकरी करने वालों को सूर्य-शनि की युति से अच्छा लाभ होगा, इस अवधि में करियर में अपनी छाप छोड़ने में सक्षम होंगे और सहकर्मियों व अधिकारियों के साथ संबंध मजबूत होंगे। वहीं व्यापार करने वालों को विदेश से नए अवसर मिलने की संभावना बन रही है। कन्या राशि वालों को इस अवधि में बेवजह के खर्चों से मुक्ति मिलेगी और अच्छा पैसा कमाने का मौका मिलेगा।

सूर्य-शनि की युति का तुला राशि पर प्रभाव

पित-पुत्र के इस युति से तुला राशि वालों को अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मजबूत होंगे और परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, जिससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। खुद का बिजनस करने वालों को इस अवधि में अच्छा फायदा होगा और आपका बिजनस दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की करेगा। पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ में जो भी परेशानी चल रही थीं, वे सूर्य और शनि की युति से दूर हो जाएंगी। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और कई प्रतिष्ठित लोगों के साथ आपकी जान पहचान भी बढ़ेगी, जिनसे भविष्य में अच्छा लाभ होगा।

सूर्य-शनि की युति का धनु राशि पर प्रभाव

सूर्य-शनि की युति धनु राशि वालों के लिए शुभ फलदायी रहने वाली है। इस दौरान धनु राशि वालों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और अगर आप कोई कानूनी मामला चल रहा है तो वह भी खत्म हो जाएगा। बच्चों के भविष्य की चिंता दूर होगी और भाग्य का साथ मिलने से हर कार्य सफल भी होंगे। लव लाइफ की बात करें तो इस अवधि में रिश्तों में आपसी समझ मजबूत होगी और लव पार्टनर के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा। नौकरी व कारोबार करने वालों को सूर्य-शनि की युति से अच्छा फायदा होगा और कार्यक्षेत्र में अपनी योजनाओं से छाप छोड़ पाने में सफल होंगे।

अगर आपको भी है बात-बात पर गाली देने की आदत, तो सुधर जाएं!

वरना अंजाम होगा बेहद खतरनाक!

कई बार ऐसा देखा जाता है कि कुछ लोगों को बात-बात पर गाली देने की आदत होती है और वह गाली देकर हंसी मजाक करते हैं। उन्हें लगता है कि यह बहुत अच्छी चीज है या फिर यह तो बस हंसी मजाक है। इससे क्या होगा, लेकिन ऐसा नहीं है, ज्योतिष शास्त्र में इसे नकारात्मक ऊर्जा का स्रोत कहा गया है। इससे व्यक्ति अपने पुण्य को अपने हाथों से खत्म करता है। ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे (रांची यूनिवर्सिटी से ज्योतिष शास्त्र में गोल्ड मेडलिस्ट) बताते हैं, 'कई बार लोग बात-बात पर गाली देने की आदत रखते हैं। ऐसे में उन्हें ऐसा भूलकर भी यह नहीं करना चाहिए। इससे राहु, शनि और हर एक ग्रह खराब होते हैं। ऐसा नहीं कि सिर्फ एक ही ग्रह खराब होगा। ऐसे में जो आपके पुण्य होते हैं वह धीरे-धीरे नाश होने लगते हैं।'

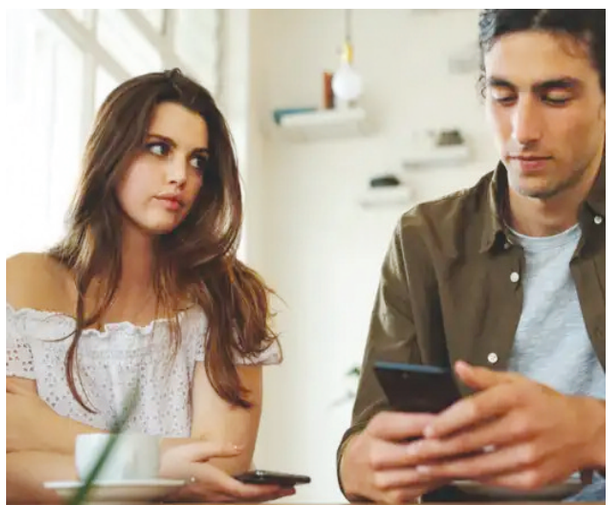

अगर यह आदत है तो आज ही सुधार लें

ज्योतिष आचार्य संतोष कुमार चौबे बताते हैं, 'आप अपने हाथों से पुण्य को खत्म करते हैं। क्योंकि गाली नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। ऐसे में अगर आप बात-बात पर यह नकारात्मक शब्द को निकालेंगे तो कहीं ना कहीं इसका प्रभाव आपके जीवन में पड़ेगा ही। वह अलग बात है कि लोग इसको समझते नहीं हैं, इसलिए कई बार कहा भी जाता है कि व्यक्ति को कम बोलना चाहिए, यूं ही दिनभर बोलते नहीं रहना चाहिए और आपने देखा होगा जो व्यक्ति बहुत अत्याधिक बोलते हैं, उनकी वैल्यू भी उतनी नहीं रहती। शब्द भगवान का आशीर्वाद होते हैं। बहुत सोच समझकर बोले जाते हैं और खासतौर पर अगर आप गाली देते हैं, तो फिर माता सरस्वती ऐसे व्यक्ति के जीवन से एकदम से चली जाती हैं। ऐसे में अज्ञानता उसके जीवन में छा जाती है।

शब्दों का चयन सोच समझकर करें

ज्योतिष आचार्य बताते हैं, 'व्यक्ति को शब्दों का चयन बड़ी ही सोच समझकर करना चाहिए। अगर आप कुछ बोल रहे हैं तो थोड़ा रुकिए आप क्या कह रहे हैं। इसे सामने वाले को ठेस तो नहीं पहुंचेगी, उसके बाद ही अपने मुंह से कुछ बातें निकालिए।अगर आप सोच समझकर और सकारात्मक बात बोलते हैं तो फिर आपके सब ग्रह अपने आप ही ठीक होते चले जाएंगे। आपको कोई विशेष अनुष्ठान की जरूरत नहीं पड़ेगी और जीवन में भी काफी सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे।

घर के मुख्य द्वार पर इन पौधों को लगाने से सुख-समृद्धि आने की है मान्यता

तुलसी का पौधा

वास्तु में तुलसी का पौधा पॉजिटिव एनर्जी का अच्छा स्रोत माना गया है। कहते हैं कि यह पौधा दिन और रात दोनों समय ऑक्सीजन छोड़ता है। घर के मुख्य द्वार पर तुलसी को लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। तुलसी का पौधा मां लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। कहते हैं कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां मां लक्ष्मी का स्थाई वास होता है।

जैस्मिन प्लांट

चमेली के पौधे को जैस्मिन प्लांट भी कहा जाता है। वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य द्वार के लिए चमेली का पौधा लकी होता है। इससे निकलने वाली भीनी-भीनी खुशबू सकारात्मकता को बढ़ाती है। इस पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाने से धन का आवक भी बढ़ता है।

फर्न का प्लांट

फर्न का प्लांट वास्तु में लकी माना गया है। कहते हैं कि इस पौधे को घर के मुख्य द्वार पर लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का प्रवेश होता है और यह गुडलक में वृद्धि करता है।

पाम ट्री

घर के मुख्य द्वार पर पाम ट्री लगाना शुभ माना गया है। कहा जाता है घर के मेनगेट पर पाम ट्री लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बढ़ता है और घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है।

इस मूलांक वालों को मिलेगा अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर

मूलांक 1- कम्प्यूटर कोर्स ज्वॉइन करने से पहले उसकी जानकारी अपने दोस्तों से लेंगे।

मूलांक 2- बच्चे आज आपसे पार्क जाने की जिद करेंगे, वहां खेल-कूद में उनका मन लगेगा।

मूलांक 3- राजनीति से जुड़े लोगों की किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात होगी।

मूलांक 4- छात्रों को प्रैक्टिकल में शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा, छात्र प्रोजेक्ट पूरा करने में सफल होंगे।

मूलांक 5- अगर आप ग्राफिक डिजाइनर है तो आज किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आएगा।

मूलांक 6- लवमेट आपसी अनबन को दूर करके रिश्ते की नई शुरुआत करेंगे, कहीं घूमने भी जाएंगे।

मूलांक 7- आज कॉमिक बुक पढ़ने में आप रूचि लेंगे, पूरा दिन आपका मनोरंजक रहेगा।

मूलांक 8- दांपत्य जीवन में सौहार्द बढ़ेगा, एक दूसरे के बीच की गलतफहमियां खत्म होंगी।

मूलांक 9- संतान की जीत से आपको खुशी मिलेगी, घर का माहौल अच्छा रहेगा।

ऐसे जान सकते हैं अपना मूलांक

उदाहरण के तौर पर यदि आपकी जन्म तारीख 02, 11, 20 और 29 है तो इस तरह आपका मूलांक 2 बनेगा। मूलांक निकालने का तरीका, यदि जन्म की डेट 11 तारीख है तो इसे 1+1 करने पर 2 आएगा।

'सिकंदर' ट्रेलर लॉन्च इवेंट में दिखा सलमान का न्यू लुक

पिता सलीम खान के साथ नजर आए, रश्मिका मंदाना-साजिद नाडियाडवाला सहित कई सितारे पहुंचे

सलमान खान की मच-अवेटेड एक्शन थ्रिलर फिल्म सिकंदर का रविवार को मुंबई में ट्रेलर लॉन्च इवेंट रखा गया। इस इवेंट में सलमान खान, पिता सलीम खान के साथ नजर आए। इसके अलावा इस इवेंट में रश्मिका मंदाना, शरमन जोशी, वरुण धवन की भतीजी अंजनी धवन, काजल अग्रवाल समेत फिल्म के डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदास और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला भी दिखाई दिए।

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे ये कलाकार

फिल्म में सलमान के अलावा रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी नजर आएंगे। ए. आर. मुरुगदास द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित यह फिल्म 30 मार्च को ईद के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में चढ़ा निक्की तंबोली का पारा

क्यों सोशल मीडिया यूजर्स करने लगे ट्रोल?

इन दिनों रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में कई टीवी कलाकार नजर आ रहे हैं। इन्हीं में से एक निक्की तंबोली भी हैं। वह शो में काफी अच्छा खाना बनाती हैं, जज भी उनकी तारीफ करते हैं। हाल ही में निक्की का एक प्रतियोगी से झगड़ा हो गया। क्या है, इस झगड़े की वजह? कौन है वो दूसरा प्रतियोगी? इस झगड़े की वजह से निक्की क्यों हो रही हैं सोशल मीडिया ट्रोलिंग का शिकार? कुछ दिन पहले भी 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें निक्की और टीवी अभिनेता गौरव खन्ना के बीच एक कुकिंग टास्क के दौरान बहस हुई। इस बहस में निक्की ने गौरव को असुरक्षित आदमी बता दिया था। इस बात पर गौरव ने भी

जवाब दिया था। गौरव ने कहा था कि ऐसा कहना निक्की की सोच को दिखाता है। इस बात से निक्की नाराज हो गईं। अब नए वायरल वीडियो में वह कह रही हैं, 'जब तक वो माफी नहीं मांगता है, मैं शो में नहीं आऊंगी।' यह बात निक्की, गौरव के लिए कह रही हैं।

यह वायरल वीडियो सोनीटीवीऑफिशियल पर भी पोस्ट किया गया है। इस पोस्ट में सोशल मीडिया यूजर्स गौरव खन्ना को सपोर्ट करते नजर आए। एक यूजर्स का कहना है, 'गौरव आपने अच्छा किया, अपने सम्मान के लिए बोलना बहुत जरूरी है।।' वहीं दूसरा यूजर्स लिखता है, 'गलती भी निक्की की और सॉरी भी उसे ही सुनना है, ये क्या बात हुई।'

दीपिका पादुकोण ने ऑस्कर्स को लगाई 'नाइंसाफी' पर लताड़

बॉलीवुड की सुपरस्टार एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने एकेडमी अवॉर्ड्स को कोसा है। एक्ट्रेस ने सीधे शब्दों में यह इशारा किया है कि क्या वाकई भारतीय फिल्मों को जानबूझकर दूर रखा जाता है? उन्होंने 'लापता लेडीज' जैसी बेहतरीन फिल्म को ऑस्कर नहीं मिलने पर नाराजगी जताई है और इसे 'नाइंसाफी' करार दिया है। दीपिका से पहले बीते दिनों कंगना रनौत भी ऑस्कर अवॉर्ड्स पर भड़क गई थीं। उन्होंने सधे हुए शब्दों में कहा था कि अमेरिका अपना सच कभी नहीं स्वीकार करता कि वह ऑस्कर सिर्फ अपने पास रखता है। कंगना ने यह भी कहा था कि अगर हॉलीवुड के पास ऑस्कर है, तो भारत में भी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार हैं।

किरण राव के डायरेक्शन में बनी 'लापता लेडीज' भारत की ओर से ऑस्कर 2025 के लिए ऑफिशियल एंट्री थी, लेकिन इसे नॉमिनेशन नहीं मिला। यह पहली बार नहीं है, जब कोई भारतीय फिल्म ऑस्कर जीतने से चूक गई। दीपिका पादुकोण ने इस हार पर खेद जताते हुए कहा है कि किसी अच्छी इंडियन फिल्म को ऑस्कर की रेस से बाहर कर देना पली बार नहीं हुआ है। भारतीय सिनेमा और भारतीय टैलेंट के साथ यह 'नाइंसाफी' बार-बार, कई बार हुआ है।

दीपिका पादुकोण पेरिस में फैशन ब्रांड 'लुई वुइटन' एक शो में हिस्सा लेने पहुंची हैं। रविवार, 23 मार्च की शाम को उन्होंने शो के लिए तैयार होते हुए अपना एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें उन्होंने ऑस्कर अवॉर्ड्स के बारे में बात की। याद दिलाया कि साल 2023 में एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के 'नाटू नाटू' को ऐतिहासिक जीत मिली थी। वीडियो में दीपिका पादुकोण कहती हैं कि इस साल के ऑस्कर 2025 में उन्हें बेस्ट एक्टर के लिए एड्रियन ब्रॉडी की जीत पर खुशी हुई। 'द ब्रूटलिस्ट' में एक्टर के काम की दीपिका ने खूब तारीफ की। इसी पर बात करते हुए वह आगे कहती हैं, 'भारतीय फिल्मों को कई बार ऑस्कर से वंचित किया गया है। एक नहीं, बल्कि कई बेहतरीन और योग्य फिल्मों को नजरअंदाज किया गया है।'

46 साल के इमरान ने ऐश्वर्या को बताया प्लास्टिक, मल्लिका को बैड किसर

एक्टर ने कहा था- महेश भट्ट ने मेरी हिट फिल्मों से खरीदा बड़ा घर

एक्टर इमरान हाशमी अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ विवादित बयानों को भी लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण' में इमरान बॉलीवुड की कई सेलिब्रेटी के बारे में विवादित बयान देकर चर्चा में आए थे।

उनके बयानों को लेकर काफी आलोचना हुई थी। इस पर इमरान ने एक इंटरव्यू में सफाई देते हुए कहा था कि वो सब बस एक मजाक था। सारी बातें शो में मजाक-मजाक में कही गई थीं। उन्होंने रैपिड फायर राउंड में हैंपर जीतने के लिए जल्दबाजी में ऐसे जवाब दिए थे।

आज इमरान हाशमी अपना 46वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं उनके जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्से और विवादित बयानों के बारे में

रणबीर कपूर को 'लेडीज मैन' बताया

एक्टर इमरान हाशमी ने करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में इंडस्ट्री के कई पर सेलिब्रेटी के बारे में अपनी बेबाक राय रखी। जिसको लेकर बाद में काफी विवाद हुआ था। इस शो में इमरान ने रणबीर कपूर को लेकर विवादित बयान में कहा था - अब 'लेडीज मैन' वाला खेल खेलना बंद करें। इतना ही नहीं, उन्होंने कैटरीना कैफ को सुझाव दिया था कि वे

रणबीर कपूर को छोड़ दें।

इमरान हाशमी ने जब ऐश्वर्या राय बच्चन को प्लास्टिक बताया था, उसे लेकर खूब बवाल मचा था। करण जौहर ने 'रैपिड फायर राउंड' में इमरान हाशमी से पूछा था कि 'प्लास्टिक' शब्द सुनकर उनके दिमाग में किस एक्टर या एक्ट्रेस का नाम आता है। इस पर इमरान हाशमी ने तुरंत ऐश्वर्या राय का नाम लिया था। इस पर ऐश्वर्या खासी नाराज हुई थीं। बाद में इमरान ने अपने इस बयान पर ऐश्वर्या से माफी भी मांगी थी। उनका कहना था कि वह रैपिड फायर राउंड जीतना चाहते थे, इसलिए जल्दबाजी में उन्होंने ऐश्वर्या का नाम ले लिया था।

इमरान हाशमी ने ऐश्वर्या राय बच्चन को सिर्फ प्लास्टिक ही नहीं बताया था, बल्कि उनको चुराने की भी बात कह दी थी। करण जौहर ने जब उनसे पूछा था कि वह अभिषेक बच्चन और सैफ अली खान से क्या चुराना चाहेंगे? इसके जवाब में इमरान हाशमी ने कहा था कि वह इनकी बीवियों यानी ऐश्वर्या राय बच्चन और करीना कपूर खान को चुरा लेंगे।

मल्लिका को बताया था बैड किसर

इमरान हाशमी ने अपनी को-एक्टर मल्लिका शेरावत को 'बैड किसर' बताया था। उन्होंने कहा था कि 'मर्डर' में मल्लिका के साथ किसिंग सीन करना अच्छा नहीं लगा था। इस बयान के बाद मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी के बीच अनबन की खबरें सामने आई थीं। माना जाता था कि इसके बाद से ही इन दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं और फिर ये दोनों कभी भी एक साथ नजर नहीं आए।

हालांकि, पिछले साल प्रोड्यूसर आनंद पंडित की बेटी की शादी के रिसेप्शन में इमरान और मल्लिका का रियूनियन हुआ। इस मुलाकात से दोनों के बीच सारे मनमुटाव खत्म हो गए।

इमरान ने दोबारा मल्लिका के साथ काम करने की इच्छा जताई थी।

सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं रिया चक्रवर्ती

सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई से क्लीन चिट मिलने के बाद परिवार के साथ किए दर्शन

रिया चक्रवर्ती को सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई से 22 मार्च को क्लीन चिट मिली। इसके बाद अब रिया सोमवार को फैमिली के साथ मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर दर्शन करने पहुंची। इस दौरान एक्ट्रेस के साथ उनके भाई और पिता भी मौजूद थे।

रिया पर सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप थे

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत का शव उनके बांद्रा स्थित घर में मिला था। इस मामले में पुलिस ने उनकी तथाकथित गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती को हिरासत में लिया था। उन पर सुशांत सिंह राजपूत को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगे थे। 22 मार्च को सुशांत की मौत के 4 साल 6 महीने बाद सीबीआई ने इस मामले पर क्लोजिंग रिपोर्ट दी। सीबीआई ने इन्वेस्टिगेशन में पाया कि सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाए जाने से जुड़े कोई सबूत नहीं मिले।

क्लीन चिट मिलने के बाद

रिया का सोशल मीडिया पर रिएक्शन सामने आया था

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के करीब डेढ़ महीने बाद 25 जुलाई 2020 को उनके पिता के.के. सिंह ने पटना में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उन्होंने रिया चक्रवर्ती पर सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए थे। शिकायत के अनुसार, सुशांत ने मौत से कुछ समय पहले ही अपनी बहन को कॉल पर बताया था कि रिया उनकी मेडिकल रिपोर्ट पब्लिक कर उन्हें पागल प्रूव करने की धमकियां देती हैं। सुशांत ने बहन से कहा था कि उन्हें डर है कि रिया उन्हें पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की डेथ के केस में फंसा देंगी। शिकायत में ये भी दावा किया गया कि सुशांत की मौत से एक दिन पहले रिया उनकी मेडिकल रिपोर्ट्स लेकर चली गई थीं। इस मामले की जांच में मनी लॉन्ड्रिंग और एक्टर्स के ड्रग लेने की जानकारी भी मिली थी। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 7 अगस्त 2020 को इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शौविक से पूछताछ की थी। वहीं ड्रग केस के मामले में 8 सितंबर को रिया और उनके भाई को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी का आधार रिया और शौविक की चैट थी, जिसमें उन्होंने ड्रग खरीदने और सप्लाई करने का जिक्र किया था। करीब 27 दिनों तक पुलिस हिरासत में रहने के बाद रिया चक्रवर्ती को 7 अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट से बेल मिल गई थी। वहीं शौविक को ड्रग केस में 3 महीनों तक जेल में रहना पड़ा था।

रिया और सुशांत की पहली मुलाकात साल 2013 में यशराज फिल्म्स की शूटिंग करते हुए हुई थी। रिया उस समय बैंक चोर में काम कर रही थीं और सुशांत शुद्ध देसी रोमांस में। दोनों की ही फिल्मों के सेट आसपास थे जिससे दोनों की दोस्ती हो गई। साल 2019 में रिया और सुशांत की वेकेशन की कुछ तस्वीरें सामने आई थीं जिनमें दोनों की लोकेशन इस बात की गवाह थी कि दोनों साथ हैं।

गजनी के सीक्वल पर काम करना चाहते हैं मुरुगदास

कहा- बेसिक आइडिया है, पूरी स्क्रिप्ट नहीं प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी जाहिर कर चुके हैं इच्छा

डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदास अपनी अपकमिंग फिल्म सिकंदर को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है। इसी बीच डायरेक्टर ने कहा है कि वह गजनी के सीक्वल पर भी काम करने की सोच रह हैं। मुरुगदास ने तमिल फिल्म गजनी के हिंदी वर्जन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

ए. आर. मुरुगदास ने हाल ही में पीटीआई से बातचीत में कहा, 'गजनी 2 पर काम करने के लिए सोच रहे हैं। हमारे दिमाग में कुछ है और हम बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो हम इसे बना सकते हैं। फिलहाल, मेरे पास एक बेसिक आइडिया है, पूरी स्क्रिप्ट नहीं है। अगर यह बनती है तो इसे तमिल और हिंदी दोनों में बनाया जाएगा।'

सीक्वल और प्रीक्वल फिल्मों में नई जान डालते हैं- डायरेक्टर

इस दौरान डायरेक्टर ने कहा, 'हॉलीवुड फिल्मों में अगर किरदार मर भी जाता है तो भी उसे फिर से बनाया जाता है। हमेशा प्रीक्वल की पॉसिबिलिटी बनी रहती है। गजनी में हमने एक ऐसा किरदार बनाया था, जिसकी याददाश्त चली गई थी और वह एक बहुत अमीर आदमी था।

इसलिए अगर हम चाहे तो कुछ नया कनेक्शन ला सकते हैं।' मुरुगदास का कहना है कि सीक्वल और प्रीक्वल फिल्मों में नई

जान डालते हैं। मुरुगदास से पहले पिछले महीने फिल्म गजनी के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद ने भी आमिर खान के साथ गजनी का दूसरा पार्ट बनाने की इच्छा जाहिर की थी।

फिल्म गजनी की कहानी संजय नाम के एक बिजनेसमैन पर आधारित है। जो अपनी मंगेतर कल्पना की हत्या करने वालों से बदला लेना चाहता है। फिल्म के तमिल और हिंदी दोनों वर्जन में कल्पना की भूमिका असिन ने निभाई है। फिल्म साल 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

वहीं, बात करें डायरेक्टर ए. आर. मुरुगदास की तो उनकी अपकमिंग फिल्म सिकंदर रिलीज 30 मार्च को रिलीज होगी। फिल्म को ईद के मौके पर रिलीज किया जा रहा है। इसमें सलमान खान, रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं।

इनके अलावा फिल्म में काजल अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी, प्रतीक बब्बर, अंजनी धवन और जतिन सरना भी हैं।

कुणाल कामरा को नहीं है कोई पछतावा

जया बच्चन ने भी दिया साथ, विवाद पर कहा- अभिव्यक्ति की आजादी कहां है?

स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने जो कुछ कहा, उस पर हर कोई अपनी राय रख रहा है। बाकी राजनीति पार्टियों के नेताओं की तरह अब एक्ट्रेस और सांसद जया बच्चन ने भी इस मामले पर बेबाकी से अपनी राय रखी और उनका सपोर्ट किया है। उन्होंने यहां अभिव्यक्ति की आजादी की बात भी कही है।

दरअसल, कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर अपने एक शो के दौरान कुछ ऐसा कमेंट किया, जिसके बाद वह विवादों से घिर गए। उनके लाइव शो के दौरान हैबिटेट कॉमेडी क्लब पर शिवसेना की युवा शाखा के सदस्यों ने हमला बोल दिया। शो को बंद करवा दिया और सेट पर तोड़फोड़ की। अब इस मामले में कार्रवाई में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जया बच्चन ने संसद के बाहर मीडिया से इस मुद्दे पर बात की।

उन्होंने ने कहा, 'अगर बोलने पर प्रतिबंध होगा तो आपका क्या होगा?

आप वैसे भी बुरी स्थिति में हैं। आप पर प्रतिबंध हैं। आपसे कहा जाएगा कि आप केवल कुछ विषयों पर ही बोलें और कुछ सवाल न पूछें। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहां है?'

जया बच्चन ने आगे कहा, 'कार्रवाई की स्वतंत्रता केवल तब होती है जब हंगामा होता है- विपक्ष को पीटना, महिलाओं के खिलाफ अपराध करना, लोगों की हत्या करना। और क्या? आपने (एकनाथ शिंदे) अपनी असली पार्टी छोड़ दी और सिर्फ सत्ता के लिए एक और पार्टी बना ली। क्या यह बालासाहेब का अपमान नहीं है?'

कुणाल कामरा को नहीं है पछतावा

खार पुलिस के सब-इंस्पेक्टर विजय के मुताबिक, हमला कुणाल कामरा के 'नया भारत स्पेशल' की रिलीज के बाद हुआ। कॉमेडियन के खिलाफ उनके कमेंट और तोड़फोड़ के लिए युवा विंग के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। और अब खबर है कि करीब 11 लोगों क गिरफ्तारी भी हुई है।

वहीं, कुणाल कामरा का कहना है कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। कोर्ट कहेगा तो वह माफी जरूर मांग लेंगे।

40 साल की अंकिता पर फिर भारी पड़ीं रुबीना दिलैक

वेस्टर्न भौजी ने उड़ाया गर्दा तो विक्की भैया भी बोले- वाह वाह

रुबीना दिलैक और अंकिता लोखंडे इंडस्ट्री में लंबे समय से हैं। दोनो ने कई हिट शोज किए हैं। फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं और फिलहाल ये 'लाफ्टर शेफ्स 2' में दिखाई दे रही हैं। जहां ये कभी साथ तो कभी आमने-सामने होती हैं। अब इनके बीच एक मुकाबला हुआ है, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है और लोगों ने वेस्टर्न भौजी को विजेता बता दिया।

दरअसल, 'लाफ्टर शेफ्स 2' का एक लेटेस्ट प्रोमो सामने आया है, जिसमें अंकिता लोखंडे और रुबीना दिलैक दो टीमों में बंटे हैं। देसी भौजी की टीम में एल्विश यादव-करण कुंद्रा, मन्नारा चोपड़ा-सुदेश लहरी और विक्की जैन हैं। वहीं, वेस्टर्न भौजी की टीम में राहुल वैद्य, समर्थ जुरेल-अभिषेक कुमार और कृष्णा अभिषेक-कश्मीरा शाह हैं। अब वीडियो में दोनों टीम के बीच कव्वाली हो रही है।

रुबीना दिलैक और अंकिता लोखंडे के बीच मुकाबला

रुबीना कहती हैं, 'सीईओ होने से पहले इन्टर्न होना चाहिए। इंडियन तो रेलवे भी होता है लेकिन भौजी वेस्टर्न ही होनी चाहिए।' ये सुनकर विक्की 'वाह-वाह' करते दिखाई दिए। और कृष्णा बोले- भौजी ने गर्दा उड़ा दिया। फिर जवाब में अंकिता ने कहा, 'मेरे हुस्न के आगे इस जहां में कोई और खूबसूरत क्या है?' राहुल ने पूछा कि क्या है? तो एक्ट्रेस बोलीं, 'जब एक भौजी पहले से ही थी तो दूसरी लाने की जरूरत क्या है?'

अंकिता लोखंडे पर भारी पड़ीं रुबीना दिलैक

अब इस वीडियो को देख हर कोई वेस्टर्न भौजी की तारीफ कर रहा है। 37 साल की रुबीना एक बार फिर 40 साल की अंकिता पर भारी पड़ गईं।

दो बेटियों की मां का हुस्न में तो पलड़ा भारी है ही। बातों में भी उनको कोई नहीं हरा सकता। एक ने लिखा, 'अंकिता की इन्सिक्योरिटी साफ पता चल रही है।' एक ने लिखा, 'वेस्टर्न भौजी।'

एक ने लिखा, 'वेस्टर्न भौजी ने कमाल कर दिया।' एक ने लिखा, 'वेस्टर्न भौजी से अंकिता भौज जल रही हैं।' एक यूजर ने लिखा, 'दो भौजी के बीच महायुद्ध।'

कमर में लगातार दर्द तो हो जाएं सावधान

सही इलाज से कंट्रोल की जा सकती है यह ऑटोइम्यून बीमारी

फिल्म मेकर और डायरेक्टर विक्रम भट्ट ने हाल ही में बताया है कि वह एक्सियल स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस नाम की ऑटोइम्यून बीमारी से जूझ रहे हैं। यह एक तरह का आर्थराइटिस है, जिसमें हड्डियां आपस में जुड़ने लगती हैं, जिससे शरीर में तेज दर्द होता है।

यह मुख्य रूप से रीढ़ की हड्डी यानी स्पाइन और कमर के जोड़ों को प्रभावित करता है। यही कारण है कि इसमें कमर में लगातार दर्द बना रहता है। इसका इलाज पूरी तरह संभव नहीं है, लेकिन इसके लक्षणों को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है।

आमतौर पर यह बीमारी 45 साल से पहले ही शुरू हो जाती है। कई बार इसके लक्षण किशोरावस्था में ही दिखने लगते हैं, कमर में अकड़न और दर्द होता है। यह दर्द इतना तेज हो सकता है कि रोज के कामकाज करना भी मुश्किल हो सकता है।

एक्सियल स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून डिजीज है। यह तरह का गठिया है, जिसके कारण रीढ़ की हड्डी और कमर के जोड़ों में सूजन और दर्द होता है। यह बीमारी आमतौर पर 45 साल से कम उम्र में शुरू होती है और कई बार कम उम्र में ही इसके लक्षण दिखने लगते हैं।

एक्सियल स्पॉन्डिलोआर्थराइटिस के लक्षण धीरे-धीरे विकसित होते हैं और आमतौर पर लंबे समय तक बने रहते हैं। ज्यादातर बीमारियों में सोने के बाद या आराम करने के बाद राहत मिलती है, जबकि इसमें समस्या बढ़ जाती है। इसमें शुरुआत में कमर और पीठ में दर्द होता है। जबकि लक्षण गंभीर होने पर सांस लेने में

मुश्किल होने लगती है और तेज रोशनी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

डॉ. राहुल जैन कहते हैं कि इसका पूरी तरह से इलाज संभव नहीं है, लेकिन सही ट्रीटमेंट और देखभाल से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इसके इलाज में मुख्य रूप से दर्द कम करने, सूजन रोकने की कोशिश की जाती है। साथ ही यह भी कोशिश होती है कि पेशेंट को एक्टिव रखा जाए। आमतौर पर इसके लिए कुछ दवाएं दी जाती हैं। इसमें फिजियोथेरेपी के साथ लाइफस्टाइल में बदलाव करने को भी कहा जा सकता है।

दवाएं- दर्द और सूजन को कम करने के लिए नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (NSAIDs) दिए जाते हैं।

इम्यूनिटी- अगर पेन किलर्स का नहीं करतीं तो इम्यूनिटी बूस्टर दी जा सकती हैं। इससे शरीर की इम्यूनिटी नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

फिजियोथेरेपी- एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग की सलाह दी जाती है। इससे रीढ़ की हड्डी को फ्लेक्सिबल रखने और अकड़न कम करने में मदद मिलती है।

लाइफस्टाइल में बदलाव- रोज 7-8 घंटे की पूरी नींद, सही पोश्चर में बैठने और स्मोकिंग छोड़ने से राहत मिलती है।

स्ट्रेस मैनेजमेंट- ज्यादा तनाव के कारण ऑटोइम्यून बीमारियां ट्रिगर होती हैं। इसलिए कम तनाव लें।

सर्जरी- कुछ मामलों में स्थिति बहुत गंभीर होने पर सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है।

अर्ली डिटेक्शन- इस ऑटोइम्यून डिजीज में अर्ली डिटेक्शन और सही ट्रीटमेंट से इसको लक्षणों को जल्दी और बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।

अगर किसी बीमारी की सटीक वजह नहीं पता है तो इससे पूरी तरह बचाव नहीं संभव होता है। हालांकि, इलाज के साथ नियमित एक्सरसाइज और योग करके इसके असर को कम किया जा सकता है। इसके लिए समय पर पता लगाना बहुत जरूरी है।

सही पॉश्चर जरूरी- पॉश्चर ठीक रखें। खासकर बैठते और खड़े होते समय पीठ सीधी रखें, इससे स्पाइन हेल्थ अच्छी बनी रहती है।

स्मोकिंग और शराब से बचें- सिगरेट और शराब के सेवन से इंफ्लेमेशन बढ़ सकता है। इससे लक्षण और खराब हो सकते हैं।

बैलेंस्ड डाइट लें- बोन हेल्थ के लिए कैल्शियम, विटामिन D और एंटी-इंफ्लेमेटरी फूड से भरपूर संतुलित डाइट लें।

भारत में किडनी डिजीज के मामले 16.38% तक बढ़े

भारत में किडनी डिजीज के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खासतौर पर 15 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों में इसके मामले कुछ ज्यादा ही तेजी से बढ़ रहे हैं। साल 2011-2017 के बीच किडनी डिजीज के मामले 11.2% बढ़े, जबकि साल 2018-2023 के बीच किडनी डिजीज के मामले 16.38% बढ़े।

हाल ही में फेमस जर्नल 'नेफ्रोलॉजी' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, क्रॉनिक किडनी डिजीज ग्रामीण इलाकों में ज्यादा गंभीर है। यहां 15.34% लोग इससे प्रभावित हैं। जबकि शहरों में 10.65% लोगों को किडनी से जुड़ी समस्याएं हैं।

इसके लिए हमारी खराब लाइफस्टाइल और जिंदगी में तमाम छोटी-छोटी गलत आदतें जिम्मेदार हैं। आमतौर पर जब हमें कोई ज्यादा मीठा खाने से टोकता है तो हम उसका मजाक बना देते हैं या हवा में उड़ा देते हैं, जबकि ऐसी ही आदतें ज्यादातर क्रॉनिक डिजीज का बड़ा कारण हैं। किडनी हमारे शरीर की लाइफलाइन है। अगर किडनी हेल्थ खराब हुई तो पूरे शरीर के सभी ऑर्गन खराब होने लगेंगे। इसलिए को डिजीज से बचें। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. रवि कुमार बता रहे हैं किडनी डिजीज क्या है-

हमारी छोटी-छोटी गलत आदतें ही किडनी की सेहत बिगाड़ रही हैं। डॉ. रवि कुमार कहते हैं कि ये इतनी छोटी हैं कि हम इन्हें अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। मान लीजिए अगर कोई लंबे समय तक पानी नहीं पी रहा है किडनी को पानी की मौजूदगी के बिना ब्लड फिल्टर करने में समस्या होती है। इससे ब्लड में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं और किडनी इन्फेक्शन होने लगते हैं। धीरे-धीरे दूसरे सभी ऑर्गन्स भी डैमेज होने लगते हैं।

जब हम पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं तो किडनी को टॉक्सिन्स को बाहर निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे शरीर में टॉक्सिन्स जमा होने लगते हैं। इसके कारण किडनी स्टोन और इन्फेक्शन हो सकता है। नमक में सोडियम ज्यादा होता है, जिसके कारण शरीर में पानी जमा होने लगता है। इससे ब्लड वॉल्यूम बढ़ जाता है और ब्लड प्रेशर हाई हो जाता है। हाई बीपी धीरे-धीरे किडनी की ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचाते हैं और डैमेज कर देते हैं। फास्ट फूड, पैकेज्ड स्नैक्स, पैकेज्ड जूस और सॉस में ज्यादा सोडियम,

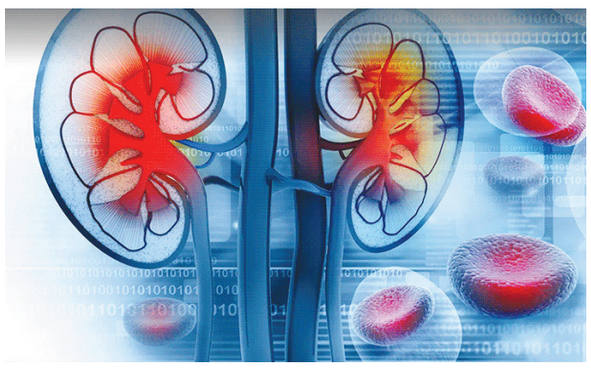

प्रिजर्वेटिव्स और कैमिकल्स होते हैं। इसके कारण किडनी पर एक्स्ट्रा लोड पड़ता है और धीरे-धीरे किडनी डैमेज होने लगती है।

अगर लंबे समय तक पेनकिलर खा रहे हैं तो किडनी की ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती हैं और किडनी का ब्लड छानने वाले नेफ्रॉन्स ब्लॉक होने लगते हैं तो किडनी के काम करने की क्षमता कम होने लगती है। ब्लड वेसल्स सिकुड़ने से ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इससे किडनी फेलियर का खतरा भी बढ़ जाता है।

ज्यादा चीनी खाने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है। इससे डायबिटीज होने की आशंका बढ़ जाती है। डायबिटीज किडनी फेलियर के सबसे बड़े कारणों में से एक है।

हमारी किडनी प्रोटीन के पाचन के दौरान बने टॉक्सिन्स को छानकर बाहर निकालती है। इसका मतलब है ज्यादा प्रोटीन खाने से किडनी को ज्यादा काम करना पड़ता है, उनका वर्कलोड बढ़ता है। अगर लंबे समय तक हाई प्रोटीन डाइट ले रहे हैं तो किडनी डैमेज का जोखिम बढ़ जाता है।

रात में सोते समय किडनी खुद को रिपेयर करती हैं और शरीर सेटॉक्सिन्स बाहर निकालती हैं। अगर पर्याप्त नींद नहीं ले रहे हैं यानी 7-8 घंटे नहीं सो रहे हैं तो यह प्रोसेस ठीक तरह से पूरा नहीं हो पाता है। इसलिए नींद पूरी नहीं होने से ब्लड प्रेशर और किडनी डिजीज का खतरा बढ़ जाता है।

तरबूज में है 91% पानी,नहीं बढ़ाता शुगर

गर्मियों में गला सूख रहा हो और मीठा-रसीला तरबूज मिल जाए तो क्या ही कहना। आमतौर पर लोग इसे स्वाद और मजे के लिए खाते हैं। जबकि यह सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

लगभग 5 हजार साल पहले अफ्रीका में पहली बार तरबूज उगाया गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह मिस्र और ग्रीस से होते हुए भारत पहुंचा। यहां तक कि मिस्र के पिरामिडों में भी तरबूज के अवशेष मिले हैं। तरबूज का 90% से ज्यादा हिस्सा पानी होता है, जिससे शरीर हाइड्रेटेड बना रहता है। इसलिए तरबूज को गर्मियों का सुपरफूड भी कहते हैं। तरबूज विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होता है। इससे हार्ट हेल्थ सुधरती है, वजन कंट्रोल में रहता है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। 100 ग्राम तरबूज में लगभग 30 कैलोरी होती हैं। इसका ज्यादातर हिस्सा पानी होता है। इसमें प्रोटीन और कार्ब्स के अलावा और क्या होता है, ग्राफिक में देखिए। तरबूज खाने में इतना रसीला होता है कि लोग समझते हैं इसमें सिर्फ पानी है। जबकि, यह कई जरूरी विटामिन्स और मिनरल्स का बेहतरीन सोर्स है। इसमें विटामिन C, विटामिन A और पोटेशियम भरपूर मात्रा में होता है। तरबूज खाने से सेहत को कई फायदे होते हैं। गर्मियों में यह शरीर को टेम्प्रेचर सामान्य रखने में मदद करता है। इससे इम्यूनिटी सुधरती है और स्किन हेल्थ भी इंप्रूव होती है। तरबूज में भरपूर मात्रा में विटामिन C होता है। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। यह शरीर को संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद करता है और कैंसर जैसी बीमारियों का जोखिम भी कम कर सकता है। एक मीडियम साइज के तरबूज के टुकड़े में 9-11% तक विटामिन A होता है। हमारी आंखों के लिए विटामिन A बहुत जरूरी है। इसलिए तरबूज खाने से आंखें स्वस्थ रहती हैं और नजर कमजोर होने का खतरा कम होता है। तरबूज में लगभग 91% तक पानी होता है। इसलिए तरबूज खाने से शरीर में पानी की कमी नहीं होने पाती है। गर्मियों में शरीर को अपेक्षाकृत ज्यादा पानी की जरूरत होती है। तरबूज खाने से पानी की ये जरूरत आसानी से पूरी हो सकती है। तरबूज में विटामिन A, B6 और C होता है। ये सभी विटामिन्स स्किन को कोमल और चमकदार बनाए रखते हैं। तरबूज पानी से भरपूर होता है, इसे फेस मास्क के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

प्रेग्नेंसी में शुगर बढ़ना बच्चे के लिए खतरनाक

मोटापा और डायबिटीज का जोखिम, कैसे कंट्रोल करें शुगर

क्या आपको पता है कि अगर प्रेग्नेंसी के दौरान आपको डायबिटीज होती है तो आगे चलकर आपके बच्चे को मोटापे का खतरा 52% तक बढ़ जाता है। ये आंकड़ा साइंटिफिक जर्नल पब्लिक लाइब्रेरी ऑफ साइंस (PLOS) में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है। वहीं नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, इन बच्चों को भविष्य में टाइप-2 डायबिटीज का खतरा 40% तक बढ़ जाता है। प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली डायबिटीज को जेस्टेशनल डायबिटीज कहते हैं। अगर आप पहले कभी डायबिटिक नहीं थीं और सिर्फ प्रेग्नेंसी के समय ही आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ा तो भी अब आपके बच्चे को इस बीमारी का रिस्क दूसरे बच्चों के मुकाबले कहीं ज्यादा है। क्या प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज होने पर डॉक्टर ने ये बात आपको बताई थी?

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी दुनिया में 14.7% महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान डायबिटीज यानी जेस्टेशनल डायबिटीज होती है। जबकि भारत में हर साल लगभग 50 लाख महिलाओं को जेस्टेशनल डायबिटीज होती है।

डॉ. हिमानी शर्मा के मुताबिक, मां का ब्लड शुगर लेवल बढ़ने से बच्चे को गर्भ में जरूरत से ज्यादा शुगर मिलती है। इससे उनका शरीर इसे जन्म से पहले ही स्टोर करना सीख जाता है। इसका सीधा असर बच्चे के दिमाग, मेटाबॉलिज्म और वजन पर पड़ता है। यही कारण है कि भविष्य में इन बच्चों को मोटापा और दूसरी लाइफस्टाइल, डिजीज अन्य बच्चों के मुकाबले ज्यादा होती हैं।

जेस्टेशनल डायबिटीज के कारण मां का ब्लड शुगर लेवल ज्यादा होता है। यह प्लेसेंटा यानी गर्भ में बच्चे को भोजन पहुंचाने वाली नली के जरिए बच्चे तक भी पहुंचता है। इसे प्रोसेस करने के लिए बच्चे का पैंक्रियाज ज्यादा इंसुलिन बनाना शुरू कर देता है। इससे उसका मेटाबॉलिज्म प्रभावित होता है और आगे चलकर टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम भी बढ़ जाता है।

डॉ. हिमानी शर्मा कहते हैं कि अगर मां को जेस्टेशनल डायबिटीज की शिकायत थी तो ये मानकर चलिए कि बच्चे को दूसरे बच्चों के मुकाबले भविष्य में मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम कहीं ज्यादा है। इसलिए सबसे पहली जिम्मेदारी मां की है कि अपने बच्चों को ऐसी डाइट, लाइफस्टाइल और रुटीन सिखाएं, जिससे उनके स्वस्थ रहने के चांस बढ़ें। इसके लिए ये उपाय अपना सकते हैं।

आम विटामिन A और C से भरपूर

गर्मियों के सुपरफूड की लिस्ट में आम का नाम कैसे छूट सकता है। आम को 'फलों का राजा' कहा जाता है। यह स्वाद के साथ पोषक तत्व से भी भरपूर होता है। आम विटामिन A और C का अच्छा स्रोत है। इसमें पर्याप्त फाइबर होता है, जिससे पाचन में मदद मिलती है। आम की खेती भारत में लगभग 5000 साल पहले शुरू हुई थी। संस्कृत में इसे 'आम्र' कहा जाता है। आम्र से ही हिंदी, मराठी, बंगाली, मैथिली में 'आम' शब्द बना है। पुर्तगाली लोग इसे 'मांगा' कहते थे, जिससे यूरोपीय भाषाओं में 'मैंगो' शब्द बना।

भारत विश्व में आम का सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां दुनिया का 41% आम उगाया जाता है। आम भारत का राष्ट्रीय फल भी है। आम भारतीयों के पसंदीदा फलों में से भी एक है।

100 ग्राम आम में लगभग 60 कैलोरी होती हैं। इसका ज्यादातर हिस्सा पानी होता है। इसमें प्रोटीन, कार्ब्स और फाइबर भी होता है।

आम विटामिन्स का अच्छा सोर्स है। इसमें पोटेशियम और कॉपर जैसे जरूरी मिनरल्स भी होते हैं।

आम खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इससे स्किन हेल्थ में सुधार होता है। इससे पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है। आम खाने से स्ट्रेस कम होता है और डिप्रेशन जैसी स्थिति से उबरने में भी मदद मिलती है। इससे मेंटल हेल्थ में सुधार होता है।

आम में फाइबर भरपूर होता है, जिससे पाचन में आसानी होती है। फाइबर से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे भूख कम लगती है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की आदत पर काबू पाया जा सकता है। यह कम कैलोरी में अधिक पोषण देने वाला फल है, जिससे वजन कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

आम में विटामिन A, C और E होते हैं, जो

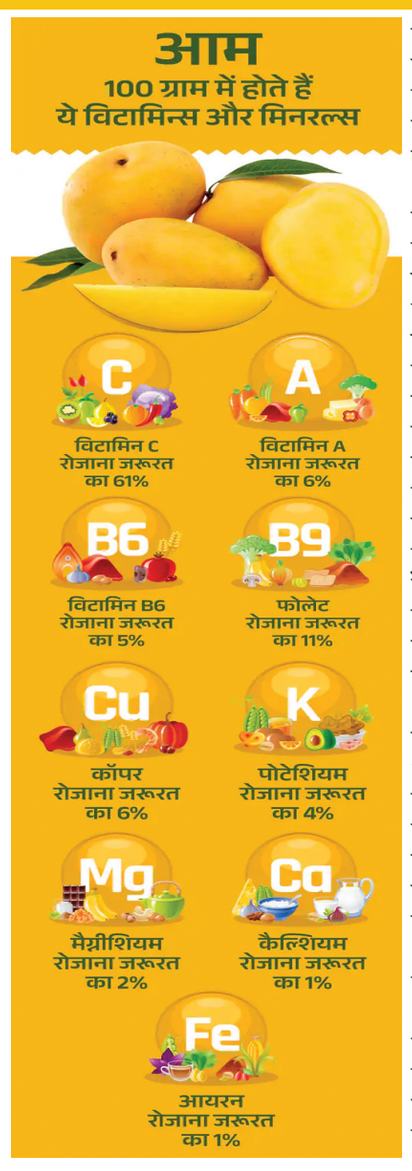

स्किन और बालों के लिए बेहद जरूरी हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट त्वचा को सन लाइट और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इन्हें सप्लिमेंट्स के रूप में लेने की बजाय प्राकृतिक रूप से आम के जरिए खाना फायदेमंद है।

आम में सॉल्यूबल फाइबर होता है, जो शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने में मदद करता है। इससे आर्टरीज में प्लाक जमा नहीं होता है और हार्ट हेल्थ भी अच्छी रहती है। आम पोटेशियम का अच्छा स्रोत है, जो शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम होता है और हार्ट संबंधी परेशानियों से बचाव होता है। आम में बीटा-कैरोटीन भरपूर मात्रा में होता है। इनकी मौजूदगी से ही आम का रंग पीला और नारंगी होता है। यह एक पावरफुल एंटीऑक्सिडेंट है, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स से लड़ने में मदद करता है। असल में फ्री रेडिकल्स हमारे शरीर की स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। आम में मौजूद सभी एंटीऑक्सिडेंट शरीर को कैंसर से बचाते हैं।

आम हार्ट को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं। इसमें मैग्नीशियम और पोटेशियम भरपूर मात्रा में होते हैं, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखते हैं और दिल की धड़कन को सामान्य बनाए रखते हैं। इसके अलावा आम में मैंगिफेरिन नामक एक खास तत्व पाया जाता है, जो हार्ट का इंफ्लेमेशन कम करने में मदद कर सकता है।

आम खाने से पाचन तंत्र बेहतर रहता है। इसमें एमाइलेज एंजाइम होते हैं, जो भोजन को आसानी से पचाने में मदद करते हैं। ये एंजाइम कॉम्प्लेक्स स्टार्च को तोड़ने में मदद करते हैं। इसके साथ आम में मौजूद डाइटरी फाइबर कब्ज से राहत दिलाते हैं और यह फाइबर सप्लिमेंट्स से भी ज्यादा प्रभावी हो सकता है।

तीन वर्षों से एक्जिमा रोग से परेशान हूं

प्रश्न : मेरी उम्र 36 वर्ष है। पिछले तीन वर्षों से एक्जिमा रोग से परेशान हूं। उपचार बताएं ।
- भरत शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : एग्जिमा को आयुर्वेद में ₹विचर्चिका₹ और सामान्य बोली में ₹छाजन₹ कहते हैं। यह त्वचा की ऊपरी परत की कोशिकाओं की शोथ की अवस्था है। यह त्वचा पर जीवाणु, विषाणु, फफूंद आदि के संक्रमण और दूसरे प्रतिक्रिया स्वरूप यानी अनुर्जता के कारण आ सकती है । यह सूखे और गीले रूप से दो प्रकार की होती है। सूखी दाद वर्षों पुरानी भी हो सकती है। यह ज्यादातर कांखों व जननेंद्रिय के आसपास ही पनपती है। आयुर्वेद में इसकी शमन व शुद्धि चिकित्सा की जाती है। स्नेहपान,स्वेदन, विरेचन, बस्ति,नस्य और रक्तमोक्षण जैसे कर्म करने से शरीर की पूरी शुद्धी हो जाती है। इसके बाद पंचतिक्त घृत 2 से 5 ग्राम की मात्रा में पिलाया जाता है। इसके बाद पंचनिंबादि चूर्ण, चोपचिन्यादी चूर्ण, गिलोय सत्व और मंजिष्ठादि चूर्ण को मिलाकर दिया जाता है। योगों में औरा एलेक्झी टिकिया, ऊंझा महामंजिष्ठादिघन टिकिया, ऊंझा गंधक रसायन टिकिया अति उपयोगी है । रस माणिक्य भी दिया जाता है। भोजन के बाद ऊंझा खदिरारिष्ट ,सारीवाद्यारिष्ट वह ऊंझा महामंजिष्ठादि क्वाथ प्रत्येक 10 -10 मिलीलीटर को दोगुने गुनगुने जल में भोजन के बाद कम से कम 3 महीने प्रयोग करें। चटपटे खाद्य पदार्थ, नमकीन, बासी भोजन का त्याग करें। कपड़े केवल सूती- काटन के ही पहने । अंतर्वस्त्र काटन के ही होना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 32 वर्ष है । काफी कमजोरी आ गई है। हमारे वैद्यजी कहते हैं की पांडु रोग हो गया है। यह क्या है? और इसको दूर करने के उपाय क्या है? कृपा कर बताएं।
- सदाशिव राव , करीमनगर

उत्तर : पांडु वह रोग है जिसमें रक्त में रक्त कणिकाओं की गुणात्मक और मात्रात्मक कमी होने से रोगी का रंग पीताभ हो जाता है। इसके पूर्व रूप में हृदय में अत्यधिक स्पंदन,(पल्पिटेशन) मुख का सूखना , पसीना कम आना, और शरीर में थकावट होना आदि होते हैं ।

इसके प्रमुख लक्षणों में : पीतभासता, भोजन के पचाने की शक्ति में कमी, भोजन में अरुचि, अत्यधिक लालास्राव, थकावट , कमजोरी, शरीर की कांति का ह्रास, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन, ज्वर, ठंडे पदार्थों से अरुचि, हाथ पैरों में दर्द व ऐंठन, शरीर में भारीपन, श्रम पर श्वासकष्ट आदि मिलते हैं । मोटी भाषा में इसे ₹एनीमिया₹ या खून की कमी भी का सकते हैं ।

ऊंझा मंडूर भस्म को शहद में मिलाकर चाटने से लाभ होता है। ऊंझा पुनर्नवादि मंडूर टिकिया, धात्री लोह टिकिया , आमलकी रसायन, लोहासव, पंचासव आदि का भोजन के बाद वैद्यकीय संरक्षण में प्रयोग खून की कमी को दूर करता है।

खट्टे व नमकीन पदार्थ, पचने में भारी भोजन , बहुत अधिक पानी पीना , धूप में फिरना, बहुत ज्यादा मेहनत करना ,अधारणीय वेगों का धारण करना आदि का पाण्डुरोग में निषेध है।

प्रश्न : मेरी उम्र 40 वर्ष है। पिछले 3 महीने से पीठ के दर्द से पीड़ित हूं। कृपया आयुर्वेदिक उपचार बताएं।
- विद्यासागर रेड्डी, खम्मम

उत्तर : पीठ का दर्द कई कारणों से हो सकता है। जन्मजात विकृतियां, उठने - बैठने के ढंग में खराबी, कमजोर मांसपेशियां, कंडराओं में अकड़न या सूजन, व्यायाम का अभाव, भोजन में पोषक तत्वों की कमी, बचपन में पीठ पर चोट लगना, वात बढ़ने आदि कारणों से पीठ में दर्द हो सकता है।

आप जिस स्कूटर या मोटरसाइकिल का प्रयोग करते हैं, यदि उसके नाक आब्जर्वर खराब हो गए हो तब भी कंधे व पीठ में दर्द संभव है। ज्यादा झुककर कार्य करना, एक हाथ से वजन उठाना, घंटों एक ही आसन में बैठे रहना भी पीठ दर्द को बढ़ा सकता है।

पीठ पर रूमेटाइज ऑयल या ऊंझा महानारायण तेल की मालिश करें । रुमाटाइज टिकिया, महायोगराज गुग्गुलु, ऊंझा वातगजंकुश रस की टिकिया दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। ऊंझा अश्वगंधारिष्ट व दशमूलारिष्ट 10-10 मिलीलीटर दवा को पानी में मिलाकर भोजन के बाद लेवें।

नित्य हल्का व्यायाम करें, टहले, वह सदा प्रसन्न चित्त रहें, गरिष्ठ भोजन, वातकारक आहार, कंदमूल (आलू, रतालू, अरबी, मूली, शलजम आदि) का सेवन, रात्रि जागरण ना करें । बासी भोजन व ठंडे पेय पदार्थ, आइसक्रीम आदि के सेवन से बचें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा
email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

क्या बंद हो सकती है सरकारी स्कीम्स सरकार करने जा रही है समीक्षा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। एक हफ्ते के बाद से नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा।जिसमें कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे।खास बात तो ये है कि केंद्र सरकार अपनी कल्याणकारी योजनाओं का रिव्यू भी इसी वित्त वर्ष में करने जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट में एक सीनियर अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि सरकार आगामी वित्त वर्ष में सभी केंद्रीय और केंद्र प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा करेगी, जिसमें खर्च की गुणवत्ता, फंड्स के उपयोग और प्रत्येक योजना के परिणाम पर जोर दिया जाएगा।ये रिव्यू नए वित्त आयोग के साइकिल से पहले हर पांच साल में किया जाता है – जिसका उद्देश्य अनावश्यक योजनाओं को समाप्त करना और फंड्स के उपयोग को अनुकूलित करना है।

रिव्यू के ये होंगे पैरामीटर

रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि वैल्यूएशन में कई पैरामीटर शामिल होंगे, जिसमें यह भी शामिल है कि क्या कोई योजना अपने उद्देश्य को पूरा कर रही है या समान राज्य-स्तरीय योजनाओं के साथ ओवरलैप कर रही है, "और यह भी कि क्या छोटी योजनाओं को मिलाया जा सकता है या चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जा सकता है।व्यक्ति ने कहा कि समीक्षा इस बात पर भी केंद्रित होगी कि योजनाओं के कार्यान्वयन में राज्यों ने कैसा प्रदर्शन किया है।प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, व्यय विभाग ने इन योजनाओं को लागू करने वाले नोडल मंत्रालयों से सुझाव मांगे हैं। अधिकारी ने कहा कि हमें सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं के लिए कुछ उपयोगी सुझाव मिले हैं।

अप्रैल से सामने आ सकती है रिपोर्ट

विभाग ने नीति आयोग से उन क्षेत्रों की पहचान करने को भी कहा है जहां राज्यों की योजनाएं केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के समान हैं।

आधिकारिक थिंक टैंक अप्रैल तक एक रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकता है, जिसमें वित्त आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले योजनाओं को उनके मौजूदा स्वरूप में जारी रखने, संशोधित करने, बढ़ाने, घटाने या बंद करने की आवश्यकता पर सिफारिशें होंगी।अधिकारी ने कहा कि व्यय विभाग वित्त आयोग के सामने प्रस्तुत करने से पहले आयोग और विभिन्न मंत्रालयों से फीडबैक पर विचार करेगा।

कितना है सीएसएस का बजट

प्रमुख सीएसएस यसेजनाओं में आयुष्मान भारत – प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए), प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी और पीएमएवाई-ग्रामीण, जल जीवन मिशन (जेजेएम) और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) शामिल हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2015 में सीएसएस के युक्तिकरण पर मुख्यमंत्रियों के एक उप-समूह का गठन किया और योजनाओं की संख्या 130 से घटाकर 75 कर दी गई।केंद्र ने 2025-26 के लिए सीएसएस के लिए 5.41 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा है।चालू वित्त वर्ष में केंद्र ने 5.05 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा था, जिसे बाद में संशोधित कर 4.15 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।

लॉजिस्टिक्स की लागत देश की आर्थिक तरक्की की राह में रोड़ा: गडकरी

नई दिल्ली,24 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी खुलकर अपनी बात रखते हैं। उन्होंने अर्थव्यवस्था के तमाम पहलुओं पर अपनी राय साझा की है। वह मानते हैं कि लॉजिस्टिक्स की लागत अर्थव्यवस्था के सामने एक बड़ी समस्या है। यह लागत 14-16 फीसदी है। इसे घटाकर 9 फीसदी तक लाने की जरूरत है। गडकरी ने यह भी कहा है कि अगले दो सालों में भारत की कृषि विकास दर 20 फीसदी रहने की उम्मीद है। केंद्र सरकार की पहली प्राथमिकता कृषि क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना और ज्यादा नौकरियां पैदा करना है। गडकरी ने ये बातें हाल में एन निजी चैनल के एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि देश की लगभग 65 फीसदी आबादी गांवों में रहती है। लेकिन, वे विकास में केवल 12 फीसदी का योगदान करते हैं। भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और दुनिया में तीसरा स्थान हासिल करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि बहुत महत्वपूर्ण हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि सरकार सिंचाई क्षेत्र को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। हमें दुनिया की सबसे सफल तकनीक की जरूरत है। कृषि अर्थव्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र में अधिक नौकरियां पैदा करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि 3 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं के साथ 36 ग्रीन हाईवे बनाए जा रहे हैं, जो बंदरगाहों को जोड़ेंगे। इससे देश में लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद मिलेगी।गडकरी ने कहा कि अर्थव्यवस्था के सामने बुनियादी समस्या लॉजिस्टिक्स की लागत है, जो 14-16 फीसदी है। हमें इसे 9 फीसदी तक लाने की जरूरत है। अच्छी सड़कें और वैकल्पिक ईंधन लागत को कम करेंगे। इससे निर्यात 1.5 फीसदी तक बढ़ जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी समस्या संसाधनों की नहीं, बल्कि खर्च की है। एक तरह से केंद्रीय मंत्री लॉजिस्टिक्स की लागत को देश की आर्थिक तरक्की की राह में रोड़ा मानते हैं। गडकरी ने कहा कि भारत चीन की प्रतिस्पर्धा का मुकाबला कर सकता है।

विदेशी निवेशकों के लौटने से झूमा बाजार

सेंसेक्स 1079 अंक चढ़ा, निफ्टी 23650 के पार

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक लगातार छठे दिन हरे निशान पर बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,078.87 अंक या 1.40 प्रतिशत उछलकर छह सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,984.38 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,201.72 अंक या 1.56 प्रतिशत बढ़कर 78,107.23 अंक पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 307.95 अंक या 1.32 प्रतिशत बढ़कर 23,658.35 अंक पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान बेंचमार्क 358.35 अंक या 1.53 प्रतिशत बढ़कर 23,708.75 अंक पर पहुंच गया। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एसबीआई और एनटीपीसी के शेयरों में चार-चार प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।शेयर बाजार में तेजी विदेशी फंड प्रवाह और बैंकिंग और तेल व गैस शेयरों में खरीदारी के कारण आई। इससे बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। जानकारों के अनुसार, अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख से घरेलू शेयर बाजारों में तेजी आई। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फाइनेंस में सर्वाधिक लाभ रहा। टाइटन, इंडसइंड बैंक, जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, नेस्ले और इंफोसिस पिछड़ गए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 7,470.36 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। बीते हफ्ते मासिक एफएंडओ समाप्ति से पहले शॉर्ट कवरिंग ने तेजी को बढ़ावा दिया। इस दौरान, सेंसेक्स चौतरफा खरीदारी के कारण दिन के कारोबार के दौरान 78 हजार का मनोवैज्ञानिक स्तर पार करने में सफल रहा।मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, ₹विदेशी निवेशकों की नई आशावादिता तथा अमेरिका और यूरोपीय बाजारों के मजबूत संकेतों से धारणा को और बल मिला।₹ एशियाई बाजारों में शंघाई और हांगकांग में तेजी रही जबकि सियोल और टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार हरे निशान में बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 0.07 प्रतिशत बढ़कर 72.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया। सोमवार तक छह दिनों की तेजी में सेंसेक्स 4,100 अंक या 5 प्रतिशत से अधिक चढ़ चुका है। यह बढ़त एफआईआई की बिकवाली कम होने के कारण आई है। 17 मार्च से अब तक निफ्टी 1,260 अंक या 5.5 प्रतिशत चढ़ चुका है। सोमवार को केवल शेयर बाजार में ही मजबूत बढ़त नहीं दिखी, रुपया भी 2025 में हुआ अपना पूरा नुकसान पाटकर बंद हुआ।

एक साल में अडानी के डूबे 3.4 लाख करोड़, किसने पहुंचाया सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025 अडानी ग्रुप के लिए काफी उतार चढ़ाव वाला रहा।ग्रुप की कंपनियों के शेयरों में काफी गिरावट देखने को मिली।इस गिरावट का प्रमुख कारण अमेरिका में लगे आरोप हैं।जिसे अडानी ग्रुप ने कभी स्वीकार नहीं किया।उसके बाद भी निवेशक अडानी ग्रुप के शेयरों के प्रति सतर्क रहे।शेयर बाजार के आंकड़ों को देखें तो अडानी ग्रुप के मार्केट को वित्त वर्ष 2025 में 21 फीसदी या 3.4 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।रिपोर्ट के अनुसार अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों को सबसे ज़्यादा नुकसान हुआ है, इस साल उनके बाजार पूंजीकरण का लगभग आधा हिस्सा खत्म हो गया है, इसके बाद अडानी एंटरप्राइजेज का स्थान है।आइए आपको भी बताते हैं अडानी ग्रुप की किस कंपनी को कितना नुकसान हुआ है।

इस कंपनी को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

शुक्रवार, 21 मार्च तक, अडानी ग्रीन एनर्जी का कुल बाजार मार्केट कैप 1.46 लाख करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2024 के आखिरी कारोबारी दिन 28 मार्च, 2024 को कंपनी का मार्केट कैप 2.90 लाख करोड़ रुपए देखने को मिला था।इसका मतलब है कि कंपनी के मार्केट कैप में करीब 50 फीसदी का नुकसान हो चुका है।जानकारी के अनुसार यह शेयर कथित तौर पर 265 मिलियन डॉलर की रिश्वतखोरी योजना के कारण चर्चा में रहा है, जिसमें गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी और अन्य आरोपी हैं, और कंपनी को प्रत्यक्ष लाभार्थी के रूप में देखा जा रहा है।

सुर्खियों में रहे अडानी ग्रुप के शेयर

वित्त वर्ष 2025 में अडानी स्टॉक में गिरावट के लिए कई फैक्टर्स को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें व्यापक शेयर बाजार की कमजोरी भी शामिल है।31 मार्च, 2025 को

समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में भारतीय इक्विटी बाजार को व्यापक आर्थिक चुनौतियों, कमजोर शहरी खपत और ट्रम्प टैरिफ के आसपास अनिश्चितता सहित जियो पॉलिटिकज रिस्क का सामना करना पड़ रहा है।नीतिगत अनिश्चितताओं और बढ़ती वैश्विक ब्याज दरों के कारण रिन्युएबल और गैस जैसे सेक्टर्स में वैल्यूएशन में सुधार देखा गया है, जिसने कैपिटल इंटेंसिव बिजनेस को प्रभावित किया है।शेयरों पर विदेशी संस्थागत निवेशकों का भी असर पड़ा है, जिन्होंने भारतीय इक्विटी बेचने पर दोगुना जोर दिया है।उन्होंने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त होने वाली तीन तिमाहियों में अडानी समूह के छह शेयरों में अपनी हिस्सेदारी कम की.अडानी ग्रुप के शेयर रेगुलेटरी इश्यूज की वजह से भी सुर्खियों में रहे।हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में पूर्व सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच को अडानी परिवार से संबंधित ऑफशोर कंपनियों से जोड़ा गया, जिसने इस वित्त वर्ष में काफी सुर्खियां बटोरीं।अरबपति गौतम अडानी पर "कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला" चलाने का आरोप लगाने के डेढ़ साल बाद, हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक और बड़ा दावा किया, जिसमें कहा गया कि बुच के पास ग्रुप से जुड़े ऑफशोर फंड्स में हिस्सेदारी थी।वहीं दूसरी ओर कंपनी पर अमेरिकी कोर्ट में रिश्वत के भी आरोप लगे।वैसे अडानी ग्रुप ने इन तमाम आरोपों से किया किया और नकार दिया।

भारत की जीडीपी 10 साल में दोगुना : 105 फीसदी की वृद्धि; अमेरिका-चीन को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)।भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 10 साल में बढ़कर दोगुना हो गया है। खास बात है कि 2015 से 2025 की अवधि में जीडीपी के बढ़ने की रफ्तार 105 फीसदी रही है, जो अमेरिका और चीन जैसी दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में काफी तेज है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा को ष (आईएमएफ) के आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय जीडीपी का आकार 2015 में 2.1 लाख करोड़ डॉलर था, जिसके 2025 में बढ़कर 4.3 लाख करोड़ डॉलर पहुंचने का अनुमान है। यह करीब 105 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। 10 साल की इस अवधि में अमेरिका की जीडीपी का आकार 18.3 लाख करोड़ डॉलर से 66 फीसदी बढ़कर 30.3 लाख करोड़ डॉलर होने का अनुमान है। चीन की अर्थव्यवस्था 11.1 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 19.5 लाख करोड़ की हो जाएगी, जो 76 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है।

इसी साल जापान और 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देगा भारत

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसकी प्रमुख वजह नीतियों में साहसिक सुधार, मजबूत आर्थिक बुनियाद और व्यापार सुगमता है। इस तेज रफ्तार के दम पर भारत 2025 में जापान और 2027 में जर्मनी से बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

जेफ बेजोस और लॉरेन सांचेज की शादी में अतिथियों की लिस्ट तैयार, क्या गेस्ट लिस्ट में मस्क हैं शामिल?

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस और उनकी मंगेतर लॉरेन सांचेज शादी के बंधन में बंधने वाले हैं।उन्होंने मेहमानों को शादी का न्योता देना भी शुरू कर दिया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस हाई प्रोफाइल शादी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड से लेकर रियलिटी टीवी स्टार किम कार्दशियन और टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क भी शामिल होने वाले हैं।

मस्क और बेजोस की नोकझोंक

एलन मस्क और जेफ बेजोस अपनी-अपनी स्पेस कंपनी स्पेसएक्स और ब्लू ओरिजिन को लेकर एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी हैं।दोनों के बीच इस नोकझोंक की झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिलती है।हालांकि, बावजूद इसके दोनों एक-दूसरे की सराहना

भी करते हैं।जनवरी में एलन मस्क ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट से एक मीम शेयर किया, जो कॉमेडी फिल्म 'स्टेप ब्रदर्स' का सीन था।

इसके कैप्शन में उन्होंने जेफ बेजोस को टैग करते हुए लिखा था, "यह जेफ बेजोस और मेरे लिए बिल्कुल सही मीम है." बेजोस ने मस्क और उनकी कंपनी स्पेसएक्स को बधाई दी जब उनका सुपर हैवी रॉकेट बूस्टर ने धरती पर सफलतापूर्वक लैंडिंग की।

सोने के दाम में गिरावट, चांदी महंगी

सोना 324 गिरकर 87,845 पर आया, चांदी 97,638 प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 24 मार्च को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 324 रुपए गिरकर 87,845 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 88,169 रुपए पर था। 20 मार्च को सोने ने 88,761 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।हालांकि, एक किलो चांदी की कीमत आज 18 रुपए बढ़कर 97,638 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,620 रुपए प्रति किलो था। चांदी ने पिछले हफ्ते 17 मार्च को 1,00,400 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,770 रुपए है। **मुंबई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,620 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 82,150 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 89,620 रुपए है। **चेन्नई :** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,620 रुपए है।**भोपाल:** 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 82,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 89,670 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 90,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 82,700 रुपये है।

चार वर्षों में 90 लाख से अधिक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल

सरकार को 9118 करोड़ रुपये की आमदनी

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों ने पिछले चार वर्षों में 90 लाख से अधिक अपडेटेड रिटर्न दाखिल किए गए। इससे सरकार को 9,118 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आमदनी हुई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में इसकी जानकारी दी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने 2022 में करदाताओं को संबंधित मूल्यांकन वर्ष से 2 साल तक अपडेटेड आयकर रिटर्न दाखिल करने का विकल्प पेश किया था, जिसमें अतिरिक्त आयकर का भुगतान करना होता है। वित्त विधेयक, 2025 के माध्यम से सरकार ने अपडेटेड रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा को संबंधित मूल्यांकन वर्ष से 4 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है।

बिजनेस के लिए 50 लाख तक का लोन

पीएम एम्पलॉयमेंट जेनरेशन प्रोग्राम में बिना गारंटी 10 लाख तक का कर्ज, जानें क्या है स्कीम

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। यदि आप खुद का छोटा बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं तो प्रधानमंत्री एम्पलॉयमेंट जेनरेशन प्रोग्राम लोन योजना की मदद ले सकते हैं। पीएमईजीपी एक क्रेडिट-लिंक्ड सब्सिडी स्कीम है। इसके तहत मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 50 लाख रुपए तक और सर्विस सेक्टर में 20 लाख रुपए तक की लागत वाले प्रोजेक्ट के लिए लोन दिया जाता है। इसमें प्रोजेक्ट की कुल लागत का 5% का इंतजाम व्यवसाय शुरू करने वाले को खुद करना पड़ता है। शेष राशि बैंक लोन के तौर पर मिलती है। 5 वित्त वर्षों (2021-22 से 2025-26) के लिए के लिए 13,554 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इस प्रोग्राम के तहत ग्रामीण इलाकों के लाभार्थी को 35% और शहरी क्षेत्र में 25% सब्सिडी मिलती है। 10 लाख रुपए तक के लोन के लिए किसी भी तरह की गारंटी की जरूरत नहीं होती है। इस स्कीम का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी इलाकों में पारंपरिक कारीगरों और बेरोजगार युवाओं को एक साथ लाना और छोटे बिजनेस की स्थापना के माध्यम से स्वरोजगार के मौके पैदा करना है, ताकि ग्रामीण युवाओं का शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन रोकने में मदद मिल सके। राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना को खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) लागू कर रहा है। यह एमएसएमई मंत्रालय के तहत काम करने वाला एक वैधानिक संगठन है, जो एकमात्र नोडल एजेंसी के रूप में काम करता है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	मे	मीन....	05-48 बजे
चंद्र-	मकर	मे	मेष---	07-22 बजे
मंगल	मिथुन	मे	वृष---	09-08 बजे
बुध-	मीन	मे	मिथुन..	11-08 बजे
गुरु-	वृष	मे	कर्क....	13-20 बजे
शुक्र-	मीन	मे	सिंह---	15-32 बजे
शनि-	कुंभ	मे	कन्या---	17-40 बजे
राहु-	मीन	मे	तुला----	19-44 बजे
केतु-	कन्या	मे	वृश्चिक...	21-54 बजे
			धनु.....	00-07 बजे
			मकर...	02-14 बजे
			कुंभ....	04-04 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • बसंत
महावीर निर्वाण संवत •2051, हिजरी सन् •1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-19 सूर्यास्त - 18-24
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् •5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् •1972949125
सृष्टि प्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल •• उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी 03-45 तक उपरान्त द्वादशी
मास • चैत्र कृष्ण ,मंगलवार 25 March
नक्षत्र • श्रवण 03-49 तक उपरान्त धनिष्ठा
योग • शिव 14-52 तक उप सिद्ध
करण- बव 16-31 तक उप बालव
विशेष:- पापमोचिनी एकादशी व्रत
व्रत •त्योहार • स्मार्थ (गृहस्थ के लिए)

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:56 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग.	06:19 - 07:49	अशुभ	काल	18:24 - 19:56	अशुभ
उत्पात	07:49 - 09:20	अशुभ	लाभ	19:56 - 21:24	शुभ
चंचल.	09:20 - 10:51	शुभ	उत्पात	21:24 - 22:53	अशुभ
लाभ.	10:51 - 12:22	शुभ	शुभ.	22:53 - 00:22	शुभ
अमृत	12:22 - 13:53	शुभ	अमृत	00:22 - 01:50	शुभ
काल	13:53 - 15:24	अशुभ	चंचल	01:50 - 03:19	शुभ
शुभ.	15:24 - 16:56	शुभ	रोग	03:19 - 04:48	अशुभ
रोग	16:56 - 18:24	अशुभ	काल	04:48 - 06:19	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,): आज आप खर्चीले साबित हो सकते है ! आपकी अवचेतन अवस्था आध्यात्मिक संदेशो के द्वारा निर्देशित हो सकती है जिस में आप फस सकते हो , सुझाव व उपायों में कोई खराबी नहीं है ,परन्तु अपनी बचत को खाली कर के नहीं । तथ्यात्मक यह सब अच्छा नहीं होगा, बस धैर्य रखने की जरुरत है और चीजे धीरे-धीरे ठीक होनी शुरू हो जाएंगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,): आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है। आपका परिश्रम आज फल दे सकता है , लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे । ज्यादा स्वच्छंद और अनुमानित न हो और उस तरह से आप सबके साथ एक अच्छे तरीके से कार्य कर पाएंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,): आप अपने समकक्षों के साथ भागीदारी प्राप्त करने के लिए कठिन प्रयास कर रहे है और आज आपकी यात्रा एक संतोषजनक स्थिति पर समाप्त होगी ! आप उस पुरस्कार राशि के लाभार्थी हो सकते है जो इस साझेदारी का नतीजा है । आपका एक करीबी सहयोगी आपको अपना समर्थन देने के लिए विशेष शब्दों के साथ आपका धन्यवाद कर आपको सम्मानित कर सकता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं। ऐसी स्थितियों से दूर रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा , इसका अर्थ है की आज कुछ अनावश्यक खर्चो पर आप बचत कर पायेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आपको अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित कार्य में अपने मित्रो और सहकर्मियों से सहायता मिल सकती है । आप उनको अपना आभार देना न भूले और बदले में आप भी समय पड़ने पर उनकी सहायता करे । धन एवं नकदी प्रवाह में सुधार आयेगा । इस दिन आपको अपने अनावश्यक खर्चो पर भी लगाम लगानी होगी क्योंकि आप अछा कमाएंगे पर साथ साथ आपके खर्चे घटाने आपके लिए मुश्किल होंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आप अपने कार्य स्थल की जिंदगी में अपने आप को फंसा हुआ महसूस करेंगे ।आपने अपने लिए उस कार्य क्षेत्र या करियर की कल्पना नहीं की थी जिसमे आप अभी कार्य कर रहे है । आप अपने जुनून को पाने के लिए अचानक अपनी नौकरी का त्याग कर सकते है , हालाँकि ग्रहो के विपरीत प्रभाव के कारण ये समय निर्णय लेने का नहीं है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): यह आप के लिए एक महान दिन है! आप दूसरों को अपने विचारों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए इस अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे । हो सकता है की आपकी मासूमियत और ईमानदारी, व्यंग्य और आक्रामकता के रूप में लोगो को लगे क्यों की लोग आप से ज्यादा परिचित नहीं हैं। इसलिए सावधान रहे क्यों की हो सकता है , स्थितिया उस अनुपात में आपका साथ न दे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,): आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले । आप अपने पुराने निवेश पर ब्याज मिलने से हैरान हो सकते है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

विधानसभा में राष्ट्रपति बोलीं- छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव

मुर्मू ने कहा, 5-6 बार आई, यहां के लोग अच्छे, इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं

रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा छत्तीसगढ़ से मुझे लगाव है। मैं 5-6 बार यहां आ चुकी हूं।

यहां के लोग बहुत अच्छे हैं। इसलिए छत्तीसगढ़िया सबसे बढ़िया कहते हैं। आप जैसे बरगढ़, संबलपुर को छत्तीसगढ़ का हिस्सा समझते हैं, हम भी रायपुर को ओडिशा का हिस्सा समझते हैं। राष्ट्रपति बोलीं, परिसीमन की सीमा है, लेकिन दिल की कोई दीवार नहीं है। दिल से हम सब एक। चाहे छत्तीसगढ़ हो या ओडिशा हो। राष्ट्रपति ने ये बातें विधानसभा के रजत जयंती कार्यक्रम के मौके पर कही। इससे पहले उन्होंने जय जोहार कहकर अपने भाषण की शुरुआत की थी।

इससे पहले स्पीकर रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में टोनही प्रताड़ना, खाद्य सुरक्षा सहित अब तक 565 विधेयक पारित हो चुके हैं। विधानसभा में सदस्यों की संख्या 90 है। इनमें अनुसूचित जनजाति के 30, अनुसूचित जाति के 10, ओबीसी के 35 सदस्य, सामान्य वर्ग के 15 और महिला सदस्यों की संख्या 19 है।

हाईकोर्ट ने निलंबन अवधि को ड्यूटी माना

वनपाल की याचिका पर सुनवाई, शासन का शत-प्रतिशत वसूली का आदेश रद्द

बिलासपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कर्मचारी के निलंबन अवधि को ड्यूटी का हिस्सा माना है। साथ ही राज्य शासन के शत-प्रतिशत वसूली के आदेश को खारिज कर दिया है। रायगढ़ वन मंडल में वनपाल पद पर कार्यरत दिनेश सिंह राजपूत ने इस मामले में रिट याचिका दायर की थी। जस्टिस बीडी गुरु की सिंगल बेंच ने याचिका पर सुनवाई की। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए निलंबन अवधि को ड्यूटी का हिस्सा माना।

जस्टिस गुरु ने अपने फैसले में कहा कि अनुशासनात्मक प्राधिकारी, समीक्षा प्राधिकारी और अपीलीय प्राधिकारी ने निलंबन अवधि को कर्तव्य न मानने की सजा में हस्तक्षेप नहीं किया। यह भेदभावपूर्ण है। क्योंकि इसी तरह के अन्य मामलों में निलंबन अवधि को कर्तव्य माना गया था। वनपाल दिनेश सिंह ने अधिवक्ता संदीप दुबे और आलोक चंद्रा के माध्यम से याचिका दायर की थी।

दो राज्यों में हाई अलर्ट, हो सकते हैं बड़े आईईडी धमाके

निशाने में सुरक्षाबल के जवान

नई दिल्ली/रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के तहत लगातार कार्रवाई हो रही है। नक्सल विरोधी अभियान के प्रमुख क्षेत्रों में आईईडी विस्फोट और हथियारों के बरामदी के बाद अलर्ट जारी किया गया है। यह अलर्ट छत्तीसगढ़ के साथ झारखंड के लिए भी जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि आईईडी बरामद होने और विस्फोटों के मामलों में ऐसे समय में वृद्धि देखी गई है जब मार्च 2026 तक देश से वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के केंद्र सरकार के लक्ष्य को पूरा करने के लिए नक्सलियों के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के अभियानों में तेजी आई है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ''इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए सुरक्षा बल खासकर छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र के सुदूर जिलों में नए शिविर स्थापित कर रहे हैं। माओवादी अब आमने-सामने की मुठभेड़ों में शामिल नहीं होते क्योंकि उनके पास हथियार एवं गोला-बारूद की कमी है इसलिए वे सैनिकों को मारने या उन्हें घायल करने के लिए आईईडी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं।'' आईईडी संबंधी घटनाओं के विश्लेषण के दौरान इनकी संख्या में काफी वृद्धि देखने को मिली है और इसलिए टीसीओसी अवधि करीब आने के बीच सुरक्षा बलों के लिए हाई अलर्ट जारी किया गया है।

गर्मियों के महीने में प्लानिंग करते हैं नक्सली

माओवादी गर्मियों के महीनों में सुरक्षा बलों के खिलाफ हमले करने के लिए सामरिक जवाबी आक्रामक अभियान (टीसीओसी) चलाते हैं, क्योंकि इस दौरान जंगल सूख जाते हैं और पेड़ों से पत्ते गिर जाते हैं जिससे सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर दूर तक नजर रखी जा सकती है। विश्लेषण रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-22 के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षा बलों के शिविर के तीन से सात किलोमीटर के दायरे में आईईडी लगाए थे लेकिन अब 2023-24 सीआरपीएफ या अन्य बलों के शिविरों के तीन किलोमीटर से भी कम के दायरे में इन्हें लगाया जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020-2021 की तुलना में 2022-24 के दौरान इन घटनाओं में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एफओबी छोटी लेकिन सीआरपीएफ जवानों की मजबूत टुकड़ी होती है, जो नक्सलियों की आपूर्ति लाइन काटने का कार्य करती है। साथ ही प्रभावित इलाकों में न केवल अभियान चलाती है बल्कि स्थानीय लोगों से संवाद भी करती है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने पिछले सप्ताह छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से पांच किलोग्राम का प्रेशर कुकर आईईडी बरामद किए जाने के बाद नक्सल विरोधी अभियान ग्रिड विशेष रूप से चिंतित है। अधिकारियों ने बताया कि इस रिमोट कंट्रोल आईईडी में दो खाली बीयर की बोतलें लगाई गई थीं, ताकि सैनिकों को कांच के टुकड़ों से गंभीर चोटें पहुंचाई जा सकें। इसके साथ ही पास के एक पेड़ के नीचे एक छोटा एंटीना भी रखा गया था, जो तार से जुड़ा था और इसमें दूर से ही विस्फोट किया जा सकता था।

बछिया की बर्थ-डे पार्टी, कार्ड छपा, केक कटा

धमतरी में गिफ्ट में मिला स्पेशल चारा जन्म के समय अपंग थी, ऑपरेशन भी हुआ

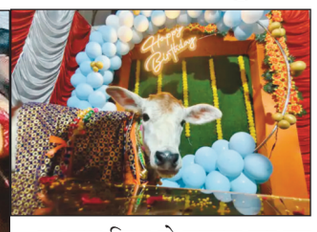

धमतरी, 24 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी में बड़े धूमधाम से बछिया जन्मोत्सव मनाया गया। इसके लिए बकायदा कार्ड और बैनर छपवाकर लोगों को आमंत्रित भी किया गया। केक काटने की रस्म भी निभाई गई। लोगों ने बछिया के लिए विशेष चारा भी भेंट किया। गौ मालिक ने सभी मेहमानों के लिए पार्टी का भी आयोजन किया।

बछिया के मालिक ने बताया कि, बछिया राधिका का जन्मदिन हमारे जीवन की सबसे बड़ी खुशी का पल है। राधिका का जन्म 3 महीने पहले हुआ था और वह चार में से तीन पैरों से विकलांग थी। जिसका ऑपरेशन कराया गया था।

जानकारी के मुताबिक, सोरिद वार्ड के बाबूलाल सिन्हा ने गाय के बछिया का जन्मोत्सव करने कार्ड छपवाया। कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए लोगों को कार्ड बांटे। जन्मोत्सव में पहुंचे लोगों और बाबूलाल की फैमिली ने बछिया को अपने गोद में लेकर खूब डांस किया। खास बात यह रही कि छत्तीसगढ़ के पारंपरिक सोहर गीतों पर लोगों ने बछिया को गोद में लेकर नृत्य किया। जन्मोत्सव पर रविवार सुबह सत्यनारायण की पूजा, दोपहर गड़वा बाजा उत्सव और शाम को रामायण कार्यक्रम के बाद केक काटकर जन्मदिन को सेलिब्रेट किया गया। इस कार्यक्रम में पहुंचे करीब 300 लोगों के लिए प्रीतिभोज रखा गया। मालिक ने बताया कि, रोड पर मवेशी खड़े रहते हैं। जिसको हर कोई अपने घर में रख ले तो मवेशियों को सड़क हादसे से बचाया जा सकता है। जन्मोत्सव में बछिया के लिए लोग गिफ्ट लेकर भी पहुंचे।

बाबूलाल की पत्नी ने बताया कि, बछिया की माता का नाम लक्ष्मी और बछिया का नाम राधिका है। बताया गया कि कुत्तों के काटने के बाद लक्ष्मी को सीरियस स्थिति में घर लाए थे।

मोहल्ले वालों ने मान लिया था कि अब नहीं बचेगी। लेकिन घर के हॉल में रख कर महामृत्युंजय का जाप किया तो छटपटा कर उठ गई। जब से यह घर पर है तब से घर में शुभ ही हो रहा है। वार्डवासियों ने भी बछिया के जन्मोत्सव मनाने के सराया। कहा, लोग कुत्ते का जन्मदिन मना लेते हैं, लेकिन गाय को आज के युग में कोई नहीं पूछते। हमने एक क्विंटल खल्ली गिफ्ट किया। कुछ और लोगों ने कहा कि, पहली बार इस तरह का आयोजन देखने मिला।

गौ माता का संरक्षण करना बहुत जरूरी है। हिंदू धर्म में गौ माता का दर्जा भगवान से भी बढ़कर है। ऐसा कार्यक्रम करने से लोगों में सेवा भावना जागृत होगी।

पीएम की सभा में 2 लाख लोग जुटाने का लक्ष्य

बिलासपुर में 900 बसों की व्यवस्था, ब्लॉक स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

बिलासपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में 30 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा की तैयारियां की जा रही हैं। मोहभट्ठा (बिल्हा) में होने वाली इस सभा में प्रदेश भाजपा ने 2 लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा है। कार्यकर्ताओं को लाने के लिए विभिन्न जिलों से 900 बसों की व्यवस्था की गई है। रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने इस अवसर को छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक बताया। साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन पर भरोसा जताया है। इसका प्रमाण पंचायत और निकाय चुनावों में भाजपा की बड़ी जीत से मिलता है। बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से योजनाबद्ध तरीके से काम करने का आह्वान किया।

आपने प्रदेश का मान बढ़ाया है

ज्ञानपीठ सम्मान पाने वाले राज्य के पहले लेखक से मिले सीएम

रायपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने वरिष्ठ साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल के रायपुर स्थित निवास पहुंचकर मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने शुक्ल को ज्ञानपीठ सम्मान की घोषणा पर उन्हें हार्दिक बधाई दी। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि आपने छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री साय ने सभी प्रदेशवासियों की तरफ से शुक्ल का सम्मान करते हुए उन्हें शॉल-श्रीफल तथा बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह नंदी भेंट किया।

मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल से कहा कि साहित्य के क्षेत्र में आपके विशिष्ट योगदान पर आपको देश का सबसे प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ सम्मान दिए जाने की घोषणा से पूरा प्रदेश गौरवान्वित अनुभव कर रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि आज खुशी के इस पल में आपसे भेंट करने का मुझे अवसर मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल का कुशल क्षेम पूछते हुए उनके स्वास्थ्य के विषय में जानकारी ली। सीएम साय ने कहा कि आप राजनांदगांव के रहने वाले हैं। राजनांदगांव छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी है। वहां गजानन माधव मुक्तिबोध, पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी और बलदेव प्रसाद मिश्र जैसे साहित्यकारों ने अपनी साहित्य साधना की है।

मुख्यमंत्री द्वारा राजनांदगांव का जिक्र किये जाने पर शुक्ल ने अपने बचपन के नांदगांव की स्मृतियां उनके साथ शेयर की। शुक्ल ने कहा कि मेरा जन्म राजनांदगांव में हुआ। बचपन का वह नांदगांव आज भी मेरे मन पर छाया हुआ है। मैं आज भी वहां जाता हूं तो उसी नांदगांव को ढूंढने की कोशिश करता हूं। मगर अब समय के साथ काफी बदलाव आ गया है। मुख्यमंत्री ने विनोद कुमार शुक्ल के परिवारजनों से भी मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना।

हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल को देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

महिला ने की पति की हत्या

साड़ी से गला घोंट शव फंदे से लटकाया नशे की हालत में करता था पत्नी की पिटाई

गिरिडीह, 24 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह के पचंबा थाना क्षेत्र के परसाटांड़ में एक युवक की ससुराल में हत्या हो गई। पत्नी कुमकुम देवी ने अपने 35 वर्षीय पति मिथलेश राय की गला दबाकर हत्या कर दी। महिला पति की प्रताड़ना से बहुत परेशान थी। पति उसके साथ अक्सर मारपीट किया करता था।

पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस को दिए बयान में पत्नी ने हत्या की बात स्वीकार कर ली है। रात में दंपती के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला ने साड़ी से पति का गला घोंटकर हत्या कर दी और शव फंदे से लटका दिया।

मिथलेश अपनी पत्नी को मायके से ले जाने आया था। इधर, मृतक के ससुर बंधु महतो ने फोन कर मिथलेश के परिवार वालों को घटना की सूचना दी। परिवार के लोग जब परसाटांड़ पहुंचे तो मिथलेश का शव आंगन में पड़ा था। गले पर गहरे जख्म के निशान थे।

परिजनों ने तुरंत पचंबा थाना प्रभारी को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के पिता रामनाथ राय बिहार के छपरा जिले के मोहानी गांव के रहने वाले हैं।

रामनाथ राय ने बताया कि 10 साल पहले मिथलेश की शादी परसाटांड़ निवासी बंधु महतो की बेटी कुमकुम से हुई थी। दंपती के दो पुत्र है।

एक 7 साल का और दूसरा 5 साल का। दो महीने पहले कुमकुम मायके चली आई थी। मिथलेश 10 दिन पहले होली पर पत्नी को ससुराल ले जाने के लिए आया था।

डीएसपी कौशर अली ने बताया कि मिथलेश की पत्नी कुमकुम देवी से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि उसका पति मिथलेश अक्सर नशे का सेवन करता था और उसके साथ मारपीट करता था। अपने पति की प्रताड़ना से तंग आ गयी थी।

इसी कारण उसने पति की हत्या करने का अकेले प्लान बनाया। नशे में धुत पति की गर्दन दबाकर अधमरा कर दिया और फिर अपनी ही साड़ी से एक फंदा बनाकर पति को उससे लटका कर सो गई। सुबह सुसाइड की झूठी खबर फैला दी।

पहली बार योजना होगी रेगुलर

स्कूलों में सत्र शुरू होते ही 8वीं कक्षा के 3.90 लाख बच्चों को मिलेगी साइकिल

रांची, 24 मार्च (एजेंसियां)। शैक्षणिक सत्र आरंभ होते ही आठवीं कक्षा के 3.90 लाख बच्चों को साइकिल मिलेगी। विभाग ने टेंडर निकाल दिया है। 2025-26 शैक्षणिक सत्र के बच्चों को मई से जून के बीच साइकिल वितरण का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना पिछले कुछ सालों से दो से तीन साल विलंब से चल रही थी। लेकिन, पहली बार यह योजना रेगुलर होगी।

साइकिल खरीद की पहली शर्त रखी गई है कि वह ब्रांडेड हो और कंपनी के पास इतना सामर्थ्य हो कि वह दो महीने के भीतर करीब 4 लाख साइकिलों का उत्पादन कर संबंधित स्कूलों तक उसे पहुंचाए। इसके लिए विभाग ने तय किया है कि वह कलस्टरों की संख्या को बढ़ाएगी। क्लस्टर वह केंद्र है, जहां कंपनी अपनी साइकिलों के पार्ट्स को जमा करती है और वह साइकिल को एसेंबल करती है। पूर्व में करीब 250 क्लस्टर थे।

विभागीय मंत्री चमरा लिंडा ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शैक्षणिक सत्र आरंभ होते ही बच्चों को वह सारी सुविधाएं उपलब्ध होनी चाहिए, जिसके वे हकदार हैं। इस बीच विभाग प्रस्ताव बना रहा है कि इस वर्ष से झारखंड के मान्यता प्राप्त स्कूल के आठवीं के बच्चों को भी मुफ्त में साइकिल दी जाए। अभी राज्य सरकार सरकारी और कल्याण विभाग के स्कूलों में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले करीब 3.90 लाख छात्र-छात्राओं को साइकिलें देती है। अब करीब 1 लाख और छात्रों को साइकिलें दी जाएंगी।

फाइलेरिया उन्मूलन में अच्छी सफलता

ओरमांझी प्रखंड में 86.96% टारगेट हुआ पूरा, किए गए कई प्रयास, मिली सफलता

रांची, 24 मार्च (एजेंसियां)। ओरमांझी प्रखंड में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर शानदार सफलता प्राप्त हुई है। इस वर्ष 86.96% लक्ष्य प्राप्त किया गया, जो बढ़ती जागरूकता और ग्रामीण समुदाय की सक्रिय भागीदारी दिखाती है। पिछले सालों के मुकाबले दवा लेने वाले लोगों की संख्या में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी रेनू भाखला ने एमडीए कार्यक्रम की प्रमुख विशेषताओं के बारे में जानकारी दी। इस अभियान में 81 गांवों में बैठकें आयोजित की गईं और 71 स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा, प्रिंसिपल्स और पीआरआई के सदस्यों के साथ बैठकें भी की गईं। जागरूकता फैलाने के लिए मंदिरों और मस्जिदों से लाउडस्पीकर के माध्यम से सूचना प्रसारित की गई, जिससे ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ी। सहिया अजमेरी जबी ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में फाइलेरिया उन्मूलन एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, क्योंकि कई बार लोग दवा लेने से इनकार कर देते हैं। बावजूद इसके, बढ़ी हुई दवा खाने की संख्या इस अभियान की सफलता को साबित करती है। बैठकें आयोजित कर फाइलेरिया के बारे में जानकारी देना और लोगों को दवा लेने के लिए प्रेरित करना एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

ओरमांझी प्रखंड में चलाए गए एमडीए कार्यक्रम ने यह साबित कर दिया कि जन जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी और सामुदायिक सहयोग से बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं।

एनटीपीसी डीजीएम हत्याकांड का खुलासा

लेवी वसूली के लिए की गई थी हत्या, चार गिरफ्तार, हथियार और बाइक बरामद

हजारीबाग, 24 मार्च (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने एनटीपीसी के डीजीएम (डिस्पैच) कुमार गौरव हत्याकांड में बड़ी सफलता हासिल की है। कटकमदाग थाना क्षेत्र में 8 मार्च को हुई इस वारदात के चारों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए हैं।

पुलिस जांच में पता चला कि बड़कागांव और केरेडारी की कंपनियों से लेवी वसूलने के लिए यह वारदात की गई। आरोपियों ने 27 फरवरी को साजिश रची और रेकी की। 5 मार्च को हथियार जुटाए। 8 मार्च सुबह 9:32 बजे पल्सर बाइक से स्कॉर्पियो पर फायरिंग कर दी। एसआईटी ने मुख्य शूटर मिन्टू पासवान, बाइक चालक राहुल मुंडा, रेकी करने वाले मनोज माली और हथियार सप्लायर अजय यादव को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों का आपराधिक इतिहास है।

पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई पल्सर बाइक, एक पिस्टल, तीन जिंदा कारतूस, 5500 रुपए नकद, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों को पकड़ा।

हजारीबाग रेंज डीआईजी संजीव कुमार ने बताया कि यह गिरोह स्थानीय युवाओं को संगठित कर कंपनियों से लेवी वसूलता था। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अपराधियों में दहशत है।

एजी के निज सचिव से ऑनलाइन ठगी

बिजली कंपनी का ईई बनकर ठग बोला-मकान का मीटर काट दिया जाएगा, लिंक भेजकर मंगाए पैसे

बिलासपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में एडवोकेट जनरल ऑफिस के निज सचिव से ऑनलाइन ठगी हुई है। बिजली कंपनी के ईई बनकर साइबर ठग ने उन्हें झांसा दिया कि रायपुर में उनके मकान का मीटर अपडेट करना है। ऐसा नहीं करने पर उनका मीटर और कनेक्शन काट दिया जाएगा। जिसके बाद ठग ने लिंक भेजकर उनसे 50 हजार रुपए ट्रांसफर करा लिया। निज सचिव ने ठगी की शिकायत पुलिस से की है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, जीनत विहार निवासी अविनाश चंद्रन (46) महाधिवक्ता कार्यालय में निज सचिव हैं। उनके मोबाइल पर 19 मार्च की शाम अनजान नंबर से कॉल आया। फोन करने वाले ने खुद को बिजली कंपनी का कार्यपालन अभियंता बताया था।

साथ ही कहा कि रायपुर स्थित बंद पड़े उनके मकान के बिजली के मीटर को अपडेट करना है। इसकी अंतिम तिथि निकल चुकी है। उसने तत्काल मीटर अपडेट नहीं कराने पर बिजली का कनेक्शन काट देने की बात कही।

निज सचिव ने फोन करने वाले का परिचय पूछा। इस पर फोन करने वाले ने खुद को सीएसईबी कार्यालय में पदस्थ कार्यपालन अभियंता बताया। उसके कॉल के साथ मोबाइल पर सीएसईबी का मोनो दिख रहा था। इसके कारण उन्हें फोन करने वाले पर भरोसा हो गया। फोन करने वाले ने उनके मोबाइल पर एक लिंक भेजकर उसे डाउनलोड करने को कहा।

इसके बाद उन्हें केवल 13 रुपए एक नंबर पर भेजने के लिए कहा। निज सचिव ने रकम भेजने की कोशिश की। उनके मोबाइल से पैसे ट्रांसफर नहीं हुआ। तब फोन करने वाले ने बाद में कॉल करने की बात कहते हुए फोन काट दिया। इसके कुछ ही देर बाद उनके बैंक अकाउंट से एक हजार 300 रुपए दूसरे के अकाउंट में ट्रांसफर हो गया। इसका मैसेज मोबाइल पर आते ही निज सचिव को धोखाधड़ी का एहसास हो गया। अविनाश ने तत्काल इसकी जानकारी साइबर सेल पर दी। शिकायत पर कार्रवाई के दौरान ही निज सचिव के मोबाइल पर एक मैसेज आया। इससे उन्हें पता चला कि एक अन्य बैंक खाते से भी खरीदारी हो रही है। उन्होंने साइबर सेल को इसकी जानकारी देनी चाही। तब आपरेटर ने रकम ट्रांसफर नहीं होने की बात कही।

इसके दूसरे दिन सुबह जब निज सचिव ने अपना मोबाइल चालू किया तो खरीदारी से संबंधित कई मैसेज आए थे। उन्होंने चकरभाठा स्थित एटीएम जाकर अपनी रकम निकालने की कोशिश की। इसमें वे सफल नहीं हो पाए।

बांग्लादेश में 7 महीने में कपड़े की 140 फैक्ट्रियां बंद

1 लाख बेरोजगार, हसीना के तख्तापलट के बाद देश छोड़कर भाग रहे कंपनियों के मालिक

ढाका, 24 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश का गारमेंट सेक्टर इस समय भयंकर संकट से गुजर रहा है। पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के बाद सात महीनों में 140 से ज्यादा गारमेंट फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं।

इसके चलते एक लाख से ज्यादा मजदूर बेरोजगार हो गए हैं। सिर्फ गाजीपुर, सावर, नारायणगंज और नर्सिंदी में 50 से ज्यादा फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो चुकी हैं, जबकि करीब 40 फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हैं।

दूसरी ओर कई गारमेंट कंपनियों में मजदूरों के 2 महीने से 14 महीने तक के वेतन बकाया हैं, जिससे वे सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। ईद के करीब आते ही स्थिति और भयावह होती जा रही है। ईद के बाद और अधिक फैक्ट्रियां बंद होने की आशंका है। इसके बावजूद, सरकार और गारमेंट मालिकों द्वारा कदम नहीं उठाया जा रहा है।

बांग्लादेश गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन (बीजीएमईए) के सूत्रों के अनुसार, 20% ऑर्डर देश से शिफ्ट हो चुके हैं। अब यह ऑर्डर भारत, वियतनाम, श्रीलंका, इंडोनेशिया और पाकिस्तान को मिल रहे हैं। गारमेंट फैक्ट्रियों के

अचानक बंद होने के पीछे मुख्य रूप से दो बड़ें वजह बताई जा रहे हैं, आर्थिक मंदी व राजनीतिक अस्थिरता। हालांकि, इस संकट में एक दिलचस्प तथ्य यह भी है कि बंद हो रही ज्यादातर फैक्ट्रियां पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग से जुड़े नेताओं की है। इनमें हसीना के विदेशी निवेश सलाहकार सलमान एफ. रहमान की बेक्सिमको कंपनी भी शामिल है। बीते सात माह में बेक्सिमको की 15 फैक्ट्रियां पूरी तरह बंद हो गई हैं। इसके अलावा, आवामी लीग के मंत्री गाजी दस्तगीर की भी कई फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं। लेबर नेता मोहम्मद मिंटू कहते हैं, बेक्सिमको गारमेंट सेक्टर की दिग्गज कंपनी थी। यहां मजदूरों को वेतन व बोनस समय पर मिलता था। इसके बंद होने से समस्या हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, कई बड़े गारमेंट व्यापारी देश छोड़कर जा चुके हैं, जिससे फैक्ट्रियां बंद होने की समस्या और गंभीर हो गई है। गारमेंट फैक्ट्रियों के बंद होने पर सरकार की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि बाजार में ऑर्डर कम होने के कारण उत्पादन ठप हो गया है। लेकिन गारमेंट वर्कर्स ट्रेड यूनियन सेंटर के कानूनी मामलों के सचिव खैरुल ममून मिंटू का दावा है कि यह सरासर झूठ है। ऑर्डर अब भी मिल रहे हैं, बल्कि जो फैक्ट्रियां बची हैं, उन पर अतिरिक्त दबाव डाला जा रहा है। असल में, यह संकट राजनीतिक कारणों से गहराया है। इस पर काबू नहीं पाया गया तो देश में आर्थिक मंदी हो सकता है। जानकारों का कहना है कि यूनुस सरकार सेक्टर को बेहतर करने को कोई कदम नहीं उठा रही है।

गारमेंट सेक्टर बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह उद्योग हर साल देश की 84% विदेशी मुद्रा अर्जित करता है। साथ ही, यह सीधे 50 लाख और अप्रत्यक्ष रूप से 1.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। खास बात यह है कि इस उद्योग में महिलाओं की बड़ी भागीदारी है। लेकिन मौजूदा संकट ने इस पूरी व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। बांग्लादेश में नई छात्र-नेतृत्व वाली पार्टी 'नेशनल सिटिजन पार्टी' और सेना के बीच विवाद गहराता जा रहा है। एनसीपी ने आरोप लगाया कि सेना सत्ता से बेदखल की गई शेख हसीना की अवामी लीग को लाने की साजिश रच रही है।

एनसीपी के नेता हसनत अब्दुल्ला और सर्जिस आलम ने दावा किया कि सेना अवामी लीग का नाम बदल कर नई पार्टी तैयार कर सकती है, ताकि हसीना के नेतृत्व में नई पार्टी को दोबारा राजनीति में खड़ा किया जा सके।

पीएम हान के खिलाफ महाभियोग खारिज

बनाए गए कार्यवाहक राष्ट्रपति राष्ट्रपति येओल की मुसीबतें बरकरार

सियोल, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजनैतिक गतिरोध का सामना कर रहे दक्षिण कोरिया में प्रधानमंत्री हान के खिलाफ महाभियोग खारिज कर दिया गया है। साथ ही उन्हें कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में बहाल कर दिया गया है।

दक्षिण कोरिया की संवैधानिक अदालत ने सोमवार को यह फैसला सुनाया। हालांकि अदालत ने राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ अलग से महाभियोग चलाने पर अभी तक कोई फैसला नहीं सुनाया है। गौरतलब है कि येओल पर 3 दिसंबर को देश में मार्शल लॉ लगाने के उनके फैसले के कारण नेशनल असेंबली द्वारा महाभियोग लगाया गया है। जिसके बाद उन्हें सत्ता से निलंबित कर दिया गया था। इसी के चलते बने राजनीतिक संकट के बीच विपक्षी सांसदों ने दिसंबर के अंत में हान पर भी विधानसभा द्वारा महाभियोग लगाया था।

पोप फ्रांसिस 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल से डिस्चार्ज

अस्पताल की बालकनी से समर्थकों को थैंक्यू कहा, फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से एडमिट थे

वेटिकन, 24 मार्च (एजेंसियां)। कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस को रविवार को 5 हफ्ते बाद हॉस्पिटल डिस्चार्ज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने हॉस्पिटल की बालकनी से समर्थकों को धन्यवाद कहा।

88 साल के पोप को फेफड़ों में इन्फेक्शन की वजह से 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। साथ ही प्लेटलेट्स की कमी का भी पता चला था।

हॉस्पिटल से निकलने के बाद पोप वेटिकन सिटी में स्थित कासा सांता मार्टा के अपने घर वापस लौटेंगे। शनिवार को उनकी मेडिकल टीम के प्रमुख ने कहा कि फ्रांसिस को वेटिकन लौटने के बाद दो महीने और आराम की जरूरत होगी।

शनिवार को पोप के डॉक्टरों ने कहा कि इलाज के दौरान दो मौकों

पर उनकी जान जाने का खतरा था, लेकिन फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

वेटिकन के कार्डिनल विक्टर मैनुअल फर्नांडीज ने शुक्रवार को बताया था कि पोप फ्रांसिस धीरे-धीरे अपनी ताकत हासिल कर रहे हैं, लेकिन लंबे वक्त तक हाई फ्लो ऑक्सीजन थेरेपी की वजह से उन्हें फिर बोलना सीखना पड़ेगा।

हाई फ्लो ऑक्सीजन की वजह से कई बार इंसान का मुंह और गला सूख जाता है, जिससे बोलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा हाई फ्लो ऑक्सीजन से सांस लेने में दिक्कत या सीने में दर्द जैसी समस्या हो सकती है।

वेटिकन के मुताबिक इलाज के दौरान भी पोप हॉस्पिटल से काम कर रहे थे। इससे पहले भी पोप फ्रांसिस को 2021 में डायवर्टीकुलिटिस और 2023 में हर्निया की सर्जरी की वजह से हॉस्पिटल जाना पड़ा था।

पोप फ्रांसिस अर्जेंटीना के एक जेसुइट पादरी थे, वो 2013 में रोमन कैथोलिक चर्च के 266वें पोप बने थे। उन्हें पोप बेनेडिक्ट सोलहवें का उत्तराधिकारी चुना गया था। पोप फ्रांसिस बीते 1000 साल में पहले ऐसे इंसान थे जो गैर-यूरोपीय होते हुए भी कैथोलिक धर्म के सर्वोच्च पद पर पहुंचे। पोप का जन्म 17 दिसम्बर 1936 को अर्जेंटीना के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। पोप बनने से पहले उन्होंने जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो नाम से जाना जाता था। पोप फ्रांसिस के दादा-दादी तानाशाह बेनिटो मुसोलिनी से बचने के लिए इटली छोड़कर अर्जेंटीना चले गए थे। पोप ने अपना ज्यादातर जीवन अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में बिताया है। वे सोसाइटी ऑफ जीसस (जेसुइट्स) के सदस्य बनने वाले और अमेरिकी महाद्वीप से आने वाले पहले पोप थे। उन्होंने ब्यूनस आयर्स यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र और धर्मशास्त्र में मास्टर डिग्री हासिल की थी।

कनाडा में 28 अप्रैल को होंगे आम चुनाव

पीएम बोले- ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहिए, टैरिफ वॉर सबसे बड़ा खतरा

टोरंटो, 24 मार्च (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बताया है कि देश में 28 अप्रैल को आम चुनाव होंगे। उन्होंने रविवार को कहा कि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से निपटने के लिए मजबूत जनादेश चाहते हैं। कनाडाई पीएम ने कहा- अमेरिका के साथ टैरिफ वॉर हमारे लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। वो हमें तोड़ना चाहते हैं ताकि अमेरिका हमारा मालिक बन जाए, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे।

कार्नी ने कहा कि कनाडा को सुरक्षित करने के लिए अभी बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने टैरिफ वॉर से परेशान किसानों और व्यवसायों को मदद देने की योजनाओं के बारे में भी बात की।

मार्क कार्नी ने 10 दिन पहले ही कनाडा के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। उन्होंने 9 फरवरी को लिबरल पार्टी के नेता का चुनाव जीता था। कार्नी को 85.9% वोट मिले थे।

कार्नी ने बताया कि उन्होंने पीएम पद की शपथ लेने के बाद ऑस्ट्रेलिया के साथ नए राष्ट्रीय

रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों को मजबूत करने का काम किया, यूरोपीय यूनियन के साथ नए व्यापार समझौते पर चर्चा शुरू की। कनाडाई पीएम ने कहा कि आज युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, लेकिन फिर भी उन्हें किराया देने और अपने बच्चों के लिए बचत करने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि अमेरिकियों से लड़ने, ट्रम्प के टैरिफ से निपटने और कनाडा की अर्थव्यवस्था को ठीक करने के लिए हमारे देश को एक्शन लेने की जरूरत है। कार्नी ने कहा कि वो महिलाओं के अबॉर्शन अधिकार का समर्थन करते हैं, जैसा कि उनकी लिबरल पार्टी भी करती है। मार्क कार्नी इकोनॉमिस्ट और पूर्व केंद्रीय बैंकर हैं। कार्नी को 2008 में बैंक ऑफ कनाडा का गवर्नर चुना गया था। कनाडा को मंदी से बाहर निकालने के लिए उन्होंने जो कदम उठाए, उसकी वजह से 2013 में बैंक ऑफ इंग्लैंड ने उन्हें गवर्नर बनने का प्रस्ताव दिया।

बैंक ऑफ इंग्लैंड के 300 साल के इतिहास में वे पहले ऐसे गैर ब्रिटिश नागरिक थे, जिन्हें यह जिम्मेदारी मिली। वे 2020 तक इससे जुड़े रहे। ब्रेग्जिट के दौरान लिए फैसलों ने उन्हें ब्रिटेन में मशहूर बना दिया।

कार्नी लिबरल पार्टी में ट्रम्प के विरोधी हैं। उन्होंने चुनाव से पहले एक बहस के दौरान कहा था कि ट्रम्प की धमकियों से पहले ही देश की हालत खराब है। बहुत से कनाडाई बदतर जीवन जी रहे हैं। अप्रवासियों की संख्या बढ़ने से देश की हालत और खराब हो गई है। कार्नी अपने विरोधियों की तुलना में अपने कैंपेनिंग को लेकर ज्यादा सतर्क थे। पीएम पद का उम्मीदवार बनने के बाद से चुनाव होने तक उन्होंने एक भी इंटरव्यू नहीं दिया था।

फ्रांस परमाणु हमला करने वाले लड़ाकू विमानों की संख्या दोगुनी क्यों कर रहा

मैक्रों को किस बात का डर?

पेरिस, 24 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने परमाणु हमला करने में सक्षम लड़ाकू विमान वाले चौथे एयरबेस की योजनाबद्ध शुरुआत की घोषणा की है। उन्होंने बताया है कि वीं फ्रांस में लक्सेउइल एयर बेस को परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम राफेल लड़ाकू विमानों की मेजबानी के लिए तैयार किया गया है। इससे चर्चा शुरू हो गई है कि फ्रांस को आखिर किस बात का डर सता रहा है। फ्रांस संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य होने के अलावा यूरोप का दूसरा परमाणु शक्ति संपन्न देश है। फ्रांस नाटो का भी सदस्य है और पूरे यूरोप की सबसे ताकतवर सेना भी रखता है।

दरअसल, फ्रांस को डर है कि यूक्रेन युद्ध के कारण यूरोप की शांति न भंग हो जाए। उसे डर सता रहा है कि यूक्रेन में जीत हासिल करने के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूरोप का रुख कर सकते हैं और उनके निशाने पर फ्रांस हो सकता है।

यूक्रेन के पावर प्लांट्स पर कंट्रोल चाहता है अमेरिका

अमेरिका-यूक्रेन के बीच सऊदी अरब में हुई बातचीत, आज रूस से मिलेंगे अमेरिकी अधिकारी

रियाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों ने रविवार को पावर प्लांट्स की सुरक्षा से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की। यह बैठक सऊदी अरब में हुई। अमेरिका यूक्रेन को पहले ही प्रस्ताव दे चुका है कि वह पावर प्लांट्स (ऊर्जा ठिकाने) की सुरक्षा के लिए उन्हें अमेरिका को सौंप दे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने टीवी पर दिए एक बयान में बताया कि बातचीत काफी उपयोगी रही। यूक्रेन के रक्षामंत्री रुसतेम उमेरोव के मुताबिक इस बातचीत का मकसद जल्द शांति और सुरक्षा को मजबूत करना है। रविवार को इस सब पर तकनीकी बातचीत हुई। वहीं जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों खासतौर पर अमेरिका से पुतिन को हमले रोकने के लिए आदेश देने के लिए कहा।

यूक्रेन जंग के मुद्दे पर आज अमेरिका और रूस के अधिकारियों के बीच बैठक होगी। इस बैठक में ब्लैक सी (काला सागर) में जहाजों की सुरक्षा के मुद्दे पर बात होगी। अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकोफ ने

रविवार को इसकी जानकारी दी।

इससे पहले पिछले हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ बातचीत की थी।

इस दौरान ट्रम्प ने दोनों नेताओं से एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले न करने के लिए कहा था। हालांकि, इस बातचीत में स्पष्टता की कमी की वजह से यह समझौता लागू नहीं हो पाया। इस दौरान दोनों देशों ने एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमले भी किए। पिछले 2 महीनों से सीजफायर को लेकर जारी बातचीत के दौरान रूस-यूक्रेन ने पिछले हफ्ते एक-दूसरे की कैद में मौजूद सैनिकों की अदला-बदली की।

दोनों के बीच 175 कैदियों की अदला-बदली हुई। इसके अलावा रूस ने गंभीर रूप से घायल 22 यूक्रेनी सैनिकों को भी रिहा किया।

9 मार्चः सऊदी अरब में अमेरिका और यूक्रेन के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। अमेरिका ने 30 दिन के सीजफायर का प्रस्ताव रखा। यूक्रेन ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया। पुतिन ने प्रस्ताव को खारिज नहीं किया, लेकिन आगे चर्चा की मांग की।

10 मार्चः पुतिन ने आशंका जताई कि यूक्रेन सीजफायर का इस्तेमाल जंग में अपने सैन्य सशक्तिकरण के लिए कर सकता है। 11 मार्चः रूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने सीजफायर के लिए 4 शर्तें रखीं। इसमें मांग की गई कि यूक्रेन नाटो में शामिल न हो और यूक्रेन की जमीन पर रूस के कब्जे को मान्यता मले।

पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियों ने सुझाव दिया कि पुतिन की शर्तें सीजफायर को टालने का रणनीति हो सकती है। 12 मार्चः यूक्रेन ने रूस की शर्तों को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे उसकी संप्रभुता को खतरा होगा। 13 मार्चः पुतिन ने सीजफायर के प्रस्ताव के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का धन्यवाद दिया।

शांति वार्ता से पहले रूस ने यूक्रेन पर 150 ड्रोन दागे, 7 लोगों की मौत

मास्को, 24 मार्च (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रविवार रात रूस ने यूक्रेन पर 150 ड्रोन दागे हैं। जिसमें कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई। ये हमले सऊदी अरब के रियाद में होने वाली पीस टॉक से ठीक पहले हुए हैं। सोमवार को यूक्रेन और रूस के बीच होने वाली बातचीत रविवार को ही शुरू हो गई।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इन हमलों में कीव के 3 लोगों की मौत हो गई। ये सभी एक ही परिवार के हैं। वहीं, हमले में एक बच्चे समेत दस लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि इस हफ्ते यूक्रेन पर रूस ने 1,580 से अधिक गाइडेड बम, 1,100 ड्रोन और 15 मिसाइलें दागी हैं। उन्होंने कहा कि मॉस्को पर और दबाव बनाने की जरूरत है ताकि ये युद्ध और हमले रोके जा सकें।

पाकिस्तान में 18 जिलों के सीवेज-सैंपल में मिला पोलियो वायरस

इस साल पोलियो के 6 केस मिल चुके, पिछले साल 74 मामले दर्ज किए

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान नेशनल हेल्थ इंस्टीट्यूट ने देश के 18 जिलों से इक्ट्ठा किए गए सीवेज सेम्पल में वाइल्ड पोलियो वायरस टाइप-1 का पता लगाने की पुष्टि की है। ये नमूने पाकिस्तान के सभी 4 राज्यों की अलग-अलग सीवेज लाइन से जमा किए गए थे। प्रभावित इलाकों में सिंध के 12 जिले, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में दो-दो जिले, बलूचिस्तान और इस्लामाबाद का एक जिला शामिल है। दुनिया में पाकिस्तान और अफगानिस्तान ही सिर्फ ऐसे दो देश हैं, जहां अभी भी पोलियो उन्मूलन नहीं हो पाया है।

इस साल अब तक पाकिस्तान में पोलियो के 6 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें सिंध से 4, खैबर पख्तूनख्वा और पंजाब के एक-एक मामले शामिल हैं। 2024 में देश में 74 मामले दर्ज किए गए

थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 27 मार्च, 2014 को भारत को पोलियो मुक्त घोषित कर दिया था। हालांकि पिछले साल 10 साल बाद मेघायल में पोलियो का एक केस मिला था। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के मुताबिक पाकिस्तान में अल-कायदा और पाकिस्तान-तालिबान जैसे संगठन पोलियो उन्मूलन में बड़ी बाधा हैं। इसके अलावा पोलियो वैक्सीन को लेकर लोगों में जागरूकता का आभाव है। कई बार पोलियो वैक्सीन लगाने वाले हेल्थ वर्कर्स पर हमले पर खबरें भी सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा खराब स्वास्थ्य सुविधाएं और लोग की तरफ से पोलियो वैक्सीनेशन में लापरवाही भी इसकी बड़ी वजह है।

पोलियो एक गंभीर और कई बार जानलेवा बीमारी है, जो पोलियो वायरस के कारण होती है। बीते कुछ सालों में दुनिया के ज्यादातर देश पोलियो मुक्त हो चुके हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान को पोलियो मुक्त बनाने के लिए वैक्सिनेशन अभियान चल रहे हैं। पोलियो के लक्षण ज्यादातर लोगों में बहुत हल्के दिखते हैं या फिर दिखते ही नहीं हैं। कुछ मामलों में संक्रमण गंभीर हो सकता है। इन मामलों में पैरालिसिस यानी लकवा हो सकता है या मृत्यु तक हो सकती है। पोलियो से संक्रमित 95% लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखता है। मुश्किल ये है कि संक्रमित व्यक्ति बिना लक्षणों के भी पोलियो वायरस फैला सकता है।

भारत के सबमरीन से लेकर युद्धपोत तक को सूंघ लेगा चीन

ड्रैगन ने मालदीव के मुइज्जू संग मिल चली नापाक चाल

माले, 24 मार्च (एजेंसियां)। मालदीव और चीन के बीच मोहम्मद मुइज्जू सरकार आने के बाद दोस्ती मजबूत होती जा रही है। भारत के साथ तनाव के बाद मुइज्जू ने दिल्ली के साथ दोस्ती करने का दिखावा किया लेकिन अब उनकी पोल खुलती दिख रही है। मालदीव की सरकार चीन के साथ हिंद महासागर के अंदर फिश एग्रीगेटिंग डिवाइसेस लगाने के लिए बातचीत कर रही है। मालदीव के इस कदम से भारत के रणनीतिक हलके की टेंशन बढ़ती दिख रही है। ये डिवाइसेस इस तरह से बनाए गए होते हैं कि मछलियों की हरकत पर नजर रखते हुए केमिकल और फिजिकल समुद्री डेटा को भी इकट्ठा कर सकते हैं। चीन अगर अपने प्लान में सफल होता है तो वह हिंद महसागर में भारतीय नौसेना की हर हरकत पर आसानी से नजर रख पाएगा।

रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन के अधिकारी मालदीव के पर्यटन और पर्यावरण मंत्रालय तथा मौसम विभाग के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि इस जासूसी डिवाइस का पता लगाया जा सके। इस पूरे प्रोजेक्ट को मुइज्जू सरकार ने टॉप सीक्रेट रखा हुआ है। यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है जब मालदीव के जलक्षेत्र में चीन की मौजूदगी लगातार बढ़ती जा रही है। इससे पहले साल 2024 में चीन का महाशक्तिशाली जासूसी जहाज शियांग यांग होंग 03 भी मालदीव आया था। यह श्रीलंका भी जाना चाहता था लेकिन कोलंबो की सरकार ने भारत के कहने पर अनुमति नहीं दी थी।

यह चीनी जासूसी जहाज ठीक उस समय मालदीव पहुंचा था जब मुइज्जू सरकार और भारत सरकार के बीच तनाव अपने चरम पर पहुंच गया था। विश्लेषकों का कहना है कि चीन एफएडी डिवाइस की मदद से मछलियों को इकट्ठा करता रहा है लेकिन इसके जरिए समुद्र का पूरा डेटा हासिल कर लिया जाता है। इससे चीन आसानी से भारत और अन्य देशों के खिलाफ सैन्य जासूसी को अंजाम दे सकता है। दरअसल, यह डिवाइस पानी के तापमान, खारेपन, तरंगों और अन्य चीजों को माप लेता है। यह डेटा नेवी के ऑपरेशन खासतौर पर सबमरीन के लिए बेहद जरूरी है। इससे सबमरीन आसानी से बिना पकड़ में आए एक जगह से दूसरी जगह पर आसानी से जाती हैं।

विश्लेषकों का कहना है कि मालदीव से मिले डेटा की मदद से चीन अपनी पनडुब्बियों को आसानी से भेज भी सकता है।

जरदारी ने दुनिया में करा दी बेइज्जती

पाकिस्तान डे पर ठीक से भाषण तक नहीं दे सके पाकिस्तानी राष्ट्रपति, अपनों ने उड़ाया मजाक

इस्लामाबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रविवार, 23 मार्च को देशभर में पाकिस्तान डे मनाया गया है। इस दौरान देशभर में कई तरह के प्रोग्राम हुए। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इस मौके पर संसद के दोनों सदनों को संबोधित किया और आर्मी के कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। इस दौरान जरदारी ने जिस तरह से भाषण दिया, उसकी पूरे पाकिस्तान में चर्चा हो रही है। जरदारी के भाषण के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल

हैं। उनका मजाक उड़ रहा है और मीम बन रहे हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि वह बहुत मुश्किल से अपनी स्पीच को पढ़ पा रहे हैं। इस पर भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने प्रतिक्रिया दी है। अब्दुल बासित ने एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि जिस तरह से आसिफ जरदारी भाषण पढ़ने में बेबस दिखे, उससे दिल को बहुत दुख पहुंचा है। मुल्क का प्रेसीडेंट पूरे मुल्क का नुमाइंदा होता है। ऐसे में उनका जो मजाक उड़ रहा है, वो कहीं ना कहीं हर एक पाकिस्तानी का मजाक है। मुझे अपने देश के प्रेसीडेंट को इस तरह से देखना दुख देता है। अब्दुल बासित ने कहा, 'हम बहुत साफतौर से देख रहे हैं कि जरदारी से एक-एक शब्द पढ़ना मुश्किल हो रहा था। ऐसे लग रहा था कि उनको खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है।

महरंग बलूच पर आतंकवाद के मामले में दर्ज किया गया मामला

फिलहाल क्वेटा जेल में हैं बंद

क्वेटा, 24 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान पुलिस ने बलूचिस्तान की मानवाधिकार कार्यकर्ता महरंग बलूच पर आतंकवाद के आरोप में मामला दर्ज किया है। उनपर 150 अन्य लोगों के साथ मिलकर एक मुर्दाघर से जबरन शवों को ले जाने, हिंसा भड़काने और अन्य कथित अपराधों के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। 22 मार्च को महरंग बलूच के खिलाफ सरियाब पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर में आतंकवाद विरोधी अधिनियम और पाकिस्तान दंड संहिता की विभिन्न धाराएं शामिल की गई है। इन आरोपों में आतंकवाद, हत्या और हत्या का प्रयास, हिंसा और विद्रोह को भड़काना, अव्यवस्था पैदा करना और नस्लीय घृणा को बढ़ावा देना और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना जैसे अपराध शामिल हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने डॉन के हवाले से बताया कि ये मामला क्वेटा के सिविल अस्पताल की एक घटना से संबंधित है। आरोप है कि बलूच यकजेहती समिति के सदस्यों ने कथित तौर पर सिविल अस्पताल के मुर्दाघर पर हमला कर जाफर ट्रेन दुर्घटना के दौरान मारे गए पांच लोगों के शवों को जबरन ले गए थे। दर्ज की गई एफआईआर में कहा गया है कि बीवाईसी नेतृत्व ने कथित रूप से दंगाइयों को पुलिस अधिकारियों, राहगीरों और अपने स्वयं के प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाने के लिए उकसाया, जिसके चलते तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और 15 पुलिस अधिकारी घायल हो गए। वहीं, एफआईआर में बीवाईसी के जिन अन्य प्रमुख नेताओं का नाम शामिल है। उनमें बीबो बलूच, गुलजादी सतकजई, सबीहा बलूच, सबातुल्ला बलूच, गुलजार दोस्त, रियाज गशकोरी और शाली बलूच शामिल हैं। बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान के अधिकारियों ने शनिवार को महरंग बलूच और 17 अन्य को गिरफ्तार भी किया था।

बजट सत्र के अंतिम दिन स्पीकर को क्यों आया गुस्सा?

जूली की ये मांग पूरी नहीं हुई तो कांग्रेस का वॉकआउट

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के अंतिम दिन विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच जमकर नोकझोंक देखने को मिली। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली को पूरक सवाल पूछने की अनुमति नहीं मिलने पर कांग्रेस विधायकों ने सदन में हंगामा किया और वॉकआउट कर दिया।

दरअसल, विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान टीकाराम जूली बिजली से जुड़े एक और पूरक प्रश्न पूछना चाहते थे, लेकिन स्पीकर ने इसकी अनुमति नहीं दी। स्पीकर ने तर्क दिया कि जूली को पहले ही दो पूरक प्रश्न पूछने की अनुमति दी जा चुकी थी और नियमों के अनुसार इससे अधिक की इजाजत नहीं दी जा सकती।

नेता प्रतिपक्ष जूली ने इसे विपक्ष का अधिकार बताते हुए आपत्ति जताई, जिसके बाद उनकी स्पीकर

से बहस हो गई। कांग्रेस विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी और सदन की कार्यवाही में बाधा डाली।

स्पीकर देवनानी ने दी कड़ी चेतावनी

कांग्रेस विधायकों के हंगामे पर नाराजगी जताते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने सख्त लहजे में कहा कि इस तरह करोगे तो सहयोग की उम्मीद मत करना, मुझे कठोर कार्रवाई के लिए मजबूर मत करो। उन्होंने कांग्रेस विधायकों से बार-बार अपील की कि सत्र का अंतिम दिन है, इसे शांतिपूर्वक चलने दें, यह अच्छी परंपरा नहीं है, लेकिन हंगामा जारी रहा।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री जोगराम पटेल ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा कि विपक्ष के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे बेवजह सदन की कार्यवाही बाधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्पीकर तीन बार अनुरोध कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस केवल हंगामे की राजनीति कर रही है।

महत्वपूर्ण विधेयकों पर होनी है बहस

बताते चलें कि विधानसभा सत्र के अंतिम दिन तीन अहम विधेयकों पर चर्चा और मतदान प्रस्तावित है। पहला है, पुराने और गैर-जरूरी हो चुके 45 कानूनों को समाप्त करने वाला विधेयक। दूसरा, कोचिंग छात्रों की आत्महत्याएं रोकने और कोचिंग संस्थानों को रेगुलेट करने संबंधी विधेयक और तीसरा, शहरी विकास प्राधिकरणों के नियमों में बदलाव से जुड़ा विधेयक। इन विधेयकों के पारित होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने की संभावना है।

बीजेपी में कलह: चिकित्सा मंत्री के बेटे ने इस बड़े नेता पर साधा निशाना, कहा- 'गिराने से पहले सोच लेना'

नागौर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान भाजपा में कांग्रेस के बाद अब भीतरी कलह खुलकर सामने आने लगी है। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर प्रदेश की सियासत में हलचल पैदा कर दी है। नागौर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष धनंजय सिंह खींवसर ने भाजपा की वरिष्ठ महिला नेता पर बिना नाम लिए निशाना साधा है।

धनजंय सिंह खींवसर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि 'नव आगमन, नई उड़ान, पहले समझो, फिर करो गुमान। एक क्षेत्रीय नेत्री को बस यही संदेश, अनुशासन ही संगठन का विशेष आदेश। साथ ही उन्होंने संदेश देते हुए कहा कि गिराने से पहले सोच लेना, गिरा तो मसला बनकर खड़ा हो जाऊंगा..अभी तो चल रहा हूं अकेला, रोकोगे तो काफिला बन जाऊंगा।'

सियासी गलियारों में चर्चा है कि विधायक रेवंतराम डांगा के पत्र वायरल होने के पीछे ज्योति मिर्धा ने चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की ओर संकेत दिया है। गौरतलब है कि हाल ही में खींवसर से बीजेपी विधायक रेवंतराम डांगा द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखा गया एक पत्र लिखा गया था। जिसके सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ज्योति मिर्धा ने खुलासा किया था कि पत्र को वायरल करने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई है और जल्द ही इसकी जांच के बाद उस पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा था कि अफसोस की बात है कि इसका कनेक्शन हमारी ही पार्टी से निकलकर सामने आया है। मिर्धा ने यह भी बताया कि यह मामला पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के संज्ञान में है और कुछ लोग नहीं चाहते कि विधायक डांगा खींवसर में मजबूत स्थिति हासिल करें।

वहीं, इससे पहले भाजपा की वरिष्ठ नेता ज्योति मिर्धा ने गजेंद्र सिंह खींवसर के सामने एक बुजुर्ग किसान के पगड़ी उतारने पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा कि 'एक वीडियो बड़ा वायरल हो रहा है। जिसमें वीडियो में हमारी पार्टी के बड़े नेता बैठे हुए हैं, एक बुजुर्ग आदमी ने आकर के अपनी पगड़ी सम्मानपूर्वक सामने रख दी। मैं नहीं कहती कि उन्होंने जबरदस्ती रखवाया। लेकिन मैं जनता को इतना बताना चाहती हूं कि जमाना बदल गया। आज आपको किसी के सामने अपनी पगड़ी सम्मानपूर्वक रखने की जरुरत नहीं है। आप लोग मालिक हो, हम नेता है, आप हम पर काम करवा सकते हो।'

ज्योति मिर्धा ने बिना नाम लिए कहा कि 'मैं उन नेताओं से भी कहना चाहती हूं कि जमाना बदल गया है। परपंरागत तरीके से जो राजा रह रहे होंगे, वो राजा रहना चाहते होंगे। लेकिन उनको रोकने की जिम्मेदारी हमारी है। हमें नई शुरुआत करनी पड़ेगी। चाहें वह डीडवाना हो, नागौर हो या चाहे वो पूरा मारवाड़ हो।'

बीते दिनों चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के सामने एक बुजुर्ग किसान के पगड़ी उतारने का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि एक बुजुर्ग ने विकास कार्यों के लिए अभिवादन देते हुए मंत्री के सामने पगड़ी सम्मानपूर्वक उतारी। जिसे गजेन्द्र सिंह जी खींवसर ने सहजता से स्वीकार करते हुए पुनः पगड़ी पहनने का अनुरोध किया। बुजुर्ग किसान ने सहर्ष स्वीकार कर पगड़ी को फिर से पहना।

खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ बोले

राज्य में खेलों के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं होगा

जयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में खेल संघों की कार्यप्रणाली पर लगातार उठ रहे सवालों के बीच खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य में खेलों के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

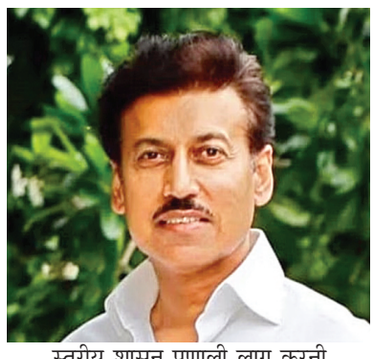

खेल मंत्री ने सुझाव दिया कि राजस्थान क्रीड़ा परिषद को राज्य के सभी खेल संघों और समितियों का वित्तीय ऑडिट करवाना चाहिए। ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। खासकर क्रिकेट एसोसिएशन जैसे महत्वपूर्ण निकायों में इस प्रकार की ऑडिट हो। खेल मंत्री ने यह भी कहा कि खेल परिषद को राज्य के सभी खेल निकायों, जिनमें क्रिकेट भी शामिल है, के लिए एक उच्च स्तरीय शासन प्रणाली लागू करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा अपनाई गई नीतियों की तरह राजस्थान में भी खेल संगठनों का संचालन किया जाना चाहिए।

हाल ही में राजस्थान क्रीड़ा परिषद ने राजस्थान राज्य ओलंपिक संघ समेत कई खेल संघों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि वे अपने संचालन में पारदर्शिता नहीं रखते हैं और नियमों का पालन नहीं करते हैं, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। राठौड़ ने अपने ट्वीट से इशारों-इशारों में खेल संघों से अपील की कि वे राजनीति से ऊपर उठकर केवल खेल के विकास पर ध्यान दें। साथ ही राठौड़ ने ये भी साफ कर दिया है कि खेल संघों को अपने कार्यों में सुधार करना होगा, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा प्रदेश में खेलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य की सभी खेल संघों और समितियों की जिम्मेदारी बनती है कि वे खेल और खिलाड़ियों के हित को प्राथमिकता दें और विवेकपूर्ण तरीके से फैसले लें।

वनविभाग की टीम पर खनन माफिया का हमला

बारां, 24 मार्च (एजेंसियां)। शाहबाद. जिले में खनन माफिया का दुस्साहस लगातार बढ़ता जा रहा है। शनिवार रात फॉरेस्ट स्टाफ अवैध खनन में लिप्त जेसीबी और ट्रैक्टरों पर कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम परन खनन माफिया ने हमला बोल दिया। इस दौरान फॉरेस्ट स्टाफ के साथ अभद्रता व मारपीट की गई। मुखबिर से इलाके में अवैध खनन होने की सूचना मिली थी। इसके अनुसार शाहाबाद रेंज के नाका मुंडियार क्षेत्र में जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग कर अवैध रूप से बजरी का खनन किया जा रहा था। इस सूसना पर घटना की गंभीरता को देखते हुए अनिल यादव, उप वन संरक्षक ने तत्काल कार्रवाई करते हुए डॉ. नवनीत शर्मा, सहायक वन संरक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया। इस टीम में राजेंद्र मेघवाल, रेंजर, शाहाबाद रेंज मय स्टाफ सहित किशनगंज और नाहरगढ़ रेंज के वनकर्मियों को शामिल किया गया। टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में संलिप्त वाहनों का पीछा किया और 1 जेसीबी और 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली को चलते समय जब्त किया। इस संदर्भ में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राजनीतिक संरक्षण प्राप्त खनन माफिया पूरी तैयारी के साथ अवैध खनन को रात के समय में अंजाम देते हैं साथ ही अगर कोई करण माफिया को रोकता है तो उनसे भी मारपीट पर उतारू हो जाते हैं।

चोरी छिपे अगर कहीं अवैध खनन हो रहा है तो उसे पर वन विभाग द्वारा करवाई की जाती है। क्षेत्र में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो लोग भी इसमें सम्मिलित होंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी।

वन स्टेट वन इलेक्शन पर यूटीएच मंत्री ने कहा सभी 305 निकायों में एक साथ चुनाव करवाए जाएंगे

सीकर, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में वन स्टेट वन इलेक्शन के तहत सभी 305 निकायों में एक साथ चुनाव करवाए जाएंगे। सीकर के नीमकाथाना में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने यह बड़ा बयान दिया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि राजस्थान में नगर निकाय चुनाव कब तक होंगे।

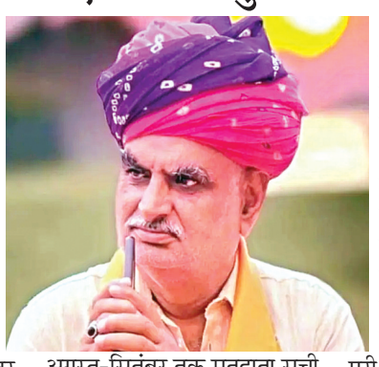

दरअसल, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने नीमकाथाना में एक निजी स्कूल के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए नगर निकाय चुनाव के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारी सांझा की।

मंत्री ने कहा कि मई तक नगर निकाय पुनर्गठन का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद मतदाता सूची पर काम शुरू होगा। उन्होंने आगे कहा कि अगस्त-सितंबर तक मतदाता सूची का काम समाप्त कर लिया जाएगा और नवंबर तक राज्य स्तर पर 'एक राज्य, एक चुनाव' के तहत सभी नगर निकाय चुनाव संपन्न करवा दिए जाएंगे।

इसके अलावा मंत्री ने नीमकाथाना को जिला बनाने के मुद्दे पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यह एक राज्य स्तर का नीतिगत निर्णय है और राज्य सरकार का मानना है कि जैसे एक व्यक्ति अपनी जेब की क्षमता को देखते हुए घर चलाने के लिए निर्णय लेता है, वैसे ही राज्य सरकारों को भी प्रशासनिक विस्तार से पहले अपनी आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करना चाहिए। मंत्री ने आरोप लगाया कि पूर्व सरकार ने बिना सोचे समझे जिलों और संभागों का गठन किया था। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि एक जिले को पूरी तरह से अस्तित्व में लाने के लिए कम से कम 5000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है।

मंत्री ने यह भी कहा कि पूर्व बजट में इस दिशा में कोई भी राशि निर्धारित नहीं की गई थी, जो कि प्रशासनिक विस्तार के लिए आवश्यक थी। राज्य सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक ढांचे का विस्तार नहीं, बल्कि उसे सुदृढ़ करना है ताकि समस्याओं का समाधान समय पर और प्रभावी रूप से हो सके।

75 साल बाद हिंदू नववर्ष पर राजस्थान दिवस महोत्सव की धूम, प्रदेशभर में होंगे कार्यक्रम

जैसलमेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च को राजस्थान दिवस के मौके पर राज्य सरकार वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप 25 से 31 मार्च तक प्रदेशभर में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश के गरीब, युवा, महिला और किसानों को विशेष सौगातें दी जाएंगी। इसके साथ ही निवेश उत्सव, सुशासन समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

राजस्थान दिवस समारोह का आगाज 25 मार्च को मरूधरा बाड़मेर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में आयोजित महिला सम्मेलन से होगा। वहीं 26 मार्च को किसान सम्मेलन एवं एफ.पी.ओ. कार्यक्रम के मुख्य समारोह का आयोजन बीकानेर में तथा 27 मार्च को गरीब एवं अन्त्योदय का मुख्य कार्यक्रम भरतपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी तरह 28 मार्च को सुशासन समारोह का आयोजन भीलवाड़ा में एवं 29 मार्च को युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन कोटा में होगा। राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 30 मार्च को एवं राज्य स्तरीय निवेश उत्सव 31 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के माध्यम से लाड़ो प्रोत्साहन योजना की लाभार्थियों एवं विभिन्न महिला समूहों को सीआईएफ राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। साथ ही प्रदेश की महिलाओं को इंडक्शन कुकटॉप, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत स्कूटी वितरण एवं विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वितों को स्वीकृति पत्र का वितरण सहित कई सौगातें दी जाएंगी। इसी तरह किसान सम्मेलन के तहत किसानों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत अनुदान हस्तांतरण के माध्यम से लाभान्वित किया जाएगा।

गरीब और अन्त्योदय समारोह के अंतर्गत निर्माण श्रमिकों को डीबीटी, डेयरी बूथ अलॉटमेंट, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा वितरण एवं विद्युत चालित चाक का वितरण सहित विभिन्न सौगातें दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण भी वितरित किए जाएंगे। वहीं सुशासन समारोह के तहत प्रदेश की जनता को विभिन्न कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्पण की भी सौगात दी जाएगी। इसी तरह युवा एवं रोजगार उत्सव के अंतर्गत विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। इसके साथ ही बजट घोषणाओं की अनुपालना में राज्य सरकार कौशल नीति एवं युवा नीति भी जारी करेगी।

राजस्थान की यूनिवर्सिटी सुनीता विलियम्स और रिचर्ड्स रॉबर्ट्स को देगी मानद उपाधि, अप्रैल में दीक्षांत समारोह होना प्रस्तावित

भरतपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय की ओर से प्रसिद्ध अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एवं नोबल पुरस्कार विजेता रिचर्ड्स राबर्ट्स को डॉक्टर ऑफ साइंस (ऑनेरिस कॉसा) को मानद उपाधि दी जाएगी। विवि ने अपनी अकादमिक परिषद एवं प्रबंध मंडल की बैठक में यह निर्णय लिया है।

बृज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमेशचन्द्रा ने बताया कि भारतवंशी एवं प्रसिद्ध अमेरिकन अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स के पिता दीपक पंड्या गुजरात के मेहसाणा के मूल निवासी थे। अमेरिकी नौसेना में अधिकारी रहीं सुनीता विलियम्स ने लारिडा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलोजी से मास्टर ऑफ साइंस की उपाधि अर्जित की है। अन्तरिक्ष में सबसे अधिक समय बिताने वाली सुनीता अनेक स्पेस मिशन का हिस्सा रही हैं और कुल चार अन्तरिक्ष यात्राओं में अन्तरिक्ष के रहस्यों से जानने के लिए सैकड़ों प्रयोग व शोध पूरे किए हैं, जिससे अन्तरिक्ष संबंधी शोध में मदद मिलेगी तथा पूरे विश्व में भारत का गौरव बढ़ेगा।

वहीं, दूसरी ओर प्रसिद्ध ब्रिटिश जीव रसायनज्ञ एवं मॉलिक्यूलर जीव विज्ञानी रिचर्ड जे. रोबर्ट्स को 1993 में फिजियोलॉजी व मेडिसिन में फिलिप एलन शार्प के साथ संयुक्त रूप से नोबल पुरस्कार प्रदान किया गया। डीएनए के गूढ़ रहस्यों को जानने में रिचर्ड्स जे. रोबर्ट्स के शोध से जीव विज्ञानियों को मदद मिली है। विवि के कुलपति प्रो. रमेश चन्द्रा डिप्यूटी कान्सूल जनरल ऑफ इण्डिया डॉ. वरुण जेफ के माध्यम से सुनीता विलियस के संपर्क में हैं तथा राजभवन से इस संदर्भ में अनुमति प्राप्त होते ही कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

अप्रेल माह में प्रस्तावित है दीक्षांत समारोह

उच्च शिक्षा संस्थानों की ओर से उन प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मानद उपधियों से विभूषित किया जाता है, जिन्होंने अध्ययन के किसी क्षेत्र या समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया हो। इसी क्रम में बृज विवि ने अन्तरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एवं नोबल पुरस्कार विजेता रिचर्ड्स राबर्ट्स को मानद उपाधि दिए जाने का निर्णय किया है। अप्रेल में प्रस्तावित पंचम दीक्षान्त समारोह में ये उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इसके लिए प्रस्ताव तैयार कर राज्यपाल के अनुमोदनार्थ भेजा जा रहा है।

वनरक्षक परीक्षा पेपर लीक मामले में दो महिला वनरक्षक हिरासत में, पूर्व कांग्रेस पार्षद ने खोले कई राज

बाड़मेर, 24 मार्च (एजेंसियां)। वनरक्षक परीक्षा पेपर लीक मामले में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और पूर्व कांग्रेस पार्षद नरेश देव उर्फ एनडी सारण से हुई पूछताछ के बाद एसओजी की टीम ने दो वनरक्षकों को गिरफ्तार किया है। जबकि सारण को कोर्ट में पेश कर 1 अप्रैल तक रिमांड पर लिया है।

दरसअल जयपुर एसओजी की टीम ने वनरक्षक परीक्षा पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए बाड़मेर में एक दिन पहले पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष और पूर्व कांग्रेस पार्षद नरेश देव उर्फ एनडी सारण को गिरफ्तार किया था। नरेश देव पर आरोप है कि उसने 13 नवंबर 2022 को होने वाली वनरक्षक परीक्षा का प्रश्नपत्र दो उम्मीदवारों सीमा कुमारी और टिमो कुमारी को परीक्षा से पहले पढ़ाया था। जांच में सामने आया है कि नरेश देव ने इस कार्य के लिए अपने दलाल का सहारा लिया था और दोनों वनरक्षकों से 6-6 लाख रुपये की राशि वसूल की थी। एसओजी की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार एसओजी की पूछताछ में नरेश देव ने कई अहम खुलासे करते हुए बताया कि उसने वनरक्षक सीमा कुमारी व टिमो कुमारी को 13 नवंबर 2022 का वनरक्षक परीक्षा का पेपर उदयपुर में अपने दलाल के मार्फत परीक्षा से पूर्व पढ़ाया था, जिसकी एवज में उसने 6-6 लाख रुपए दोनों वनरक्षकों से प्राप्त किए थे।

लेपर्ड पानी निकासी पाइप में फंसा

वन विभाग ने ट्रेंक्यूलाइज से रेस्क्यू किया

उदयपुर, 24 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर जिले के मावली तहसील के मांगथला गांव में शनिवार शाम एक लेपर्ड के देखे जाने से हड़कंप मच गया। शुरुआत में इसे गांव के पास पहाड़ी पर घूमते हुए देखा गया, लेकिन कुछ देर बाद यह आबादी क्षेत्र में पहुंच गया। लेपर्ड के गांव में घुसने से लोग दहशत में आ गए और अफरा-तफरी मच गई।

भागते हुए यह लेपर्ड सड़क किनारे बने पानी निकासी के पाइप में घुस गया और वहीं फंस गया। ग्रामीणों ने जब इसे देखा तो तुरंत वन विभाग को सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। चूंकि लेपर्ड तंग पाइप में फंस चुका था, इसलिए उसे सुरक्षित निकालने के लिए विशेष सावधानी बरती गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन घंटों तक चला, जिसके बाद देर शाम वन विभाग की टीम ने लेपर्ड को ट्रेंक्यूलाइज कर दिया। ट्रेंक्यूलाइजर का असर होने के बाद टीम ने उसे पाइप से बाहर निकाला। इस दौरान वन विभाग की टीम ने लेपर्ड के स्वास्थ्य की जांच की, जिसमें वह घायल पाया गया। इसके बाद उसे उदयपुर ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया जाएगा।

599 लोगों के मिले अश्लील वीडियो

4 थानों की पुलिस ने मिलकर पकड़ा सेक्सटॉर्शन गिरोह

दौसा, 24 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में चार थानों की पुलिस ने सेक्सटॉर्शन करते दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। साथ ही इनके कब्जे से 4 लाख रुपए से अधिक की नकदी व कई मोबाइल, एटीएम कार्ड जब्त किए हैं। इनके मोबाइलों में लोगों को फंसाने के लिए अश्लील वीडियो, वीडियो क्लिप, रुपयों की डिमांड के चैट आदि मिले हैं। पुलिस ने मंडावर थाना इलाके के कोट गांव से दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार कोट, नागल मेव, इशरपुर सहित दर्जनों गांवों में लंबे समय चल रहे सेक्स टॉर्शन के मामले को पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने गंभीरता से लेते हुए एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत सीओ महुवा रमेशचंद तिवाड़ी को कार्रवाई के निर्देश दिए। जहां मुखबिर की सूचना पर सीओ महुवा के नेतृत्व में महुवा थानाधिकारी राजेंद्र मीणा, सलेमपुर, बालाहेडी व मंडावर पुलिस थानों की टीम गठित की।

मुखबिर की सूचना पर टीम कोट गांव में बांध की पाळ पर सादा वर्दी व प्राइवेट गाड़ी से पहुंची। जहां बदमाशों को दबोच लिया। तलाशी लेने पर रुपयों से भरा बैग व फोन में चैट, एटीएम कार्ड मिले। पुलिस ने बताया कि आशिफ अली पुत्र हमीद खान कोट व अदनान खान पुत्र हमीद खान निवासी कोट को गिरफ्तार कर इनके पास से 4 लाख 56 हजार रुपए नकद, कई महंगे मोबाइल, कई बैंकों के एटीएम कार्ड को जब्त कर लिया है। आरोपियों के मोबाइल में 599 लोगों के अश्लील वीडियो, स्क्रीन शॉट के फोटो, रुपयों की डिमांड के चैट मिले हैं।

142वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 239 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री बालाजी मंदिर ट्रस्ट राजस्थानी समाज शेर लिंगमपल्ली के सहयोग से 142 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर शेर लिंगमपल्ली तारा नगर स्थित श्री बालाजी मंदिर में संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, किम्स सनशाइन हॉस्पिटल द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा जेन मेड एंड कैडियो डॉ. गायत्री, ऑर्थो डॉ. शर्ली, नर्सिंग स्टाफ सुजा, जॉर्डन, निरोशा, 2डी इको तकनीशियन गौतम, बीएमडी तकनीशियन मोहन, मार्केटिंग उदय कुमार ने सेवा प्रदान की। एलसीएस साधुराम नेत्र चिकित्सालय डोमलगुडा द्वारा नेत्रों की जांच की गई जिसमें 194 लोगों के आंखों की जांच की गई जिसमें मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए 9 का चयन किया गया और 85 को चश्मे वितरित किये गये। अवसर पर ऑप्टोमेट्रिस्ट पी.विजयश्री, लक्ष्मण, भरत, राहुल, शिविर संयोजक यादगरी, भास्कर, सलमान ने सेवा दी। डॉ. अखिला क्लिनिक के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल खिरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की गई। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति हैदराबाद द्वारा कृत्रिम अंग वितरण का शिविर लगाया गया जिसमें 2 रोगियों को निशुल्क कृत्रिम अंग, कैलिपर्स आदि का वितरण किया गया।

फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियोकेयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा की गई। स्त्री रोग की जांच एनईओ एशियन क्लीनिक्स की डॉ. सी.नाग जयंती द्वारा की गई। शिविर का 239 से अधिक रोगियों ने लाभ लिया।

शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल मुख्य अतिथि विधायक अलकापुरी, निगमायुक्त रंगम नागेन्द्र यादव, नगरसेवक रथनाथ रेड्डी, पूर्व परामर्शदाता वीरेशम भगवान. स्थानीय भागीदार श्री बालाजी मंदिर ट्रस्ट, राजस्थानी समाज सीरिलिंगमपल्ली, कामगार सदस्य. राजेंद्र तिवारी, अशोक पारीक, महेश शर्मा, कमल किशोर मूण्डा, सत्यलाल धानुका, बंचना राम जाट, समाज के संस्थापक सोहन लाल दायमा, मोनिका जोशी, ताराचंद जोशी, सुखदेव जोशी, रामनिवास जोशी, परमोत्तम तिवारी, दामोदर तिवारी, माधो किशन तिवारी, रमेश बोहरा, जी विनोद जोशी, मंडल तिवारी, दीन बोहरा, कैलाश पांडिया, हितेश पांडिया, महावीर जोशी, संतोष व्यास, भगवान वैष्णव, वालाराम चौधरी, अनंतलाल सीरवी, सिद्धार्थ अग्रवाल, स्वयंसेवक निर्मला केडिया, सुमन भुवानिया, बबीता गर्ग, सुनयना नारसरिया, अंकित, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकर लाल यादव, घनश्याम यादव सहित पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने अपना सहयोग प्रदान किया।

किसानों ने आदिलाबाद एसपी को किया सम्मानित

साइबर जालसाज से वापस कराया था धन

आदिलाबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के विभिन्न हिस्सों से आए पांच किसानों ने डाक विभाग के एक कर्मचारी के खाते में अवैध रूप से ट्रांसफर किए गए पैसे को वापस दिलाने के लिए पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन का आभार जताया। उन्होंने सोमवार को अखिल का अभिनंदन किया। भीमपुर मंडल के किसान जिल्लेला मोहन, थांटोली के नक्कला जगदीश, चिंचूघाट के नागुबाई, अरली (टी) की अशम्मा, जलाला वेंकट और जगदम्बा उर्वरक ने अधीक्षक को डाक विभाग के एक कर्मचारी द्वारा 2024 में उसके खाते में अवैध रूप से ट्रांसफर किए गए 8 लाख रुपये की वसूली के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए धन्यवाद दिया।

अखिल ने लोगों को सलाह दी कि साइबर जालसाजों द्वारा धन की हानि या किसी अन्य साइबर संबंधी अपराध की सूचना तुरंत पुलिस को टोल फ्री नंबर 1930 पर दें। इस अवसर पर साइबर क्राइम डीएसपी हसीबुल्लाह और स्टाफर येसुदास मौजूद थे।

जीएम ने 14 कर्मचारियों को 'माह का कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान 14 कर्मचारियों को फरवरी, 2025 महीने के लिए माह का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। महीने का कर्मचारी पुरस्कार उन कर्मचारियों को दिया जाता है, जिन्होंने असुरक्षित परिस्थितियों को रोकने के लिए असाधारण सतर्कता और कर्तव्य के प्रति समर्पण दिखाया है। बैठक में एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक ने असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए त्वरित कार्रवाई करने के लिए सिकंदराबाद डिवीजन-3, हैदराबाद डिवीजन-2, विजयवाड़ा डिवीजन-3, गुंतकल डिवीजन-4 और नांदेड़ डिवीजन-2 से

संबंधित कर्मचारियों को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। कर्मचारी लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, स्टेशन अधीक्षक, पॉइंट्स मैन, ट्रैक मेंटेनर, तकनीशियन और गेट मैन जैसी विभिन्न श्रेणियों के हैं।

महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और उन्हें अत्यंत समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की प्रतिबद्धता के लिए सराहना की। उन्होंने सिग्नल एवं दूरसंचार, इंजीनियरिंग, मैकेनिकल आदि विभिन्न विभागों से संबंधित जोन में चल रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ट्रेन परिचालन में सुरक्षा बढ़ाने के लिए फील्ड स्तर के कर्मचारियों को परामर्श सत्र जारी रखें। महाप्रबंधक ने एमएमटीएस और उपनगरीय ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा पर भी विस्तृत चर्चा की। उन्होंने प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त को महिला यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए राजकीय रेलवे पुलिस के साथ समन्वय स्थापित करने की सलाह दी। उन्होंने संवेदनशील खंडों में पटरियों पर मवेशियों के अतिक्रमण की भी समीक्षा की। उन्होंने डिवीजनों द्वारा लागू किए गए एहतियाती उपायों का जायजा लिया और पशुपालकों के लिए और अधिक सुरक्षा अभियान और परामर्श सत्र आयोजित करने की सलाह दी।

विशेष रेल सेवाओं का विस्तार

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने विभिन्न गंतव्यों के बीच निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों को चलाने के लिए विस्तार किया है। ट्रेन संख्या 07191 (काचीगुडा-मदुरै) 7 अप्रैल से 5 मई तक सोमवार को, ट्रेन संख्या 07192 (मदुरै-काचेगुडा) 9 अप्रैल से 7 मई तक बुधवार को, ट्रेन संख्या 07189 (नांदेड़-इरोड) 4 अप्रैल से 2 मई तक शुक्रवार को, ट्रेन संख्या 07190 (इरोड-नांदेड़) 6 अप्रैल से 4 मई तक रविवार को, ट्रेन संख्या 07435 (काचीगुडा-नागरकोइल) 4 अप्रैल से 2 मई तक शुक्रवार को, ट्रेन नं. 07436 (नागरकोइल-काचीगुडा) 6 अप्रैल से 4 मई तक रविवार को, ट्रेन नं. 07601 (सिकंदराबाद-विल्लुपुरम) 3 अप्रैल से 1 मई तक गुरुवार को, ट्रेन नं. 07602 (विल्लुपुरम-सिकंदराबाद) 4 अप्रैल से 2 मई शुक्रवार तक सेवा देगी।

हैदराबाद में बिहार दिवस आयोजन संपन्न

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार फाऊंडेशन का स्थापना बिहार सरकार के द्वारा 2006 में हुआ था एवं बिहार फाऊंडेशन चैप्टर हैदराबाद 2010 में शुरू हुआ जिसके माध्यम से बिहार के कला, संस्कृति व बिहारब्रांड रूप को बिहार प्रवासियों के बीच रखा जाता है।

आज के इस आयोजन से हम बिहार के खान-पान, परिधान और कला के साथ ही पारंपरिक बिहारी गीत प्रस्तुत किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि संदीप सुल्तानिया, आई.ए.एस एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष मुनेंद्र आई.एफ.एस (सेवानिवृत्ति) थे। हैदराबाद में कार्यरत पेशेवरों एवं सामाजिक संस्था के प्रमुखों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्था सचिव, उत्तम यादव, महासचिव, हरे राम सिंह एवं अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा द्वारा प्रेरक विचार व्यक्त किए गए। आयोजन समिति के अध्यक्ष श्री मुनेंद्र जी ने सभा को संबोधित करते हुए तेलंगाना राज्य में बिहारीयो के योगदान के बारे में विस्तार से बताया वही मुख्य अतिथि संदीप सुल्तानिया ने प्रवासी बिहारियो को बिहार में उद्योग लगाने हेतु प्रोत्साहित किया। आयोजन के समापन पर श्री दशरथ यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

समारोह आयोजन में विनोद गुप्ता, दिलीप कुमार, दिनेश सिंह, अशोक प्रसाद सिंह, रविशंकर सिंह, अखिलेश सिंह, गोपाल भगत, दीपक यादव,भरत सिंह, जितेंद्र सिंह आदि बडी संख्या में् प्रमुख भूमिका निभाई।

भाग्यनगर हैदराबाद में बैंकिंग सेवा में अग्रणी : चेयरमैन पीके केडिया

हैदराबाद, 24 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। अग्रसेन को-आपरेटिव अर्बन बैंक लि. ने अपने मलकपेट शाखा परिसर में व्दितीय एटीएम का उद्घाटन किया।

इस संदर्भ में, अग्रसेन बैंक के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि, अग्रसेन बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया, सीनियर वाईस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अगरवाल, बीओएम चेयरमैन नारायण दत्त ने मिलकर मलकपेट में व्दितीय एटीएम का उद्घाटन किया। इस दौरान चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने बताया कि, बैंक द्वारा शुरु की गयी नई योजनाएं जैसे फिक्स्ड डिपाजिट्स, रिकरिंग डिपाजिट्स असंख्य ग्राहकों को आकर्षित कर रही है।

इस दौरान अग्रसेन बैंक चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने मीडिया को बताया कि, हमारे बैंक द्वारा नवीन रुप से प्रारंभ की गयी जमा योजनाएं(डिपाजिट स्कीम्स) जैसे 555 दिवसीय फिक्स्ड डिपाजिट पर, एर्निंग कम्पाउण्डिंग इंटरेस्ट के रुप में, सर्वसामान्य नागरिकों को 9 प्रतिशत ब्याज एवं वरिष्ठ नागरिकों को 9.5 प्रतिशत आकर्षक ब्याज दिया जा रहा है।

साथ ही भविष्य के बालकों के लिए आवर्ती जमा(रिकरिंग डिपाजिट्स फार फ्युचर स्टार्स - किड्स) आकर्षक योजना में 120 महिने तक, प्रति माह रु.5,500 जमा करने पर रु.10.10 लाख रुपये तथा 60 महिने तक प्रति माह रु.14,000 जमा करने पर रु.10.34 लाख की राशि तत्संबंधित बच्चों को प्राप्त होगी। उपरोक्त इन दोनों आकर्षक योजनाओं से निःसंदेह सर्वसामान्य नागरिकों एवं वरिष्ठ नागरिकों को लाभ होगा साथ ही बच्चों का भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा। इस बारे में चेयरमैन केडिया खुशी जताते हुए ने यह भी बताया कि उपरोक्त आकर्षक योजनाओं के लिए अधिकाधिक प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है।

इस बारे में अग्रसेन चेयरमैन प्रमोद कुमार केडिया ने आगे बताया कि, वर्तमान में अत्तापुर, हिमायत नगर व बंजारा हिल्स में हाल ही में खोली गयी, हमारी 3 नई शाखाएं निरंतर विकास के पथपर अग्रसर हैं। अग्रसेन बैंक यह योजना बना रही है कि, हमारे बैंक ब्रांच नेटवर्क को अधिकाधिक प्रगति करने का लक्ष्य के चलते, आगामी वित्तीय वर्ष में बैंक की न्यूनतम 3 से 4 शाखाएं खोली जाये एवं इसके साथ ही एटीएम नेटवर्क भी वृध्दि होगी।

इस उद्घाटन अवसर पर, तत्संबंधित अन्य बैंक के निदेशकों ने हिस्सा लिया उनमें, सीए पंकज कुमार अगरवाल, महेश कुमार अगरवाल, राजेश कुमार अगरवाल, अशोक कुमार विशेष आमंत्रितगण आदि शामिल हैं साथ ही अग्रसेन बैंक के जिन प्रमुखों ने हिस्सा लिया उनमें, सीईओ सी.वी. राव, डीजीएम आनन्द अगरवाल, शाखा प्रबंधक शंकर चंद्र रेड्डी, बैंक मुख्यालय से संबंधित अधिकारी श्रीमती संतोष शर्मा तथा तत्संबंधित बैंक कर्मचारीगण शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के खिलाफ शिकायत दर्ज

बीआरएस ने नकली नोटों पर टिप्पणी को दर्ज कराई शिकायत

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के खिलाफ पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। उन्होंने उन पर चुनाव के दौरान नकली नोट छापने और बांटने का आरोप लगाया है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण और बीआरएसवी (छात्र विंग) के अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव ने बंजारा हिल्स पुलिस से संपर्क कर संजय के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। बीआरएस नेताओं ने रविवार को भाजपा कार्यालय में दिए गए केंद्रीय मंत्री के बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने चंद्रशेखर राव से जुड़े बीदर में नकली नोट छापने वाली इकाई के अस्तित्व का आरोप लगाया था।

मीडिया से बात करते हुए श्रवण और श्रीनिवास यादव ने संजय की टिप्पणी की निंदा की और कहा कि इस तरह के निराधार आरोप सार्वजनिक अशांति को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने मांग की कि केंद्रीय मंत्री को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए, लेकिन बंडी संजय बिना किसी सबूत के झूठ फैला रहे हैं।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में आरो प्लांट का उद्घाटन

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में सोमवार को एक नवीनतम आरो प्लांट का उद्घाटन किया गया। यह उद्घाटन कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्य रूपिंदर सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के शिक्षक दंपती आरती सिंह एवं अनुराग सिंह के द्वारा पारंपरिक रूप से भगवान गणेश एवं मां गंगा की पूजा आराधना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे। यह आरो प्लांट विद्यालय के 1992 बैच के विद्यार्थियों के द्वारा दान में दिया गया है।

इस अवसर पर 1992 बैच की पूर्व छात्रा प्रवीणा ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इसके अलावा विद्यालय के 1995 बैच के विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इस पल को और भी ऐतिहासिक बना दिया। प्राचार्य रूपिंदर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि विद्यालय में आरो प्लांट विद्यालय के विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण कदम है एवं इसके लिए उन्होंने 1992 बैच के विद्यार्थियों को हृदय की गहराइयों से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरित किया गया।

अलियाबाद में भैल बधावा कार्यक्रम आज

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अलियाबाद स्थित सीरवी शिक्षा समिति प्लॉट में सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुटा समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भैल बधावा एवं रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम मंगलवार 25 मार्च प्रातः 9.15 बजे भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ व सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्त रूप से बताया कि प्रातः 9.15 बजे से पुजा-अर्चना, महिलाओं द्वारा कलश यात्रा के साथ भैल बधावा व रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा व सचिव निर्मला देवड़ा ने महिलाओं से निवेदन किया है कि राजस्थानी वेष-भूषा में समय पर पधारकर कलश-यात्रा में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेवे। पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए प्रातः 11.15 बजे से भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में तीनों कमिटियों के सदस्यगण सपरिवार उपस्थित रहेंगे। शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार व सचिव चेलाराम भायल ने समाज बन्धुओं से निवेदन किया है अधिक से अधिक संख्या में सपरिवार समय पर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनावे।

आज पुलिस कमिश्नर सी.वी. आनंद से बशीर बाग कमिश्नर ऑफिस में 6 अप्रैल को रामनवमी शोभा यात्रा के संदर्भ में श्रीराम नवमी उत्सव समिति के अध्यक्ष डॉ. भगवत राव, महामंत्री गोविंद नारायण राठी, करोड़ीमल नरसिंहपुरिया, समिति के सदस्य एम. वेंकटम महेंद्र व्यास रामव्यास एम. रामाराजू नारायण सारदा एवं परमेश्वरी सिंह तथा आनंद सिंह ने कमिश्नर से मिलकर 6 अप्रैल को रामनवमी के शोभायात्रा के संदर्भ में आवेदन दिया।

बीआरएस में शामिल हुए पूर्व सरपंच को पुलिस ने हिरासत में लिया

राजन्ना-सिरसिला, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस छोड़कर बीआरएस में शामिल होने वाले कांग्रेस नेताओं को सत्ताधारी पार्टी द्वारा परेशान करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में वेंकटरोपली के पूर्व सरपंच बुरगुला नंदैया को भी कांग्रेस छोड़कर बीआरएस में शामिल होने के बाद परेशानी का सामना करना पड़ा। अगले ही दिन, बोइनपल्ली पुलिस ने नंदैया को पुलिस स्टेशन में बुलाया और 17 मार्च को सोशल मीडिया पर झूठा प्रचार फैलाने के लिए स्पष्टीकरण मांगा। हालांकि वह ठीक से चलने में असमर्थ थे क्योंकि कुछ हफ्ते पहले उनकी हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी हुई थी, फिर भी पुलिस उन्हें पुलिस स्टेशन ले गई। यह कार्रवाई 16 मार्च को पूर्व विधायक सनके रविशंकर की मौजूदगी में कुछ युवा कांग्रेस नेताओं के साथ नंदैया द्वारा बीआरएस में शामिल होने के बाद की गई थी। हालांकि 20 कांग्रेस कार्यकर्ता बीआरएस में शामिल हुए थे, लेकिन मीडिया के कुछ हिस्सों ने इसे 50 बताया। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने नंदैया के खिलाफ सोशल मीडिया पर गलत आंकड़े फैलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस 17 मार्च को नंदैया को थाने ले गई। घटना के बारे में पता चलने पर रविशंकर थाने पहुंचे और चेतावनी दी कि अगर नंदैया को रिहा नहीं किया गया तो वे मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाएंगे।

खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में योगदान करते हैं : एसपी

आसिफाबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आपके लिए कार्यक्रम के अंतर्गत जिला पुलिस अधीक्षक डी.वी. श्रीनिवास राव आईपीएस ने जिला पुलिस विभाग के तत्वावधान में कौटाला पुलिस स्टेशन में जिले के युवाओं के लिए वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया। युवाओं को अवैध ड्रग्स और मारिजुआना जैसे नशीले पदार्थों से दूर रहना चाहिए।

पुलिस फॉर यू कार्यक्रम के तहत जिला पुलिस विभाग द्वारा आज से कौटाला पुलिस स्टेशन में जिले के युवाओं के लिए तीन दिवसीय वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक डी.वी. श्रीनिवास राव ने उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और रिबन काटकर, शांति ध्वज और गुब्बारे उड़ाकर वॉलीबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं के दैनिक जीवन में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला पुलिस विभाग के तत्वावधान में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दूरदराज के क्षेत्र में खेल परिसर स्थापित करने से ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। इस प्रतियोगिता में जिला भर से कुल 64 टीमें भाग ले रही हैं तथा इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता के फाइनल में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोगों को सट्टेबाजी ऐप और लोन ऐप का सहारा लेकर अपनी जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि युवाओं को अवैध ड्रग्स और मारिजुआना जैसे नशीले पदार्थों से दूर रहना चाहिए। इस कार्यक्रम में आसिफाबाद सब-डिवीजन एएसपी चित्तरंजन, कागजनगर डीएसपी रामानुजम, कौटाला सीआई मुत्यम राजू, सीआई राजेंद्र प्रसाद, श्रीनिवास राव, कौटाला एसआई मधुकर, एसआई नरेश, प्रवीण, कोमुरैया, राजू, संदीप, महेंद्र और अन्य पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

बीजेपी राजपूत सेवा संघ का वार्षिक समारोह संपन्न

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी राजपूत सेवा संघ का वार्षिक समारोह गीता ज्ञान भवन, आर.के. पुरम में संपन्न हुआ।

समारोह में यूपी के पूर्व विधायक एवं सपा के महासचिव मनोज सिंह उर्फ़ डब्लू सिंह मुख्य अतिथि थे। उनके साथ आर.पी सिंह हरे राम सिंह (बिहार एसोसिएशन अध्यक्ष) संजय सिंह भी उपस्थित थे।

कोर कमिटी अध्यक्ष ललन सिंह उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह महासचिव धनंजय राज सिंह जॉइंट सेक्रेटरी अविनाश सिंह, ट्रेजर एम.बी. सिंह एवं आनंद सिंह, एस.के. सिंह, डी.के. सिंह, सहित कमिटी मेंबर्स नवीन बिहारी सिंह, अजय सिंह, पप्पू सिंह, आनंद सिंह, गणपत सिंह रविंद्र सिंह सचिन सिंह, के.के. सिंह, विनोद सिंह, कलिंदर सिंह, सुशील सिंह धर्मेंद्र सिंह, हरि सिंह, रामानतापुरम से रवि शंकर सिंह, सुरेश सिंह, पवन सिंह, सिकंदर सिंह, सुजीत सिंह उपस्थित रहे। समारोह में महिलाएं एवं बच्चों ने काफी अपना भव्य एवं सराहनीय रंगारंग प्रोग्राम दिए, उन्हें मोमेंटो एवं प्राइस देकर उन्हें भी सम्मानित किया गया।

एलबी स्टेडियम के आसपास वाहनों की आवाजाही पर आज रहेगा प्रतिबंध

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर की यातायात पुलिस के अनुसार, सरकार द्वारा आयोजित इफ्तार डिनर के मद्देनजर शाम 4 बजे से रात 8 बजे के बीच एलबी स्टेडियम के आसपास की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। नतीजतन, एलबी स्टेडियम की ओर जाने वाले सभी मुख्य मार्गों पर यातायात जाम की आशंका है और पुलिस ने लोगों को कई मार्गों पर यात्रा करने से बचने की सलाह दी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हरभजन सिंह पर गंभीर आरोप, नस्लभेदी टिप्पणी पड़ी भारी, आईपीएल से बैन करने की उठी मांग

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 की शुरुआत में ही एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है. भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह अपनी कमेंट्री के चलते फैंस के निशाने पर आ गए हैं. दरअसल, सोशल मीडिया पर हरभजन सिंह का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है. ये वीडियो राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए मुकाबले का है, जिसमें उन्होंने एक ऐसा कमेंट किया है, जिसने खलबली मचा दी है. फैंस उन पर नस्लभेदी टिप्पणी करने का आरोप लगा रहे हैं.

हरभजन सिंह ने की नस्लभेदी टिप्पणी?

दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये वीडियो राजस्थान रॉयल्स की पारी के 18वें ओवर का है. तब पिच पर ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन बल्लेबाजी कर रहे थे और जोफ्रा आर्चर गेंदबाजी पर थे. इस दौरान जब क्लासेन ने आर्चर की दूसरी और तीसरी गेंद पर लगातार चौके लगाए, तो हरभजन सिंह ने कहा, लंदन में काली टैक्सी का मीटर तेज भागता है, और यहां पर आर्चर साहब का मीटर भी तेज भागा है.' उनका ये कमेंट पर जमकर वायरल हो रहा है और फैंस ने उन्हें कमेंट्री से बैन करने की मांग उठा रहे हैं.

फैंस का मानना है कि हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की तुलना 'ब्लैक टैक्सी' से की है, जो एक नस्लभेदी टिप्पणी है. एक यूजर ने लिखा, 'हरभजन सिंह ने जोफ्रा आर्चर को हिंदी कमेंट्री में काली टैक्सी कहा. यह बहुत ही खराब बात है. कृपया इन्हें बैन कीजिए.' वहीं, एक यूजर ने लिखा, 'नस्लवाद चरम पर, हरभजन सिंह आर्चर काली को काली टैक्सी को बुला रहे हैं.'

जोफ्रा आर्चर का काफी खराब प्रदर्शन

जोफ्रा आर्चर ने इस मुकाबले में आईपीएल के इतिहास का सबसे महंगा स्पेल फेंका. उन्होंने 4 ओवर में 76 रन खर्च किए. आर्चर ने पहले ही ओवर में 23 रन दिए. इसके बाद आर्चर ने दूसरे ओवर में 12 रन, तीसरे में 22 और चौथे ओवर में 19 रन देकर ये शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. आर्चर से पहले मोहित शर्मा ने सबसे महंगा स्पेल डालने वाले गेंदबाज थे. उन्होंने पिछले सीजन के एक मैच में 73 रन खर्च किए थे. वहीं, बेसिल थंपी भी एक बार 70 रन का स्पेल फेंक चुके हैं.

हर्ष भोगले ने लिखा- इंडिगो ऑफिशियल्स को डिनर पर बुलाऊंगा

जब तक टेबल न सजे, इंतजार कीजिएगा

कमेंटेटर फ्लाइट में देरी से नाराज थे

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। क्रिकेट कमेंटेटर हर्ष भोगले ने इंडिगो की फ्लाइट में देरी होने पर सोशल मीडिया पर अपने अंदाज में पोस्ट लिखकर नाराजगी जताई। इसके बाद एयरलाइन ने देरी के लिए माफी मांगी। भोगले ने इंडिगो पर तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर लिखा- एक दिन मैं इंडिगो के लोगों को डिनर के लिए अपने घर पर न्योता देने जा रहा हूं। उनसे कहूंगा कि वे तब तक दरवाजे के बाहर इंतजार करें, जब तक कि टेबल न सजा दी जाए और खाना न पक जाए। हमेशा इंडिगो पहले, यात्री आखिर में।

एयरलाइन ने भोगले से मांगी माफी

हर्षा के पोस्ट पर एयरलाइन ने भी कमेंट किया और थोड़ी देरी के लिए माफी मांगी। एयरलाइन ने दावा किया कि फ्लाइट में चढ़ने के दौरान व्हीलचेयर पर बैठे लोगों को प्राथमिकता देने के कारण फ्लाइट में देरी हुई।

इसके साथ ही एयरलाइन की ओर से कहा गया कि कभी-कभी रिमोट बे बोर्डिंग में थोड़ा ज्यादा वक्त लग सकता है, जो एयरपोर्ट में आने वाले एयरप्लेन पर भी निर्भर करता है। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद। हमें उम्मीद है कि आपकी उड़ान सुखद रही होगी! जल्द ही फिर से आपकी सेवा करने के लिए उत्सुक हैं।

वार्नर ने भी एयर इंडिया की आलोचना की थी

इससे पहले 22 मार्च को ऑस्ट्रेलियाआई क्रिकेटर डेविड वार्नर ने बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बिना पायलट वाले विमान में यात्रियों को बैठाने पर एअर इंडिया की आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि हम बिना पायलट वाले विमान में सवार हुए और घंटों तक इंतजार किया।

आप यात्रियों को क्यों बोर्ड करेंगे, यह जानते हुए भी कि आपके पास उड़ान के लिए कोई पायलट नहीं है?₹ इसके जवाब में एयर इंडिया ने कहा था कि बेंगलुरु में चुनौतीपूर्ण मौसम के कारण विभिन्न एयरलाइंस की उड़ानों में देरी हुई और कई फ्लाइट्स डायवर्ट की गईं। आपकी फ्लाइट उड़ाने वाले पायलट इन व्यवधानों से प्रभावित नहीं थे, वे पहले के असाइनमेंट पर रुके हुए था। इसके कारण डिपार्चर में देरी हुई। हम आपके धैर्य की सराहना करते हैं। हमारे साथ उड़ान भरने के लिए आपका धन्यवाद।

मैच में बांग्लादेशी क्रिकेटर तमीम इकबाल को आया हार्ट अटैक, अस्पताल में भर्ती

ढाका, 24 मार्च (एजेंसियां)। ढाका प्रीमियर लीग के मैच के दौरान ही तमीम इकबाल के सीने में दर्द उठा, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. तमीम इकबाल के सीने में जब दर्द उठा तब वो फील्डिंग कर रहे थे. रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है.

इधर भारत में आईपीएल का रोमांच सिर चढ़कर बोल रहा है. मगर उधर बांग्लादेश में ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग के मैच के दौरान बांग्लादेशी खिलाड़ी तमीम इकबाल को अचानक अस्पताल पहुंचाने की नौबत आ गई. ऐसी रिपोर्ट है कि उन्हें हार्ट अटैक आया है. दरअसल, मैच के दौरान ही बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल के सीने में अचानक दर्द उठा, जिसके बाद उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया.

अस्पताल ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का भी हुआ था इंतजाम

मामले की गंभीरता को भांपते हुए पहले तमीम इकबाल को अस्पताल ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर का इंतजाम किया गया था, मगर मैदान से उड़ान भरने की व्यवस्था नहीं होने की वजह से वो हेलीकॉप्टर से नहीं जा सके. उन्होंने बताया कि हेलीकॉप्टर से नहीं जा सकने के बाद तमीम को पास के ही अस्पताल में भर्ती कराया गया.

फील्डिंग के दौरान उठा सीने में दर्द

डीपीएल के जिस मैच में ये घटना घटी वो मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब और शिनेपुकुर क्रिकेट क्लब के बीच खेला जा रहा था. 50-50 ओवर के इस मैच में तमीम इकबाल के सीने में जब दर्द उठा तब वो फील्डिंग कर रहे थे.मुकाबले में तमीम इकबाल मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब का हिस्सा थे.

तमीम इकबाल की टीम को मिला है 224 रन का लक्ष्य

मैच में मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के खिलाफ शिनेपुकुर क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग की और 49.5 ओवर में 223 रन बनाकर ऑलआउट हो गई. शिनेपुकुर क्रिकेट क्लबकी ओर से सबसे ज्यादा 77 रन उसके कप्तान रायन रहमान ने बनाए.

अब मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब के सामने 224 रन की चुनौती है. तमीम इकबाल इस टीम के स्टार बल्लेबाज हैं. ऐसे में उनका इस रनचेज के दौरान ना होना टीम को कितना खलता है, ये तो अब मैच के बाद ही पता चलेगा.

तमीम इकबाल का इंटरनेशनल करियर

बाएं हाथ के बल्लेबाज तमीम इकबाल ने बांग्लादेश के लिए 2023 में अपना आखिरी मैच खेला. वो तीनों फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं. उन्होंने बांग्लादेश के लिए 243 वनडे, 70 टेस्ट और 78 T20 खेले. तीनों फॉर्मेट को मिलाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में तमीम इकबाल के करीब 15000 रन हैं.

पैदल चाल एथलीट प्रियंका ने 35 किमी में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपियन प्रियंका ने 2023 में रांची में नेशनल ओपन पैदल चाल चैंपियनशिप में मंजू रानी द्वारा बनाए गए 2:57:54 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। प्रियंका ने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता था।

राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता पैदल चाल की एथलीट प्रियंका गोस्वामी ने स्लोवाकिया के डुडिंस में डुडिंस्का 50 प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं की 35 किमी स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। प्रियंका ने गोल्ड लेवल की प्रतियोगिता में दो घंटे 56 मिनट 34 सेकंड (2:56:34) का समय निकाला और 11वें स्थान पर रहीं। उनका पिछला व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 3:13:19 था।

दो बार की ओलंपियन प्रियंका ने 2023 में रांची में नेशनल ओपन पैदल चाल चैंपियनशिप में मंजू रानी द्वारा बनाए गए 2:57:54 के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। प्रियंका ने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 10000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता था। इक्वाडोर की पाउला मिलेना टोरेस ने 2:44:26 के समय के साथ महिलाओं की 35 किमी पैदल चाल स्पर्धा जीती। पेरू की किम्बर्ली गार्सिया (2:45:59) और पोलैंड की कटारज़ीना ज़डज़ीब्लो (2:46:59) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। इस बीच राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक आकाशदीप सिंह पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल में 1:24:13 के समय के साथ छठे स्थान पर रहे।

जैस्मीन लम्बोरिया का शानदार प्रदर्शन

क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई

नई दिल्ली, 24 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता जैस्मीन लम्बोरिया ने 8वीं इलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। प्रारंभिक दौर में चंडीगढ़ की रुचिका पर दूसरे दौर की आरएससी जीत के साथ लम्बोरिया ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। लाइटवेट वर्ग की मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन लम्बोरिया पेरिस ओलंपिक के लिए फेदरवेट वर्ग में आई थीं और अब इसी कटेगरी में खेलती हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था कांस्य पदक

जैस्मीन ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में लाइटवेट कांस्य पदक जीता था, वह पेरिस ओलंपिक के लिए फेदरवेट वर्ग में खेली थीं। जीत हासिल करने वाली खिलाड़ियों में लम्बोरिया के साथ रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की सनमाचा चानू भी शामिल हैं। यूथ विश्व और राष्ट्रीय चैंपियन चानू ने मणिपुर की बिंदिया देवी माओरेम पर अपनी एकतरफा जीत के दौरान खेल पर पूर्ण नियंत्रण दिखाया।

यह चैंपियनशिप उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से बीएफआई द्वारा आयोजित की जा रही है। सप्ताह भर चलने वाले इस टूर्नामेंट में 24 राज्य इकाइयों के 180 मुक्केबाज 10 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह आयोजन विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों का पालन करता है, जिसमें एक मिनट के रेस्ट ब्रेक के साथ 3-3 मिनट के राउंड शामिल हैं।

बिना घरेलू क्रिकेट खेले आईपीएल में हुई एंट्री

ऋतुराज, शिवम और दीपक को बनाया अपना शिकार,कौन हैं विग्नेश पुथुर

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर विग्नेश पुथुर को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के अपने पहले मैच के लिए मुंबई इंडियंस ने इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में डेब्यू किया। अपने पहले ही मैच उन्होंने धमाल मचा दिया है। आइये जानते हैं इस युवा स्पिनर के बारे में:

आते ही मचाया धमाल

अपने पहले ही ओवर में विग्नेश ने चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का महत्वपूर्ण विकेट हासिल किया। उन्होंने ऑफ-स्टंप के बाहर एक फुल लेंथ गेंद फेंकी, जिसे गायकवाड़ ने सीधे विल जैक्स के हाथों में खेल दिया।

अपने दूसरे ओवर में, विग्नेश ने शिवम दुबे को भी पवेलियन भेजा। दुबे ने लॉन्ग-ऑन पर तिलक वर्मा को कैच थमा दिया। दीपक हुड्डा उनके तीसरे शिकार बने, जब उन्होंने स्लॉग स्वीप करने के प्रयास में डीप स्क्वायर लेग पर कैच दे दिया। केरल के मलप्पुरम से आने वाले 23 वर्षीय बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर विग्नेश को पांच बार की चैंपियन टीम ने 30 लाख रुपये में खरीदा था।

करते थे तेज गेंदबाजी

विग्नेश पुथुर ने अब तक सीनियर स्तर पर केरल का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। उन्होंने केवल अंडर-14 और अंडर-19 स्तर पर राज्य के लिए खेला है। इसके अलावा, उन्होंने केरल क्रिकेट लीग (केसीएल) में एलेप्पी रिपल्स टीम के लिए हिस्सा लिया, जहां उन्होंने तीन मैचों में केवल दो विकेट लिए। इसके साथ ही उन्होंने तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) में भी भाग लिया था।

अपने क्रिकेटिंग करियर के शुरुआती दिनों में, विग्नेश मध्यम गति और स्पिन दोनों गेंदबाजी करते थे। हालांकि, स्थानीय क्रिकेटर मोहम्मद शेरिफ ने उन्हें लेग स्पिन पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। दिलचस्प बात यह है कि उस समय विग्नेश को 'चाइनामैन' गेंदबाजी की सही तकनीक के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने लगातार अपनी गेंदबाजी पर काम किया।

बेहतर अवसरों की तलाश में वे त्रिशूर चले गए और वहां सेंट थॉमस कॉलेज के लिए केरल कॉलेज प्रीमियर टी-20 लीग में शीर्ष गेंदबाजों में से एक बने। जॉली रोवर्स क्रिकेट क्लब के लिए शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्हें केरल क्रिकेट लीग में एलेप्पी रिपल्स टीम में मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी और उन्हें एक उभरते हुए स्पिनर के रूप में पहचान दिलाई।

लखनऊ के इकाना स्टेडियम को मिली भारत-दक्षिण अफ्रीका मैच की मेजबानी

लखनऊ, 24 मार्च (एजेंसियां)। शहर के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी मिली है। यह मुकाबला 17 दिसंबर को खेला जाएगा। कोलकाता में हुई बीसीसीआई की अपेक्स काउंसिल की बैठक से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण अफ्रीका की टीम नवंबर-दिसंबर माह में भारत दौरे पर तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगी।

इस सीरीज के तहत 17 दिसंबर को दोनों टीमों के बीच चौथा टी-20 मुकाबला खेला जाएगा। इकाना स्टेडियम में यह भारत का चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला होगा। फटाफट क्रिकेट मुकाबलों की सफल मेजबानी के लिए शहर का अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम देश भर में खासी शोहरत बटोर चुका है। टी-20 इंटरनेशनल में भी यहां मेजबान भारत का शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड रहा है। टीम इंडिया अभी तक यहां खेले सभी मुकाबलों में जीत की हैट्रिक जमा चुकी हैं।

ऐसे में 17 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 17 दिसंबर को होने वाले मुकाबले में भी मेजबान टीम का दबदबा कायम रहने की उम्मीद है। स्टेडियम में भारत का आखिरी टी-20 मुकाबला 29 जनवरी 2023 को खेला गया था, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से पराजित किया था। इससे पहले भारत ने श्रीलंका को 22 फरवरी (वर्ष 2022) और वेस्टइंडीज को छह नवंबर (वर्ष 2018) को हरा चुका है।

इकाना स्टेडियम में इन दिनों आईपीएल की तैयारियां जोरों पर है। लखनऊ सुपरजायंट्स का होम ग्राउंड होने के कारण यहां बीते एक माह से टीम प्रबंधन तैयारियों में जुटा रहा। एलएसजी के सात मैच स्टेडियम में खेले जाने हैं, जिसका आगाज एक अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के साथ होगा और आखिरी मुकाबला 18 मई को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला जाएगा। इस दौरान लखनऊ की टीम मुंबई इंडियंस (चार अप्रैल), चेन्नई सुपरकिंग्स (14 अप्रैल) और रॉयल चैलेंजर्स बंगलूरू (नौ मई) के खिलाफ अहम मुकाबले खेलेगी।

वह चाहे आईपीएल हो अथवा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले। फटाफट क्रिकेट मुकाबलों की सफल मेजबानी के लिए शहर का अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम देश भर में खासी शोहरत बटोर चुका है। टी-20 इंटरनेशनल में भी यहां मेजबान भारत का शत प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड रहा है। टीम इंडिया अभी तक यहां खेले सभी मुकाबलों में जीत की हैट्रिक जमा चुकी हैं। ऐसे में 17 दिसंबर को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच 17 दिसंबर को होने वाले मुकाबले में भी मेजबान टीम का दबदबा कायम रहने की उम्मीद है। स्टेडियम में भारत का आखिरी टी-20 मुकाबला 29 जनवरी 2023 को खेला गया था, जिसमें भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट से पराजित किया था। इससे पहले भारत ने श्रीलंका को 22 फरवरी (वर्ष 2022) और वेस्टइंडीज को छह नवंबर (वर्ष 2018) को हरा चुका है।

बीसीसीआई ने किया सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान

खिलाड़ियों की लगी लॉटरी

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने सोमवार को महिलाओं के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर लिया है।

बीसीसीआई ने महिला क्रिकेटर्स की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट को तीन कैटेगरी में बांटा है। बोर्ड ने इसमें ग्रेड ए में तीन खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिसमें हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा का नाम शामिल है।

ग्रेड बी में 4 खिलाड़ी अपनी जगह बनाने में कामयाब रही हैं। इनके अलावा 9 खिलाड़ियों को ग्रेड सी में जगह दी गई है।

एक साल में दो बार टूटा दिल

विराट कोहली ने किया बड़ा खुलासा

मुंबई, 24 मार्च (एजेंसियां)। विराट कोहली का दिल जिस पर आया, वो अब उनकी पत्नी हैं. दोनों की पर्सनल लाइफ मजे से चल भी रही है. फिर भारतीय बल्लेबाज के ऐसा कहने के पीछे माजरा क्या है, कि एक साल में दो बार दिल टूट चुका है. दरअसल, इसके पीछे की वजह भी खुद विराट कोहली ने ही बताई है. सोशल मीडिया पर उनका एक इंटरव्यू वायरल है, जिसमें एक आईपीएल मैच के बाद वो अपने दिल के टूटने की वजह बयां कर रहे हैं. विराट की बातों से पता चलता है कि दोनों ही मौकों पर उनके दिल के टूटने की वजह निजी नहीं बल्कि क्रिकेट के मैदान से जुड़ी है.

एक साल में दो बार टूटा दिल- विराट कोहली

विराट कोहली एक आईपीएल मैच के बाद ये कहते दिख रहे हैं कि उनका दिल एक ही साल में दो बार टूट चुका है. विराट के मुताबिक ऐसा 2016 में हुआ था. पहली बार तो उनका दिल इसलिए टूटा था क्योंकि टी20 वर्ल्ड कप जीतने में टीम इंडिया नाकाम रही थी. और दूसरी बार उनके दिल के टूटने की वजह उसी साल आईपीएल फाइनल में आरसीबी को मिली हार बनी थी.

सिर्फ विराट कोहली के प्रदर्शन के लिहाज से आईपीएल 2016 अभी भी इस क्रिकेट लीग का सबसे शानदार सीजन है. ऐसा इसलिए क्योंकि उस सीजन में उन्होंने जितने रन बनाए हैं, उतने अभी तक किसी भी सीजन में किसी भी बल्लेबाज ने नहीं बनाए हैं. मतलब एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन बनाने का रिकॉर्ड आज भी विराट कोहली के नाम पर है, जो कि आईपीएल 2016 में बना था.

विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं. वो इकलौते प्लेयर हैं, जिनके नाम आईपीएल में 8000 से ज्यादा रन हैं. और, ये सभी रन उन्होंने एक ही फ्रेंचाइजी यानी आरसीबी से खेलते हुए बनाए हैं.

उन्होंने आईपीएल 2025 का आगाज भी जोरदार किया है. विराट ने आईपीएल 2025 में खेले पहले मैच में केकेआर के खिलाफ शानदार अर्धशतक जड़ा और अपनी टीम को जीत दिलाकर ही लौटे. केकेआर के खिलाफ 175 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उन्होंने 36 गेंदों पर 59 नाबाद रन बनाए थे.

तेलंगाना में निवेश को बढ़ावा दें : श्रीधर बाबू

मंत्री ने "यूएस-इंडियाना" राज्य प्रतिनिधियों से आग्रह किया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने यूएस राज्य इंडियाना के प्रतिनिधियों से तेलंगाना में व्यापार के अनुकूल माहौल को उजागर करके अपने क्षेत्र में उद्योगपतियों से निवेश को बढ़ावा देने का आग्रह किया है। सोमवार को इंडियाना के राज्य सचिव डिएगो मोरालेस के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा समिति हॉल में मंत्री श्रीधर बाबू से मुलाकात की। बैठक के दौरान, मंत्री ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए तेलंगाना सरकार द्वारा की गई पहलों और निवेशकों को दिए जा रहे विभिन्न प्रोत्साहनों के बारे में विस्तार से बताया।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, राज्य रणनीतिक रूप से एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसमें औद्योगिक क्षेत्र इस मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मंत्री श्रीधर बाबू ने इस साल के दावोस शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित समझौतों पर भी प्रकाश डाला, जहां उद्योगपतियों ने तेलंगाना में 1.78 लाख करोड़ का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि तेलंगाना अत्याधुनिक तकनीकों के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो दुनिया भर का ध्यान आकर्षित कर रहा है। सरकार नवोन्मेषी उद्यमों और उद्यमियों का समर्थन करने और एक संपन्न व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी अग्रणी वैश्विक आईटी कंपनियों ने हैदराबाद में महत्वपूर्ण परिचालन स्थापित किए हैं।

उद्योग और शिक्षा के बीच की खाई को पाटने के लिए, तेलंगाना सरकार ने यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी शुरू की है, जो विशेषज्ञों और व्यापारिक नेताओं के सहयोग से उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम पेश करती है। आईटी के अलावा, तेलंगाना ने खुद को जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और जीवन विज्ञान क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। मंत्री श्रीधर बाबू ने उल्लेख किया कि एली लिली ने हैदराबाद में एक वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित किया है। राज्य सरकार इंडियाना के साथ चिकित्सा उपकरण, फार्मास्यूटिकल्स, जीवन विज्ञान, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग करने के लिए भी तैयार है।

इंडियाना के राज्य सचिव डिएगो मोरालेस ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए मंत्री श्रीधर बाबू को इंडियाना आने का निमंत्रण दिया। बैठक में सिडोनिया निकोल (डिएगो मोरालेस की पत्नी), सोजोस कैपिटल के सीईओ फैबियो पेरेज़ परेरा, इंडियाना-इंडिया बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष राजू चिंताला, टीजीआईआईसी के एमडी विष्णु वर्धन रेड्डी और टीजीआईआईसी के सीईओ मधुसूदन सहित अन्य लोग शामिल हुए।

निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में पूर्व छात्रों की बैठक

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनआईएमएस) के अस्पताल प्रशासन विभाग ने रविवार को स्वास्थ्य प्रशासन शिक्षा के क्षेत्र में 35 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अपने पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक पूर्व छात्रों ने भाग लिया, जो वर्तमान में देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रमुख प्रशासनिक पदों पर कार्यरत हैं। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस समारोह में स्वास्थ्य सेवा प्रशासकों को तैयार करने की विभाग की विरासत का जश्न मनाया गया, जिन्होंने देश भर में नीति को आकार देने और स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणालियों में सुधार करने का काम किया है। इस अवसर पर निम्स के पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पुलिजाला सत्यनारायण और डॉ. इंदिरा वेंकटरमन, चिकित्सा अधीक्षक और अस्पताल प्रशासन विभागाध्यक्ष डॉ. निम्मा सत्यनारायण, वरिष्ठ संकाय, अतिरिक्त प्रोफेसर और अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक तथा आरएमओ उपस्थित थे।

दिल दहला देने वाली घटना

छेड़छाड़ से परेशान महिला ने चलती ट्रेन से लगा दी छलांग

हैदराबाद, 24 मार्च (एजेंसियां)। हैदराबाद में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने खुद को बदमाशों से बचाने के लिए चलती ट्रेन से छलांग लगा दी। चलती ट्रेन से कूदने के बाद 23 वर्षीय महिला घायल हो गई। दावा किया है कि एक व्यक्ति ने कोच में महिला के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। सरकारी रेलवे पुलिस ने सोमवार को इस घटना की जानकारी दी।

हैदराबाद के एक अस्पताल में इलाज करा रही पीड़िता ने रविवार को पुलिस को दिए बयान में कहा कि यह घटना 22 मार्च की शाम को हुई, जब वह सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से मेडचल के लिए एमएमटीएस (मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सर्विस) ट्रेन के महिला कोच में अकेली यात्रा कर रही थी।

जबरदस्ती करने की कोशिश : महिला ने बताया कि उसी कोच में यात्रा कर रही दो महिला यात्रियों के अलवल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद लगभग 25 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति उसके पास आया और यौन संबंध बनाने की मांग की। जब उसने मना कर दिया तो उसने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की, जिसके बाद वह चलती ट्रेन से कूद गई।

सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया : जीआरपी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उसके सिर, ठोड़ी, दाहिने हाथ और कमर पर खून बहने वाली चोटें आईं। बाद में कुछ राहगीरों ने उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।

महिला की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज : पुलिस ने बताया कि महिला ने कहा है कि अगर वह दोबारा उस व्यक्ति को देखती है तो वह उसे पहचान लेगी। महिला की शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 75 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) और 131 (आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आगे की जांच जारी : निजी क्षेत्र की कर्मचारी महिला ने बताया कि 22 मार्च को वह अपने मोबाइल फोन का डिस्प्ले ठीक कराने के लिए मेडचल से सिकंदराबाद आई थी। आगे की जांच जारी है।

बोईनपल्ली सब्जी मार्केट यार्ड एसोसिएशन के साथ पुलिस ने की समन्वय बैठक

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सुरक्षा उपायों की समीक्षा करने और सुरक्षा और सुरक्षा के बारे में चल रही चिंताओं को दूर करने के लिए बोईनपल्ली सब्जी मार्केट यार्ड में बोईनपल्ली मार्केट यार्ड एसोसिएशन के साथ पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र द्वारा समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में कई प्रमुख मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें अनधिकृत प्रवेश, नशीली दवाओं का दुरूपयोग, साइबर अपराध और परिसर के भीतर खुले में शराब पीना शामिल है। बैठक के दौरान बाजार के पदाधिकारियों को अनधिकृत प्रवेश को रोकने और वाहनों और व्यक्तियों के प्रवेश डेटा को बनाए रखने के लिए सभी श्रमिकों और वाहनों को पास जारी करके प्रवेश नियंत्रण को मजबूत करने की सलाह दी गई। यह पाया गया कि मौजूदा 35 कैमरों में से केवल 16 सीसीटीवी कैमरे ही काम कर रहे हैं। बाजार की बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी लगाने और अंधेरे कोनों में प्रकाश व्यवस्था में सुधार के माध्यम से निगरानी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त, व्यक्तिगत व्यापारियों को भी अपने परिसर में और उसके आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने और कम से कम 30 दिनों की अवधि के लिए डेटा बनाए रखने की सलाह दी गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सभी के लिए सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए बाजार यार्ड के भीतर सार्वजनिक स्थानों पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और खुले में शराब पीने पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया गया। साइबर अपराध की बढ़ती घटनाओं और ऑनलाइन खतरों से निपटने के लिए अधिकारियों के साथ सतर्कता और सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर ध्यान आकर्षित किया गया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि तेलंगाना की छवि को बनाए रखने और राज्य भर के किसानों, व्यापारियों और ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बोईनपल्ली मार्केट यार्ड की सुरक्षा और रखरखाव आवश्यक है। प्रभावी अपराध नियंत्रण और सुरक्षित, संरक्षित व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय पुलिस के साथ सहयोग महत्वपूर्ण है। सभी बाजार हितधारकों से आग्रह किया गया कि वे तत्काल कदम उठाएं और सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने तथा परिसर के भीतर किसी भी आपराधिक गतिविधि को रोकने के लिए अधिकारियों के साथ मिलकर काम करें। बाजार अध्यक्ष, सचिव, बाजार संघ के अध्यक्ष, कृषि प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य, एसीपी, तिरुमलगिरी और इंस्पेक्टर- तिरुमलगिरी लगभग 200 लोग सभा में शामिल हुए। इसके अलावा पुलिस ने सभा में उपस्थित लोगों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्धता या शिकायत की सूचना डायल-100 के माध्यम से पुलिस को दें और शांति और सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करें।

अभिषेक मोहंती को हाईकोर्ट में राहत मिली

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के आईपीएस अधिकारी अभिषेक मोहंती को हाईकोर्ट में राहत मिली है। कोर्ट ने सोमवार को आदेश जारी किया कि अभिषेक मोहंती को अपने मामले में कैट की सुनवाई पूरी होने तक तेलंगाना में अपने कर्तव्यों का निर्वहन जारी रखना चाहिए। हाईकोर्ट के फैसले से अभिषेक मोहंती को राहत मिली है। डीओपीटी ने तीन आईपीएस अधिकारियों को तेलंगाना से एपी स्थानांतरित करने के आदेश जारी किए हैं। अभिषेक मोहंती उनमें से एक हैं। हालांकि, उन्होंने आंध्र प्रदेश भेजे जाने पर आपत्ति जताई और केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) का दरवाजा खटखटाया। अभिषेक मोहंती की याचिका पर फिलहाल कैट में सुनवाई चल रही है। इस संदर्भ में हाईकोर्ट ने कहा है कि डीओपीटी द्वारा पूर्व में जारी आदेशों पर कैट की सुनवाई पूरी होने तक उनका तबादला रोक दिया जाना चाहिए और कहा कि तब तक वह तेलंगाना में अपना कर्तव्य निभा सकते हैं। केंद्र ने पिछले महीने आदेश जारी कर उन्हें आंध्र प्रदेश में अपना कर्तव्य निभाने के लिए कहा था, जो राज्य के विभाजन के दौरान मोहंती को आवंटित किया गया था। अभिषेक मोहंती ने आदेश को चुनौती देते हुए कैट का दरवाजा खटखटाया। मामले को लेने वाले कैट ने केंद्र के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कैट के फैसले को चुनौती देते हुए उन्होंने तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

फ्लाईओवर पर दुर्घटना में 2 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के आदिकमेट फ्लाईओवर पर सोमवार तड़के सड़क दुर्घटना में दो इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, एक निजी कॉलेज के छात्र बाइक पर सवार होकर फ्लाईओवर से जा रहे थे, तभी तेज गति के कारण बाइक सवार ने बाइक पर नियंत्रण खो दिया और बाइक डिवाइडर से टकरा गई। दोनों घायल होकर मौके पर ही गिर गए और उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामला दर्ज किया जा रहा है।

बीआरएस ने की फसल ऋण माफी पर विधानसभा में बहस की मांग

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। के.टी. रामा राव और टी. हरीश राव के नेतृत्व में बीआरएस विधायकों ने सोमवार को तेलंगाना विधानसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया, जिसमें वारंगल किसान घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार 2 लाख रुपये तक के पूर्ण फसल ऋण माफी को लागू करने में कांग्रेस सरकार की विफलता पर चर्चा की मांग की गई।

सत्र शुरू होते ही बीआरएस विधायकों ने फसल ऋण माफी पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगाए। हरीश राव ने विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। उन्होंने तत्काल 2 लाख रुपये तक के ऋण माफ करने की मांग की, जबकि मंत्रियों ने वार्षिक राज्य बजट पर चर्चा के लिए अनुदान की मांगें पेश कीं। बीआरएस विधायकों ने विरोध के तौर पर काली पट्टियाँ बाँधी और सरकार से किसानों की मदद के लिए आगे आने की मांग की। इसके अलावा, भाकपा विधायक कुनामनेनी संबाशिवा राव ने पत्रकारों के लिए नौकरी की सुरक्षा, आवास, स्वास्थ्य देखभाल और पेंशन लाभ की मांग करते हुए स्थगन प्रस्ताव पेश किया।

सोमवार को विधानसभा में राज्य के वार्षिक बजट 2025-26 पर चर्चा का दूसरा दिन है। नगर प्रशासन और शहरी विकास, समाज कल्याण, आदिवासी कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण के साथ-साथ उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी के लिए अनुदान मांगों पर चर्चा की जाएगी।

विधानसभा में पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, महिला, बाल एवं विकलांग कल्याण के लिए अनुदान मांगों पर भी चर्चा होगी। तेलंगाना नगर पालिका (संशोधन) विधेयक, 2025 और तेलंगाना पंचायत राज (संशोधन) विधेयक विधानसभा में पेश किए जाएंगे।

हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण एमएलसी चुनाव 23 अप्रैल को

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग ने हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधान परिषद की एक सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की है। बीआरएस एमएलसी एमएस प्रभाकर का कार्यकाल इस वर्ष 1 मई को समाप्त होने के कारण चुनाव आवश्यक हो गया है। नतीजतन, चुनाव की अधिसूचना 28 मार्च को जारी की जाएगी, जिसके बाद नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 4 अप्रैल निर्धारित की गई है, नामांकन की जांच 7 अप्रैल को होगी और उम्मीदवारों को 9 अप्रैल तक अपना नामांकन वापस लेने का अवसर मिलेगा। मतदान 23 अप्रैल को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होगा और मतगणना 25 अप्रैल को होगी। संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। सभी हितधारकों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। अधिक जानकारी के लिए भारत के चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.eci.gov.in पर जाएं।

वर्गीकृत विशेषज्ञों का भंडार विकसित कर रहा है तेलंगाना

पीएससी विषयों को बनाया गया है आधार

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) के अध्यक्ष बुर्रा वेंकटेशम ने कहा कि आयोग विषयों के आधार पर वर्गीकृत विशेषज्ञों का एक राष्ट्रीय स्तर का संग्रह विकसित कर रहा है। जून 2025 तक पैनलबद्ध निर्देशिका सभी पीएससीएस को उपलब्ध करा दी जाएगी, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञ संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित होगा। 22 और 23 मार्च को तिरुवनंतपुरम में केरल लोक सेवा आयोग द्वारा प्रौद्योगिकी पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेते हुए वेंकटेशम ने कहा कि प्रौद्योगिकी कार्यान्वयन महत्वपूर्ण कानूनी चुनौतियां लेकर आता है और इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, टीजीपीएससी, एनएएलएसएआर के सहयोग से इस जून में हैदराबाद में कानूनी मुद्दों पर एक व्यापक कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। वेंकटेशम ने यह भी घोषणा की कि टीजीपीएससी इस दिसंबर में हैदराबाद में राज्य पीएससी के अध्यक्षों का राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। कार्यशाला में भर्ती प्रक्रिया में उन्नत तकनीकी समाधानों को एकीकृत करने, भर्ती परीक्षाओं के लिए सीबीटी, छद्मवेश को रोकने के लिए बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, कार्यालय स्वचालन और डिजिटल मूल्यांकन, बढ़ी हुई सुरक्षा और दक्षता के लिए परीक्षा प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्नान के दौरान गोदावरी नदी में डूबा युवक

जगतियाल, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वेलगटूर मंडल के कोटिलिंगाला में 32 वर्षीय व्यक्ति श्रीमंथुला विग्नेश गोदावरी नदी में डूब गया। करीमनगर निवासी विग्नेश अपनी पत्नी श्रीलता के साथ रविवार को गोदावरी नदी में पवित्र स्नान करने के लिए कोटिलिंगला गए थे। दंपत्ति नहाने के लिए नदी में उतरे थे। पवित्र स्नान के बाद विग्नेश पानी में तैर रहा था और दुर्घटनावश अपनी पत्नी के सामने ही डूब गया। श्रीलता ने शोर मचाया, जिसके बाद अन्य भक्त मौके पर पहुंचे और विग्नेश की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। वेलगाटियर पुलिस मौके पर पहुंची और पेशेवर तैराकों की मदद से शव को बाहर निकाला।

अमीरपेट में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में 5 घायल

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट स्थित एक होटल में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट होने से 5 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट के अनुसार, सुबह करीब 5 बजे क्रिसेंट कैफे एंड बेकर्स में एलपीजी सिलेंडर फट गया। रेस्तरां के पास मौजूद पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से एक व्यक्ति को गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस को संदेह है कि एलपीजी लीकेज के कारण सिलेंडर में विस्फोट हुआ। पुलिस जांच कर रही है। मामला दर्ज किया जा रहा है।

सिग्नल पर इंतजार कर रहे मोटर चालक को डीसीएम ने मारी टक्कर, 4 घायल

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार सुबह हब्सीगुडा में ट्रैफिक सिग्नल पर इंतजार कर रहे मोटर चालकों को एक डीसीएम ने टक्कर मार दी, जिससे एक महिला सहित कम से कम चार लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, डीसीएम वाहन ने तीन बाइकों को टक्कर मार दी, जिससे तीन पुरुष और एक महिला घायल हो गए। वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। डीसीएम चालक ने पुलिस को बताया कि वाहन का ब्रेक सिस्टम फेल हो गया था, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद हब्सीगुडा रोड पर यातायात धीमा हो गया। यातायात पुलिस ने क्रेन की मदद से डीसीएम वाहन को हटाया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

5 अप्रैल से वोंटीमिट्टा में श्रीराम नवमी वार्षिक ब्रह्मोत्सवम

तिरुमला, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायुडू ने ईओ श्यामला राव के साथ सोमवार को तिरुमला में वाईएसआर कडप्पा जिले के वोंटीमिट्टा में श्रीराम नवमी वार्षिक ब्रह्मोत्सवम की पुस्तिका का विमोचन किया। यह कार्यक्रम अन्नामैया भवन में बोर्ड की बैठक के दौरान हुआ। इस अवसर पर बोलते हुए टीटीडी चेयरमैन ने कहा कि वार्षिक उत्सव 5 से 15 अप्रैल तक भव्यता के साथ मनाया जाएगा, जबकि 11 अप्रैल को दिव्य श्री सीता राम कल्याणम का राज्य उत्सव मनाया जाएगा। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों के अलावा अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी, जेईओ वीरब्रह्मम भी मौजूद थे।

खराब स्वच्छता और कॉकरोच के संक्रमण के लिए पकड़े गए तीन रेस्तरां

जीवित कॉकरोच का संक्रमण पाया गया

हैदराबाद, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में मंडी रेस्तरां के निरीक्षण के दौरान रसोई में कॉकरोच का प्रकोप, मांस के अवशेष और खून के फैलाव के साथ अस्वास्थ्यकर रेफ्रिजरेटर जैसी अन्य समस्याएं पाई गईं। खाद्य सुरक्षा आयुक्त के खाद्य निरीक्षकों ने खैरताबाद में मंडी टाउन और मंडी किंग रॉयल तथा बंजारा हिल्स में मंडी 35 अरेबियन किचन के निरीक्षण के दौरान भोजनालयों में गंभीर खाद्य सुरक्षा उल्लंघन पाया। मंडी टाउन में खाद्य निरीक्षकों द्वारा रसोईघर में जीवित कॉकरोच का संक्रमण पाया गया तथा रेफ्रिजरेटर बहुत ही अस्वास्थ्यकर स्थिति में पाया गया, जिसमें मांस का कचरा और खून फैला हुआ था, फर्श उखड़ी हुई थी तथा खाद्य अपशिष्ट से अटा पड़ा था, रसोईघर में समुचित सफाई के लिए नालियों का अभाव था।

सिंथेटिक खाद्य रंग पाए गए जिन्हें बाद में नष्ट कर दिया गया, पेयजल टैंक की सफाई ठीक से नहीं की गई थी और उसमें मृत कीड़े पाए गए। रेफ्रिजरेटर में रखी खाद्य वस्तुएं खुली और बिना लेबल वाली थीं तथा चिकन, मटन आदि कच्चे मांस को अस्वास्थ्यकर तरीके से रेफ्रिजरेटर में रखा पाया गया, जिससे संदूषण हो सकता है। मंडी 36, अरेबियन किचन, बंजारा हिल्स में फर्श पर दरारें पाई गईं, रसोई की छत पर अंधेरा और कालिख लगी हुई थी, चिमनियां चिकनी, धूल भरी और गंदी थीं, कीड़ों के प्रवेश को रोकने के लिए एग्जॉस्ट में जाली नहीं लगी थी, रसोई में लोहे के चाकू का उपयोग किया गया था, ग्रिलिंग पैन अंधेरे, चिकने और गंदे थे।

रेफ्रिजरेटर में रखे खाद्य पदार्थ ढके हुए थे, लेकिन उन पर लेबल नहीं था, पुदीने के पत्ते जैसी सब्जियाँ खराब हालत में पाई गईं और बाद में निरीक्षण करने वाली टीमों ने उन्हें फेंक दिया। कुछ खाद्य पदार्थ ज़मीन पर रखे हुए पाए गए और दीवारों और भंडारण रैक के बीच कोई उचित अंतर नहीं था। खैरताबाद स्थित मंडी किंग रॉयल में टास्क फोर्स टीम ने

सब्जियाँ खराब हालत में पाई गईं

रिपोर्ट दी कि रेफ्रिजरेटर अस्वास्थ्यकर स्थिति में थे, क्योंकि उनमें डीफ्रॉस्ट सुविधा नहीं थी, खुले खाद्य पदार्थों में पानी की बूंदें गिर रही थीं, रसोई का फर्श और धुलाई क्षेत्र उबड़-खाबड़ था और खाद्य अपशिष्ट से अटा पड़ा था। नालियां जाम थीं और चिमनियाँ चिकनी और गंदी थीं। सुविधा में जंग लगे लोहे के चाकू का इस्तेमाल किया जा रहा था।

शाकाहारी और मांसाहारी खाद्य पदार्थ, कच्चा और आधा पका हुआ भोजन रेफ्रिजरेटर में एक साथ रखा जाता था। चिकन, मटन आदि सहित कच्चे मांस को अस्वास्थ्यकर स्थिति में रेफ्रिजरेटर में रखा पाया गया, जो संदूषण का कारण बन सकता है।

टीटीडी ने 5,258.68 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी

तिरुमला, 24 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायुडू ने कहा कि टीटीडी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 5,258.68 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दे दी है। टीटीडी बोर्ड की बैठक के बाद, सोमवार शाम को टीटीडी ईओ जे श्यामला राव, बोर्ड के सदस्यों और अन्य अधिकारियों के साथ अन्नामैया भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बोर्ड ने कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव लिए हैं। बैठक में पोटू श्रमिकों के लिए बेहतर चिकित्सा देखभाल के साथ-साथ वेतन वृद्धि की व्यवहार्यता पर विचार करना, कोडंगल, करीमनगर, उपमाका, अनकापल्ले, कर्नूल, धर्मावरम, तालकोना, तिरुपति (गंगम्मा) में मंदिरों के पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने की मंजूरी दी गई।

पूर्व में टीटीडी को जैविक उत्पादों की आपूर्ति करने वाले दाताओं की दान पासबुक रद्द करने का निर्णय, तिरुमाला में कुछ वीआईपी और गैर-वीआईपी गेस्ट हाउसों का पुनर्निर्माण करने का निर्णय, अलीपीरी में साइंस सिटी और संग्रहालय की स्थापना के लिए पहले आवंटित 20 एकड़ भूमि को रद्द करने का संकल्प, तिरुमाला में अनधिकृत और बिना लाइसेंस वाली दुकानों की पहचान करने और उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने का निर्णय, बुजुर्गों और विशेष रूप से सक्षम नागरिकों को ऑफ़लाइन श्रीवरु के दर्शन की पेशकश करने की संभावनाओं का पता लगाने का निर्णय, भक्तों के अनुरोध के अनुसार सुबह 5.30 बजे श्रीवारी वीआईपी ब्रेक दर्शन के समय को बदलने पर विचार करने और व्यवहार्यता को सत्यापित करने का निर्णय, हर तीन महीने में एक बार सुपथम के माध्यम से टीटीडी कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों को छह टिकट देने का निर्णय लिया गया है। तिरुपति में श्रीनिवास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के विकास के लिए एक करोड़ रुपये की मंजूर टीटीडी बोर्ड की बैठक शुरू होने से पहले चेयरमैन और अन्य लोगों ने प्रसिद्ध गायक और टीटीडी अस्थाना विद्वान डॉ. गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। बैठक में अतिरिक्त ईओ चौधरी वेंकैया चौधरी, बोर्ड के अन्य सदस्य, जेईओ वीरब्रह्मम भी मौजूद थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.